

रोटरी

INDIA

www.rotarynewsonline.org

समाचार



रोटरी प्रवासी श्रमिकों की मदद कर रही है



रोटरी क्लब मन्नारगुडी, रो ई मंडल 2981 ने उत्तर भारत से तमिल नाडु में काम के लिए आये लुहरों को उनके परिवार सहित एक कॉलेज में ठहराया है। तालाबंदी के बाद क्लब के सदस्य उन्हें खाना पकाने के लिए किराने का सामान और सब्जियां भी दे रहे हैं।

{dfngMr

10 मुंबई के भूखे और पीड़ित लोगों के लिए
अकेला रोटरी क्लब ₹11 करोड़ जुटाता है

इसका एक वृत्तान्त कि कैसे लॉकडाउन के दौरान रोटरी क्लब
मुंबई कींस नेकलेस ने 6 मिलियन भूखे लोगों को खाना खिलाया।

10



16 रोटरी क्लब सोलापुर लॉकडाउन के
दौरान भी अपनी टिफिन सेवा जारी रखता है

वृद्धजनों को गरमा-गरम खाना खिलाने की इस 12 वर्षीय लंबी
परियोजना को जारी रखने से इस क्लब को कोई नहीं रोक सकता।

20 एक ऑस्ट्रेलियाई - शौचालय योद्धा
भारत में WinS के लिए बल्लेबाजी करते हैं
ऑस्ट्रेलिया के मार्क बाला के बारे में पढ़िए
जो भारत एवं अन्य विकासशील देशों में
शौचालय बनाने को लेकर उत्साहित है।

26 हर्षवर्धन ने रोटरी इंडिया को महामारी
के दौरान मदद के लिए धन्यवाद दिया

इस महामारी से बुरी तरह से प्रभावित लोगों के लिए रोटरी
के राहत कार्यों के बारे में वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं ने, वेब
कॉन्फ्रेंस पर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया।

48 जिम्बाब्वे चिकित्सीय मिशन
500 सर्जरीयाँ करता है

10 सदस्यीय भारतीय VIT ने अफ्रीका के
ज़िम्बाब्वे में 3,000 मरीजों का इलाज किया।

54 एक शानदार कॉफी की बेंगलुरु की प्यास बुझाना
जब कभी बेंगलुरु में हो, तो अपनी फिल्टर कॉफी के लिए
मशहूर प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान ब्राह्मण कॉफी बार में जरूर जाएं।

56 ताइवान में छुटियों के यादगार पल
ताइवान की अत्यंत आकर्षक वास्तुकला
एवं कला का अन्वेषण कीजिए।

62 उड़ान बड़ौदा के बच्चों की ऊंचा उड़ने में मदद करता है
रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो की एक अनूठी परियोजना जो बच्चों
को प्रभावी रूप से सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है।

16



20



48



54

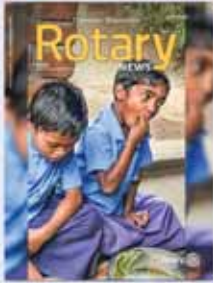


56



कवर पर: रोटरी क्लब मुंबई कींस नेकलेस और उसके
साझेदारों द्वारा प्रदान किया एक वक्त का भोजन।

रोटरी समाचार का सामयिक ई-संस्करण



रोटरी न्यूज के अप्रैल अंक के सफल प्रकाशन और ई-पत्रिका को साझा करने के लिए बधाई। कोलकाता शिखर सम्मेलन पर लिखित लेखों सहित भारत में रोटरी के 100 वर्षों का कवरेज उत्कृष्ट है। ई-पत्रिका के लिए, मैं आपसे मंडलों की और अधिक क्लब गतिविधियों को कवर करने का अनुरोध करता हूँ क्योंकि यह रोटेरियनों को ऐसी ही और परियोजनाएं करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। अच्छा कार्य करते रहिए।

भावेश शाह, अध्यक्ष

रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन - रो ई मंडल 3232

अप्रैल माह के लिए ई-पत्रिका प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद, जो कि घर पर रहने वाले अधिकांश रोटेरियनों के लिए विशेष रूप से एक बढ़िया कदम था। अध्यक्ष मार्क मलोनी के सन्देश, जिसका शीर्षक था ममातु एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए रोटरी परवाह करती हैफ में उनकी टिप्पणी प्रभावशाली है और विकासशील देशों की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

उनके संदेश का उद्देश्य जमीनी स्तर से कुपोषण और बीमारियों के कारणों को मिटाना है। और वह बच्चे, एवं बदले में समुदाय, राष्ट्र और दुनिया की सकारात्मक वृद्धि हेतु एक मजबूत नींव के मार्ग की पेशकश करते हैं। स्वस्थ माँ और बच्चे के होने से बहुत सारे संसाधनों को बचाया जा सकता है। कुपोषण की चुनौती स्वीकार करने के लिए मलोनी के शब्द वास्तव में हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। सफलतापूर्वक पोलियो उन्मूलन के बाद, अब हम दुनिया में अच्छा करने हेतु एक नई चुनौती के लिए तैयार हो सकते हैं।

विजय हत्तिहोली

रोटरी क्लब हुबली नॉर्थ - रो ई मंडल 3170

मैं नियमित रूप से पत्रिका पढ़ता हूँ और अब कोविड -19 के कारण, मैं इसकी सॉफ्ट कॉपी पढ़ रहा हूँ। मैंने ध्यान दिया कि इसके अगले और पिछले पन्नों में रोटरी का लोगो है, लेकिन आंतरिक पृष्ठों में नहीं है। मैं आपसे सभी पृष्ठों के ऊपरी भाग पर रोटरी का लोगो प्रदर्शित करने का अनुरोध करता हूँ क्योंकि यह रोटरी भावना को बढ़ावा देगा।

डी ए नायडू

रोटरी क्लब टुनी सेंट्रल - रो ई मंडल 3020

अप्रैल अंक वास्तव में पढ़ने लायक है। मुझे लगता है कि यह डिजिटल मंच प्रिंट संस्करण से बेहतर है और इसे इसी तरह जारी रखना चाहिए क्योंकि यह कागज के अत्यधिक उपयोग करने से बचाएगा जो बदले में वनोन्मूलन से बचाएगा। हमें प्रकृति को बचाने के लिए लकड़ी बचाना चाहिए।

पवन पंजवानी

रोटरी क्लब कोल्हापुर सनराइज

रो ई मंडल 3170

रोटरी की जल परियोजनाएं

मार्च अंक की कवर फोटो में महिलाओं को अपने सिर पर सीरियल लैप के साथ एक पारंपरिक नृत्य करते हुए दर्शाया गया है। कोई भी इसमें उनकी मदद नहीं कर सकता, लेकिन अपने सिर के ऊपर आत्मविश्वास और एक मुस्कराहट के साथ इतने वजन को संतुलित करने के उनके कौशल की सराहना कर सकता है।

अपने संदेश में, रो ई निदेशक भरत पंड्या ने ठीक ही कहा है कि जल और स्वच्छता साथ-साथ चलते हैं और एक साथ वे प्रगति की कुंजी हैं।

रोटरी ने पूरे भारत में हजारों लोगों को लाभान्वित करने वाली अपनी विभिन्न परियोजनाओं के तहत करोड़ों रुपये खर्च करके स्वच्छ जल प्रदान करने और गहन संरक्षण प्रयासों का महान कार्य अपने हाथों में लिया है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में रोधक

बांधों का निर्माण करना कठिन कार्यों में से एक है। जैसा कि लेख स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, रोटरी की सर्वोच्च प्राथमिकता में बताया गया है, स्वच्छ भारत और जल शक्ति मिशन की सफलता में योगदान देने के लिए रोटरी को सलाम।

रो ई अध्यक्ष मलोनी ने कहा: हमें विविध पृष्ठभूमि के ऐसे पुरुष एवं महिलाओं को शामिल करके रोटरी को विकसित करने की आवश्यकता है जो न केवल हमारे साथ जुड़ने बल्कि सेवा करने के लिए भी इच्छुक हो। शाबाश, रोटेरियन इस मिशन के साथ आगे बढ़ते हैं और चारों तरफ भाईचारा, समानता और शांति को फैलाने के लिए दुनिया को जोड़ते हैं।

राज कुमार कपूर

रोटरी क्लब रूपनगर

रो ई मंडल 3080

बढ़िया ढंग से संकलित की गई पत्रिका

एक नए सदस्य के रूप में, यह जानना सुखद और प्रेरणादायक है कि रोटरी न्यूज इतने पेशेवर ढंग से संकलित की गई है और कोलकाता में आयोजित सेवा परियोजनाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों दोनों को प्रदर्शित करने वाले रोटरी भारत शताब्दी सम्मेलन का रोचक वृत्तांत प्रस्तुत करने की मैं सराहना करता हूँ। अध्यक्ष निर्वाचित होलार नेक पर लिखित लेख ने उन प्राथमिकताओं का बढ़िया परिज्ञान पेश किया है जिनका पालन आगामी वर्षों में सभी रोटेरियनों को करना होगा। लेख *रोटेरियनों को अपना पिन अवश्य पहनना चाहिए*: RIDN ने स्वयं को हमारे समुदायों के लिए समर्पित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। एक नज़र में सदस्यता सारांश और रोटरी को एक क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया जाता है ताकि रोटेरियनों को अपडेट मिल सके।

आपके पत्र

अप्रैल अंक को इलेक्ट्रॉनिक रूप में साझा करने के लिए धन्यवाद रशीदा... हर पृष्ठ पढ़ने योग्य एवं जानकारी से परिपूर्ण है।

पीडीजी सुनील सराफ
रोटरी क्लब तेजपुर
रो ई मंडल 3240

इस अंक में उत्कृष्ट लेख है जो पढ़ने लायक है। डिजिटल पत्रिका एक अच्छी पहल है, लेकिन प्रिंट अंक को भी जारी रखें।

निरंजन वैचाल
रोटरी क्लब कोल्हापुर सनराइज
रो ई मंडल 3170

हार्ड कॉपी प्रिंट करने के बजाय डिजिटल पत्रिका को बढ़ावा देना अच्छा है।

इंद्रकुमार गूनेतिल्लेके
रोटरी क्लब कोलंबो नॉर्थ
रो ई मंडल 3220

कई लेखों को अच्छी तरह से संकलित किया गया और रो ई निदेशक भरत पंड्या का संदेश प्रेरणा का एक आदर्श उदाहरण था जो रोटेरियनों के दिमाग को समाज की आवश्यकताओं के लिए स्वयं को अधिक समर्पित करने हेतु सुलगाता है। यह जानकर खुशी हो रही है कि कोलकाता शिखर सम्मेलन ने 300 मिलियन डॉलर की लागत की सेवा परियोजनाओं की शुरुआत की है और जैसा कि RIPN शेखर मेहता कहते हैं, भारत की सदस्यता रोटरी गतिविधि के इतिहास में उम्मीद की एक किरण है और जिन समुदायों में हम रहते हैं उनके प्रति हमारे कर्तव्यों को और अधिक मजबूत करने का एक आह्वान है। रोटरी भारत के लिए स्वास्थ्य, WASH और TRF योगदानों जैसे ध्यानाकर्षण क्षेत्र बहुत बड़ी संपत्ति रहे हैं। PRIP राजेंद्र साबू ने भारत में दशकों से कई रोटरी नेताओं को जुनून के साथ तैयार किया है और प्रत्येक सदस्य

को अपनी रोटरी यात्रा के शुरुआती वर्षों में ऐसे गुणों को आत्मसात करना चाहिए।

डॉ जयशेखरन वीपी
रोटरी क्लब पय्यानूर
रो ई मंडल 3202

लेख रोटेरियनों को अपना पिन अवश्य पहनना चाहिए: RIDN में रोई निदेशक वेंकटेश को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए रोटरी एवं रोटरेक्ट का अभिवादन। हम समाज के प्रति उनकी सेवाओं की सराहना करते हैं।

जी शंकर गणेश
रोटरी क्लब श्रीविल्लीपुत्तूर ग्रीन सिटी
रो ई मंडल 3212

भारत में रोटेरियन हर कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाते हैं और जब बात देश में रोटरी संगोष्ठी की होती है तब कोलकाता शिखर सम्मेलन एक ऐसा ही उदाहरण है। कथानक नृत्य *हिंदुस्तान मेरी जान* ने एकता और सांस्कृतिक नैतिकता के अपने पारंपरिक संदेश से सभी का दिल छू लिया। मेरे रोटेरियन दोस्तों में शामिल रोई मंडल 3262 के 21 सदस्यों ने शताब्दी शिखर सम्मेलन के ऐसे कई क्षणों का आनंद लिया।

संपादकीय ने भारतीय रोटेरियनों के योगदानों पर रोशनी डाली, चाहे वह TRF में देना हो या सेवा परियोजनाएं हो। आज भारत के रोटरी क्लब मानवीय सेवाएं करने में दूसरों से बहुत आगे हैं। आपकी संपादकीय भारत में रोटरी की भावना को दर्शाती है।

अरुण कुमार दास
रोटरी क्लब बारीपदा - रो ई मंडल 3262

RIPE नेक का रोचक परिज्ञान

बिज़नेस कैजुअल शीर्षक के तहत RIPE होलार नेक के साथ साक्षात्कार बहुत दिलचस्प था। उन्होंने रोटरी में युवा और वरिष्ठ दोनों सदस्यों को शामिल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वह सभी पुराने सदस्यों को बनाए रखने पर ज़ोर देते हैं क्योंकि वे हमारे संगठन के लिए मूल्यवान हैं। वह कहते हैं, रोटेरियन बनने के लिए कोई उम्र गलत नहीं होती चाहे वह 18 साल हो या 80 साल। किसी रोटरी क्लब के लिए कोई उचित आकार नहीं होता, वह कहते हैं और उन्होंने हमसे किसी भी रोटरी क्लब में सदस्यों की संख्या को निश्चित

ना करने के लिए कहा है। हालांकि, रोटरी के भविष्य को देखते हुए युवाओं को शामिल किया जाना चाहिए।

यह मेरे जैसे वरिष्ठ रोटेरियनों के लिए उत्साहजनक है जो रोटरी और समुदाय की सेवा करने के लिए हर अवसर का लाभ उठाते हुए 25 वर्षों से रोटरी में हैं। हम केवल इतना अनुरोध करते हैं कि क्लबों और मंडलों में हमारी सेवाएं अनुपयोगी ना रहें क्योंकि इससे रोटरी को लाभ होगा।

रामस्वामी एन पी
रोटरी क्लब रासीपुरम - रो ई मंडल 2982

लेख मासिक धर्म पर बात करने की शुरुआत करें में MHM के बारे में पढ़ना दिलचस्प है। मैं एक अध्यक्ष निर्वाचित हूँ और चक्कर उन परियोजनाओं में से एक है जिसे मैं बढ़ावा देना चाहता हूँ और जनता में जागरूकता पैदा करना चाहता हूँ। मुझे खुशी है कि मुझे MHM परियोजनाओं के बारे में कुछ नए ज्ञान और सुझाव प्राप्त हुए हैं।

बेटी मुतेबी
रोटरी क्लब लुकाया, यूगांडा और तंजानिया
रो ई मंडल 9211

कोलकाता शताब्दी शिखर सम्मेलन में सभी रोटरी हीरो पुरस्कार प्राप्तकर्ता समाज के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए जाने जाते हैं और सभी बाधाओं के बावजूद, ये लोग अपनी सेवा देने के लिए आगे बढ़े। मैं अधिक कदम को जानता हूँ, कश्मीरी लड़कियों के जीवन को सँवारने में उनका काम मूल्यवान और नेक है। मैं उन सभी के लिए भविष्य में एक बड़ी सफलता की कामना करता हूँ।

प्रशांत पद्माकर भालेराव

AnZ {dMma gnnXH\$ H\$^O:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com
na B- ' b H\$a&

हमारी वेबसाइट
www.rotarynewsonline.org पर
क्लिक करें और Rotary News Plus पर
और ज़्यादा परियोजनाएं पढ़ें।



नए सामान्य का अनुकूल करना



प्रिय रोटेरियनों, रोटरेक्टरों, और दोस्तों,
अनुकूलन की हमारी क्षमता में वृद्धि: यह हमारी नई रोटरी कार्य योजना का एक लक्ष्य है। और वाह, क्या हमने उस क्षमता का इस वर्ष परीक्षण होते देखा है।

मार्च में, 30 दिनों के दौरान गे और मुझे जिम्बाब्वे, तुर्की और आठ अन्य देशों का दौरा करना था। जिम्बाब्वे में एक चिकित्सीय मिशन और लन्दन में कॉमनवेल्थ वीक गतिविधियों में भाग लेने के बाद, 11वें दिन, हम स्विट्जरलैंड और लिक्टेस्टीन जाने के लिए अपने सूटकेस पैक कर रहे थे।

लंदन में पाकिस्तान के उच्चायोग में रात्रि भोज में भाग लेने के दौरान, हमें खबर मिली कि हमारे यात्राक्रम में शामिल किसी भी जगह की यात्रा करना असंभव होगा। इसलिए, ज्यूरीख के लिए उड़ान भरने के बजाय, हम इवेंसटन और वन रोटरी सेंटर लौट आए।

मार्च की शुरुआत में, पूरी दुनिया में कोविड-19 को लेकर खबरें गंभीर हो गईं। स्थानीय अधिकारियों की सलाह मानकर, हमने पेरिस और रोम में संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रपति सम्मेलन रद्द कर दिए। जल्द ही, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायरस को एक वैश्विक महामारी घोषित किया, और अधिक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए हमने अधिकारियों के साथ परामर्श किया। हमने सभी रोटरी मंडलों और क्लबों से अगली सूचना मिलने तक रू-बरू होकर बैठक ना करने के बजाय आभासी बैठकें आयोजित करने को कहा। उन मंडलों और क्लबों को धन्यवाद जिन्होंने इतनी तीव्रता से इसे अपनाया।

रोटरी मंडल निदेशकों ने 2020 के रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को रद्द करने के अब तक के सबसे कठिन निर्णय लेने के लिए अपनी पहली आभासी बैठक आयोजित की। इसमें शामिल होने की योजना बनाने

वाले 20,000 से अधिक पंजीयनकर्ताओं की तरह, मैं भी निराश हूँ। हमने सम्मेलन में भाग लेने वाले लोगों और उनके परिवारों, दोस्तों, और सहयोगियों, और साथ ही साथ जो लोग होनोलूलू को अपना घर कहते हैं, के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा करने के लिए यह कदम उठाया, और मुझे विश्वास है कि हमने सही निर्णय लिया।

मैं 2020 होनोलूलू सम्मेलन समिति, मेज़बान संगठन समिति, 2020 होनोलूलू सम्मेलन प्रचार समिति, और रोटरी स्टाफ को एक ऐसे सम्मेलन की योजना बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ जो अब तक के सर्वश्रेष्ठ रोटरी सम्मेलनों में एक होता। मैं उनकी कड़ी मेहनत की सराहना करता हूँ।

द रोटेरियन का यह अंक उस समय प्रकाशित होने जा रहा था जब सम्मेलन को रद्द करने के बारे में निर्णय लिया गया था, और रोटरी जगत के कई अन्य निर्णय भी हवा में ही थे। *द रोटेरियन* के आगामी अंक और रोटरी के सामाजिक मीडिया चैनलों के साथ ही, रोटरी की क्षेत्रीय पत्रिकाएं आपको सूचित करती रहेंगी।

हमने सभी रोटेरियनों और रोटरेक्टरों के लिए नई कार्य योजना के महत्व को बढ़ावा देते हुए इस रोटरी वर्ष की शुरुआत की थी। आज, हम उस योजना को आवश्यकता वश लागू कर रहे हैं। इसमें एक आभासी कार्यक्रम के माध्यम से आपके साथ एक सम्मेलन-जैसे अनुभव की संभावना शामिल है। निकट भविष्य में इसके बारे में कहने के लिए हमारे पास अधिक जानकारी होगी। दुनिया तेजी से बदल रही है, और इसलिए रोटरी को भी बदलना चाहिए। हमारी अनुकूलन क्षमता और ताकत हमें इस घटना से पार पाने में मदद करेगी। दुनिया को आज हमारे नेतृत्व की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। वास्तव में, *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल



महामारी के दौरान स्वयं से ऊपर सेवा

समस्त रोटेरी दुनिया, विशेष रूप से भारत के रोटेरियनों ने जिस फुर्ती, और शिदत के साथ पूरे दिल से कोविड -19 महामारी का जवाब दिया, वह अत्यन्त मर्मस्पर्शी है। सम्पूर्ण राष्ट्र में बिना किसी आपा धापी के भारतीय रोटेरियनों ने राहत के रूप में, अस्पताल के विशिष्ट उपकरण, सैनिटाइज़र, मास्क, पीपीई किट, लाखों गरीब प्रवासी कामगारों, दिहाड़ी मजदूर और बेघर लोगों तक तैयार भोजन तुरंत पहुंचाया। ये वो समय है जब संगठन के मूल्यों की परीक्षा होती है, और इस भयानक महामारी के दौरान रोटेरियनों ने साबित कर दिया है कि रोटेरी का मूल आदर्श - स्वयं से ऊपर सेवा - सिर्फ शब्द नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है।

और तो और, रो इ अध्यक्ष मार्क मलोनी की थीम रोटेरी कनेक्ट्स द वर्ल्ड की परख भी जैसी इस मुश्किल दौर में हुई है वैसी पहले कभी नहीं हुई। दुनिया भर के रोटेरियन सार्थक काम करने के लिए शीघ्रता से एक साथ जुट रहे हैं, और सर्वाधिक प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण और अहम साझेदारी कर रहे हैं। रोटेरी फाउंडेशन ने आपदा प्रबंधन अनुदान देने के लिए अपने अनुदान मॉडल में शीघ्रता पूर्वक संशोधन किया, जिसके तहत सभी 525 रोटेरी मंडलों को कोविड-19 संबंधित राहत कार्यों के लिए 25,000 डॉलर का विशेष अनुदान दिया जा रहा है। भारत में कोविड-19 से संक्रमित रोगी के उपचार हेतु अस्पताल में वेंटिलेटर जैसे महत्वपूर्ण उपकरण की आपूर्ति के लिए फाउंडेशन ने ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत ₹7 करोड़ की विशाल राशि मंजूर की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन और पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, दोनों के साथ ऑनलाइन बातचीत में मनोनीत रो इ अध्यक्ष शोखर मेहता ने खुलासा किया कि पीएम केयर्स फंड में ₹25 करोड़ दान के लक्ष्य के मुकाबले, रोटेरियन पहले ही ₹30 करोड़ का दान कर चुके हैं। और यदि रोटेरियनों के नेतृत्व वाले कॉर्पोरेट्स द्वारा दान की गई राशि को शामिल किया जाये, तो ये राशि ₹100 करोड़ से अधिक हो जाएगी। इसमें राहत कार्य जोड़ें- अस्पताल और सुरक्षा उपकरण और तैयार भोजन और खाद्यान्न - तो भारतीय रोटेरियन

अप्रैल के मध्य तक ₹75 करोड़ से अधिक के राहत कार्य कर चुके थे। ये सब रोटेरियनों ने उनकी बचत में से दिए हैं।

इन बैठकों में सौहार्द और उत्साह साफ़ परिलक्षित हो रहा था। निश्चय ही डॉ वर्धन ने दिल्ली के रोटेरियनों के साथ पोलियो उन्मूलन के लिए काफी नज़दीक रह कर काम किया है, स्वास्थ्य राज्य मंत्री के रूप में और भारत को पोलियो मुक्त करवाने में रोटेरी की भूमिका के लिए आभार प्रकट किया। वहीं जावड़ेकर ने बड़े पैमाने पर सघन वृक्षारोपण द्वारा भारत को हरा भरा करने के, रोटेरी के सुझाव का स्वागत किया।

खैर, इस महामारी से हमें एक सबक ज़रूर सीखना चाहिए। जिस प्रकार से घर में पेड़ लहलहा रहे हैं और छत पर पौधों में कॉपलें फूट रही हैं - अचानक से दर्जन भर अनार दिखाई देने लगे हैं, नींबू भी अपनी उपस्थिति दर्ज़ करा रहे हैं, मुरझाया हुआ करी पत्ता पुनः ताज़ा पत्तों की हरी छतरी में तब्दील हो गया है, तोते और चिड़िया का लौट कर फिर से चहचहाना और पिछले कुछ हफ्तों से हर शाम अपनी मनमोहक लालिमा बिखेरता हुआ सूरज इस घोर निराशा के माहौल में आशा का सन्देश है।

जहां हम ने अपने आप को, हमारी घरों में कैद कर लिया है, कार की चाबियों के साथ बड़े और मंहंगे मॉडल धूल खा रहे हैं, हेंगर में हवाई जहाज खड़े हुए हैं और विशाल क्रूज जहाजों ने अपना आकर्षण और जोश खो दिया है, वहीं धरती माँ को नई संजीवनी मिली है, धीरे-धीरे पुनः अपने स्वरूप में आ रही है, और उस पर रहने वाले अन्य प्राणी सांस ले पा रहे हैं, जिन्दा हैं, पनप रहे हैं।

सिर्फ एक छोटे से वायरस की ज़रूरत थी हमारे घमंड को चूर करने और पृथ्वी पर रहने वाले अन्य जीवों को प्राप्त सुविधा और स्थान, जो हमने उनसे छीन लिए थे, वापस लौटाने के लिए। असली परीक्षा तो तब होगी जब ये महामारी हमसे बहुत दूर जा चुकी होगी, जो कि निश्चित है। धीरे-धीरे जब हम अपने घरों से बाहर निकलने लगेंगे तो उम्मीद है कि अभिमानी और स्वाथी इंसान एक बेहतर बन के निखरेगा... और शारीरिक रूप से स्वतंत्र होने के साथ, बंद पड़े हमारे दिलो दिमाग के साथ हमारी आत्मा भी स्वतंत्र हो के उभरेगी।

Reshmi Bhat

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiraan Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivanarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

सीधी बात



अच्छी सोच और अच्छा स्वास्थ्य हमारी दो अनमोल संपत्तियाँ हैं। कोविड-19 महामारी ने इस तथ्य को स्पष्ट कर दिया है कि अच्छा स्वास्थ्य हमारी सबसे अनमोल धरोहर है। अगर स्वास्थ्य अच्छा है तो बाकी सब अच्छा हो सकता है। इस महामारी ने न केवल असंख्य जनहानि और दुःख दिया है, बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को भी निचले स्तर पर पहुँचा दिया है। यदि हम सकारात्मक पक्ष को देखें तो आभासी बैठकें विशेष रूप से रोटरी क्लबों और मंडलों के लिए नया मानदंड बन गई है। घरों में बैठे होने पर भी हम सामाजिक रूप से जुड़े हुए हैं। बेशक यहाँ मशारीरिक दूरीफलबे समय तक रहने वाली है। मैं क्लब और मंडल नेतृत्वकर्ताओं की सराहना करता हूँ, जो ऑनलाइन बैठक करने के लिए आभासी मंच का उपयोग कर रहे हैं, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों और फैलोशिप के लिए भी रोटेरियनों से जुड़े हुए हैं। यह नया सामान्य है।

हमारे ज़ोनों के रोटरी क्लबों और मंडलों ने इस महामारी के कारण होने वाले प्रभावों और कष्टों को कम करने के लिए उल्लेखनीय काम किया है। पीपीई, मास्क, सैनिटाइजर, वेंटिलेटर सहित महत्वपूर्ण उपकरण, प्रवासियों को भोजन एवं अग्रिम पंक्ति के कोविड योद्धाओं को आपूर्ति और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करके रोटेरियन हमारे आदर्श वाक्य स्वयं से ऊपर सेवा पर खरे उतरे हैं। और सभी महत्वपूर्ण कोविड योद्धाओं - स्वास्थ्य पेशेवरों, पुलिस, सरकारी और निजी आवश्यक सेवाओं के कर्मचारियों, स्वच्छता कर्मचारियों और उन सभी के लिए विशेष प्रशंसा और धन्यवाद जो हमारे दैनिक जीवन में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक जोखिम के बावजूद काम करना जारी रख रहे हैं। उनमें से प्रत्येक को मेरा सलाम!

कोविड के बाद की दुनिया पहले जैसी नहीं होगी और न ही होनी चाहिए। जिस तरह से हम व्यवहार करते हैं, काम करते हैं, खाते हैं, यात्रा करते हैं, मिलते हैं और एक दूसरे के साथ बातचीत करते हैं, और हमारी सेवा परियोजनाएं, सब अलग होगा। रोटरी के इतिहास में पहली बार हम 20-26 जून, 2020 तक एक 'आभासी रो ई सम्मेलन' आयोजित करेंगे। यह एक युगांतकारी कार्यक्रम होने का वादा करता है।

मई युवा सेवा माह है। रोटरी का हमेशा युवाओं के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण रहा है। हमारा मानना है कि युवा श्वेत पत्र की तरह हैं, हम उन पर जो लिख दें वो उनपर अंकित हो जाता है। आज हमारे युवा - हमारे रोटरेक्टर - रोटरी का एक अभिन्न अंग हैं। मैं रोटरी और रोटरेक्टरों को हमारी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता हूँ। रोटरी क्लबों और मंडलों को रोटरेक्टरों की प्रतिभा का उपयोग करना चाहिए और रोटरेक्टर और रोटरेक्टर क्लबों के लिए एक मजबूत नींव स्थापित करना चाहिए। रोटरी के लिए एक बड़ी छलांग सुनिश्चित करेगा। वह उचित रोटरी-रोटरेक्टर संबंध होगा।

(Signature)

डॉ भरत पांडेया

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

रोटरी की युवा शक्ति का उपयोग करें

We cannot always build the future for our youth,
but we can build our youth for the future.

- Franklin D Roosevelt



युवावस्था जीवन का एक ऐसा चरण है जहाँ सपने बुने जाते हैं और एक उज्ज्वल भविष्य की कल्पना की जाती है। यह समझने और सपने देखने की उम्र होती है। ये नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा देने, मूल्य प्रणाली का निर्माण करने और धर्म पथ पर एक नई यात्रा शुरू करने के वर्ष होते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्र की ताकत उसके युवाओं में निहित है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी दौलत और ताकत उसके युवा हैं। किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी भावी पीढ़ी के हाथों में होता है। इसके युवाओं की गुणवत्ता यह निर्धारित करती है कि राष्ट्र का भविष्य कैसा होगा। इसलिए, यदि हम अपने देश के लिए एक उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले अपने युवाओं को मजबूत और सशक्त बनाना होगा।

सभी क्लबों और मंडलों को ऐसी परियोजनाएँ शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो भावी पीढ़ी की जरूरतों की विविधता को पहचानते हुए, एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए उनके जीवन कौशल में सुधार करके उनकी मूलभूत आवश्यकताओं का समर्थन करती हैं।

इंटरैक्ट क्लब छात्रों को पहल करने, नेतृत्व कौशल, टीमवर्क कौशल, सामुदायिक सेवा नैतिकता और अंतर्राष्ट्रीय समझ विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।

रोटरी यूथ एक्सचेंज के माध्यम से, हम एक अधिक परस्पर सम्बद्ध और समझदार दुनिया बनाने की उम्मीद करते हैं। रोटरी के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक विश्व शांति को बढ़ावा देना है, और ठीक के माध्यम से, एक बार में एक विनिमय करके यह दुनिया को एक अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनाने का लक्ष्य रखता है।

RYLA उन युवाओं के लिए एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम है जो नए कौशल सीखना चाहते हैं, अपने आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं, और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम एक दिवसीय सेमिनार से लेकर सप्ताह भर के शिविरों तक होते हैं। न्यू जनरेशन सर्विस एक्सचेंज विश्वविद्यालय के छात्रों और 30 साल की उम्र के पेशेवरों के लिए एक अल्पकालिक, अनुकूलन कार्यक्रम है। प्रतिभागी ऐसे विनिमय डिजाइन कर सकते हैं जो एक मानवीय परियोजना के साथ उनके पेशेवर लक्ष्यों को जोड़ते हैं।

कोविड-19

कोविड योद्धा बनने के लिए मैं आप में से प्रत्येक की सराहना करता हूँ, चाहे यह मंडल, शहर या सड़क स्तर पर ही क्यों ना हो। जरूरतमंदों की अलग-अलग तरह से मदद करने के लिए रोटेरियनों ने उनकी भूमिका निभाई है। पीएम केयर्स फंड में देने के हमारे आह्वान का उत्तर देने के लिए धन्यवाद। फंड के लिए हमारे संचयी दानों ने 100 करोड़ और हमारी सेवाओं ने अन्य 100 करोड़ को पार कर लिया है। भगवान आप सबका भला करें।

कमल संघवी

रोई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019-20)

DG Deepak Gupta	RI Dist 3012
Chair – Governors Council	
DG Nayan Patil	RI Dist 3160
Secretary – Governors Council	
DG Dhiran Datta	RI Dist 3040
Secretary – Executive Committee	
DG Ajay Agarwal	RI Dist 3291
Treasurer – Executive Committee	
DG Rajendra Madhukar Bhamre	RI Dist 3030
Member – Advisory Committee	

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website: www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org on WhatsApp.





मुंबई के भूखे और पीड़ित लोगों के लिए अकेला रोटरी क्लब ₹11 करोड़ जुटाता है

रशीदा भगत

यह मुंबई में ही संभव था ... यदि भारत की वित्तीय राजधानी में नहीं, तो आप ₹5.5 करोड़ और कहां से जुटा सकते हैं वो भी 15 दिनों के भीतर, कोविड-19 की अभूतपूर्व आपदा से निपटने के लिए, जिस की वजह से लाखों असहाय प्रवासी मजदूर, दिहाड़ी मजदूर और अन्य गरीब तबके उस वक़्त बुरी तरह से प्रभावित हुए, जब 28 मार्च को कोरोना संक्रमण को और अधिक फैलने से रोकने के लिए देश में लॉक डाउन लागू कर पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया था। और यह राशि सिर्फ एक अकेले रोटरी क्लब - रोटरी क्लब मुंबई कीन्स नेकलेस ने एकत्रित की थी - बिलकुल इसके नाम के अनुरूप, वर्तमान में इसकी महिला अध्यक्ष सोनल झवेरी हैं।

कोरोना महामारी के भारत को अपनी चपेट में लेने के साथ जब यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई के लाखों

लोग असुरक्षित और भूखे रह जाएंगे, इस प्रतिष्ठित क्लब का मिरेकल्स इन एक्शन समूह रणनीति बनाने के लिए जुट गया कि 179 सदस्यों वाला ये क्लब किस प्रकार इन प्रवासी कामगारों, दिहाड़ी मजदूरों और महानगर के अन्य बेघर लोगों की मदद कर सकता है।

क्लब के सदस्यों ने, ज़रूरतमंदों के लिए फीड आल इन नीड

परियोजना शुरू करने का निर्णय किया; पूर्व अध्यक्ष और परियोजना के प्रमुख संजीव मेहता बताते हैं कि 1 अप्रैल को ही, क्लब ने 1,000 खाद्य पैकेटों का वितरण कर एक विनम्र शुरुआत की। लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि यह समुद्र में केवल एक बूंद के समान ही होगी क्योंकि ज़रूरत वास्तव में इससे कहीं ज़्यादा थी। जल्दी ही उन्होंने

हमने रिलायंस रिटेल के माध्यम से रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी की जिन्होंने हमें ₹2 करोड़ का किराना दिया, और ताजा, गर्म, पौष्टिक भोजन पकाने के लिए ताजसेट्स फ्लाइट किचन, पॉपुलर, ब्लू सी, ठाकर और फूडलिक किचन के साथ साझेदारी की।



भोजन बनाने की व्यवस्था तो इन साझेदारियों के माध्यम से हो गई थी, लेकिन अगला प्रश्न रसद का था कि ताजा बना हुआ भोजन लाभार्थियों तक कैसे पहुंचे। क्लब की रणनीति सलाहकार पॉलोमी धवन ने कहा, एक ओर जहां लोग किसी क्रूरियर या सब्जी विक्रेता को अपने घरों में प्रवेश देने से डरते हैं, तो वास्तव में भोजन का वितरण कौन करेगा, सभी सभी तरह का दान और सहयोग मिलने के बावजूद ये सवाल खड़े थे। हालाँकि वह खुद रेटेरियन नहीं है, लेकिन उनके पति क्लब के सदस्य हैं और वह क्लब के सामुदायिक कल्याण कार्यों में पूरी तन्मयता के साथ जुड़ी रहती हैं।

मुम्बई में, छोटी सी आशा और नोबडी एवर स्लीप्स हंगरी, दो संस्थाएं आपदा भोजन और सेवा देने में माहिर हैं। उन्होंने 100 से अधिक ऐसे स्वयंसेवक दाताओं को एकत्रित किया, जिन्होंने आपदाओं में देश में कई बार सेवाएं दी हैं। क्लब की अध्यक्ष सोनल कहती हैं कि हमें

अप्रत्याशित रूप से प्रतिदिन 1,000 भोजन से इसे 100,000 भोजन पर फिर कुछ और बढ़ा कर - 1.5 लाख, और अंत में इस संख्या को एक दिन में 1.6 लाख भोजन पर पहुंचा दिया!

चूँकि शुरुआत में लॉकडाउन की अवधि तीन सप्ताह की ही थी, उन्होंने पहले शहर के कई क्षेत्रों में एक दिन में 150,000 भोजन की आपूर्ति करने की योजना बनाई, इसके लिए साझेदारी की संभावना की तलाश शुरू हुई क्योंकि रोजाना एक रसोई में 1.5 लाख लोगों का भोजन तैयार नहीं किया जा सकता था।

क्लब के निदेशक, विजय शाह कहते हैं, तो शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूर और अन्य बेघर लोगों तक तैयार भोजन पहुंचाने के लिए हमने सात NGOs के साथ साझेदारी की, जिनके पास 200 वालंटियर हैं।

उस वक़्त क्या काम आया - ये क्लब वास्तव में बड़ी परियोजनाओं के बारे में सोचता

है - वो थी पूर्व में की गई एक क्लब परियोजना, जिसमें उन्होंने म्युनिसिपल स्कूल के बच्चों को दोपहर का भोजन बनाने हेतु रसोई निर्माण के लिए ₹5 करोड़ दिए थे। इसका उद्घाटन नवंबर 2019 में हुआ था, और अब स्कूल बंद होने की वजह से, एक दिन में एक लाख लोगों के लिए खिचड़ी बनाने वाली यह रसोई सहज ही उपलब्ध थी।

क्लब ने अन्नअमृता-इस्कॉन फाउंडेशन के मीरा रोड और माहुल में सक्रिय दो रसोई के साथ साझेदारी की, जिसे भोजन तैयार करने में 14 साल का अनुभव है। हमने रिलायंस रिटेल के माध्यम से रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी की जिन्होंने हमें ₹2 करोड़ का किराना दिया, और ताजा, गर्म, पौष्टिक भोजन पकाने की क्षमता बढ़ाने के लिए ताजसेट्स फ्लाइट किचन, पॉपुलर, ब्लू सी, ठाकर और फूडलिक किचन के साथ साझेदारी की, शाह बताते हैं।



वाईएमसीए, रोटी घर, मुंबई रेस्पॉन्डस और अन्य कुछ और गैर सरकारी संगठनों से भी अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

तो मुख्य समन्वयक और समर्थक रोटी क्लब मुंबई की नैकलेस के सानिध्य में, इस पिरामिड का निर्माण 200 से अधिक कर्मठ स्वयंसेवकों के साथ हुआ, जो कोलाबा से पालघर तक मुंबई की मुख्य सड़कों से इसकी गलियों तक कई

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में
प्रवासी श्रमिकों, दिहाड़ी
मजदूर और अन्य बेघर लोगों
तक तैयार भोजन पहुंचाने
के लिए हमने सात छत्रछाई के
साथ साझेदारी की, जिनके
पास 200 बालंटियर हैं।



क्षेत्रों में भोजन पहुंचाते हैं। इस परियोजना के प्रमुख मेहता कहते हैं, मफहमें मेयर, विधायकों, नगरसेवकों, पुलिस आदि का पूरा समर्थन मिला है, इनकी संख्या बढ़ती जा रही है।

सोनल ने कहा कि 3 मई तक चलने वाले लॉकडाउन की अवधि तक प्रति दिन 1.6 लाख भोजन की आपूर्ति के लिए पर्याप्त धनराशि और सामग्री एकत्र हो चुकी है।

मेहता ने कहा, लेकिन चिंता की बात ये है कि, 4 मई को अगर तालाबंदी हटा भी दी गई, तो जादू की ऐसी कोई छड़ी नहीं है जिसके हवा में घुमाते ही इन मजदूरों को अगले दिन काम मिल जाएगा। इसलिए हम चावल, आटा, दालें, चीनी, खाना पकाने के तेल और मसालों से युक्त खाद्य पदार्थों के किट तैयार कर रहे हैं, जिन्हें लगभग 30,000 जरूरतमंद लोगों को वितरित करने की योजना बना रहे हैं, जो अपना भोजन खुद बनाएं।

ऐसे लगभग 15,000 व्यक्तियों की पहचान वे कर चुके हैं। लेकिन आगे धन की व्यवस्था करना मुश्किल होता जा रहा है।

जैसा कि रोटेरियन ने बताया, उन्होंने अपने परिवार, दोस्तों, अपने व्यापारिक और व्यक्तिगत संपर्कों को दान करने के लिए राजी किया, रिलायंस फाउंडेशन ने उन्हें ₹2 करोड़ रुपये का किराना दिया और अपनी अपनी बचत राशि से लगभग ₹6 करोड़ रुपये की बड़ी राशि जुटाने में सफल रहे। लेकिन हमारे संसाधन अनंत नहीं हैं; क्लब के सदस्यों के स्वयं के व्यवसाय बंद हैं और इसलिए समाज से मिल रही सहानुभूति और समर्थन में कमी आ सकती है।

सोनल ने कहा, लेकिन यह परियोजना बहुत फायदेमंद है और हमें इससे इतनी अधिक आत्म संतुष्टि मिली है कि हम जो कुछ भी कर सकते हैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ करते रहेंगे। ■

रोटरी, पोलियो और कोविड-19



आने वाले महीनों में, रोटरी के पोलियो इंफ्रास्ट्रक्चर का समस्त फंड (रोटरी हेल्प बिल्ड) का उपयोग कोविड-19 महामारी के तैयारियों में मदद प्रदान करने एवं इसे समाप्त करने के लिए किया जाएगा।

पोलियो के प्रकोप को रोकने के दशकों के अनुभव को अर्जित करते हुए, इस वैश्विक महामारी से समुदायों की रक्षा करने में रोटरी और हमारे सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, ठीक वैसे ही जैसे हमने ईबोला, यलो फीवर और एवियन फ्लू को हराया है। यह वास्तव में पोलियोप्लस में “प्लस” को ही दर्शाता है।

हमें यह सुनिश्चित करने के प्रति हर संभव सावधानी बरतनी होगी कि पोलियो उन्मूलन गतिविधियों से कोविड-19 वायरस का संक्रमण नहीं फैले। फिजिकल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता से संबंधित विश्वस्तरीय गाइडलाइन को देखते हुए, ग्लोबल

पोलियो ऐराडिकेशन इनिशिएटिव (जीपीईआई) ने देशों को कोविड-19 से बचाव के दौरान पोलियो प्रतिरक्षण अभियानों को रोकने की सलाह दी है।

कोविड-19 महामारी के उन्मूलन के लिए, रोटरी और हमारे जीपीईआई पार्टनर बच्चों को सुरक्षा को सतत बनाए रखने एवं पोलियो दोबारा नहीं हो इस हेतु हर संभव कदम उठाएंगे। हम पोलियो उन्मूलन के आवश्यक कार्य को करना जारी रखेंगे जिसमें निगरानी करना, कुछ निर्दिष्ट उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में टीकाकरण करना एवं टीके की आपूर्ति को सतत बनाए रखना सहित इसमें शामिल है ताकि बिना कोई देरी किए जल्द से जल्द पोलियो अभियान शुरू हो सके।

कोविड-19 और पोलियो उन्मूलन, दोनों ही हमारी प्राथमिकताएं हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पोलियो उन्मूलन के प्रति रोटरी सदस्यों को प्रतिबद्धता बनाए रखने के लिए पोलियो को समाप्त

करने के लिए प्रयास जारी रखना है और पोलियो के लिए इस वर्ष 50 मिलियन डॉलर फंड को पैदा करने के लक्ष्य तक पहुंचना है एवं साथ ही साथ कोविड-19 की गतिविधियों को भी समर्थन देते रहना है।

पोलियोप्लस के लिए जिले के नामित फंड्स को देने पर विचार करने के लिए जिलों को प्रोत्साहित किया जाए। डीडीएफ के दान का मिलान 1:1 विश्व कोष के द्वारा, फिर 2:1 गेट्स फाउंडेशन के द्वारा कुल 6:1 का मिलान किया।

यह बात समझने योग्य है कि इस महामारी के दौरान, पोलियो उन्मूलन का हमारा प्रयास, हमारा ध्यान अवश्य ही डाइवर्ट होगा लेकिन ऐसा होने से भी, पोलियो से लड़ने के लिए हमारा पूर्ववत पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहना और हमारी प्रगति में बाधा नहीं आने देना रोटेरियन को और अधिक सबल बनाएगा।

© Rotary International

District Wise TRF Contributions as on March 2020

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	30,685	7,175	0	18,341	56,201	159	3.5
2982	26,224	19,746	185,807	720	232,497	117	3.9
3000	77,947	2,403	188,744	296	269,389	102	2.0
3011	84,330	1,189	127,376	0	212,895	84	2.4
3012	166,529	15,645	243,552	58,986	484,712	147	4.0
3020	30,677	47,270	0	12,029	89,975	115	3.0
3030	8,335	3,007	1,423	2,000	14,765	12	0.2
3040	8,370	245	9,815	0	18,430	13	0.6
3053	63,110	232	169,544	0	232,885	113	3.9
3054	10,738	408	37,704	0	48,849	32	0.6
3060	66,424	60,097	145,916	36,876	309,314	857	21.2
3070	33,047	705	16,869	0	50,622	162	5.3
3080	54,839	8,057	14,505	1,013	78,414	151	4.4
3090	17,827	1	0	1,000	18,829	44	2.2
3100	25,908	0	0	0	25,908	76	4.0
3110	26,740	1,810	1,045	0	29,594	31	0.8
3120	61,815	141	140,199	0	202,155	144	4.3
3131	198,154	4,207	352,129	43,250	597,740	754	14.4
3132	13,916	487	34,393	30,000	78,797	103	2.8
3141	641,588	16,353	1,344,727	158,225	2,160,893	858	15.6
3142	132,129	1,944	80,282	42,763	257,117	380	11.7
3150	77,529	7,611	35,504	203,668	324,312	605	17.0
3160	3,057	3,129	0	8,222	14,408	22	0.8
3170	71,455	12,113	24,986	0	108,553	257	4.6
3181	278,591	16,173	0	0	294,763	527	14.8
3182	80,994	7,616	24,493	0	113,104	309	9.9
3190	284,506	40,633	327,172	0	652,311	642	13.5
3201	51,717	31,670	302,367	32,442	418,197	198	3.7
3202	127,246	57,445	171,458	1,000	357,149	285	5.8
3211	28,718	1,043	55,422	1,422	86,605	28	0.6
3212	59,007	19,937	10,081	1,972	90,997	96	2.4
3231	3,261	1,946	3,083	0	8,290	44	1.2
3232	97,256	68,464	176,584	7,500	349,804	349	6.6
3240	189,933	40,395	33,004	0	263,332	310	10.2
3250	33,771	0	(85)	10,000	43,685	64	1.7
3261	3,249	0	30,682	0	33,931	5	0.2
3262	40,936	3,876	5,507	0	50,319	78	2.3
3291	81,892	3,542	51,675	12,500	149,609	81	2.3
India Total	3,292,449	506,715	4,345,963	684,225	8,829,352	8,354	5.7
3220 Sri Lanka	61,266	8,057	52,243	1,000	122,566	131	6.7
3271 Pakistan	3,907	14,452	20	0	18,379	11	0.8
3272 Pakistan	11,088	992	300	0	12,380	44	2.7
3281 Bangladesh	107,722	4,325	127,600	7,000	246,647	271	4.8
3282 Bangladesh	31,606	15,157	(2,703)	2,000	46,061	71	1.5
3292 Nepal	168,236	17,350	525,556	0	711,142	316	6.8
South Asia Total	3,676,274	567,048	5,048,979	694,225	9,986,526	9,198	5.6
World Total	84,737,417	22,261,411	19,619,136	29,378,505	155,996,468		

Source: RI South Asia Office

रोटरी क्लब सोलापुर लॉकडाउन के दौरान भी अपनी टिफिन सेवा जारी रखता है

रशीदा भगत



जहाँ शेष भारत ने कोविड-19 संकट से निपटने के विभिन्न और नवीन तरीकों पर प्रतिक्रिया देने में अपना समय लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन हफ्तों का लॉकडाउन घोषित किया, वहीं रोटरी क्लब सोलापुर ने त्वरित रूप से यह सुनिश्चित किया कि जिन 100 वरिष्ठ नागरिकों को क्लब की ओर से 12 वर्षों से भी अधिक समय से ताज़ा पका गरमागरम भोजन मिल रहा है उसमें लॉकडाउन की वजह से कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो।

“जब हम लॉकडाउन की कगार पर थे, हमारे क्लब के सदस्य सोलापुर के पुलिस आयुक्त अंकुश शिंदे के पास गए और उनके सामने उन 100 वरिष्ठ नागरिकों की दुर्दशा व्यक्त की जो उनके दैनिक भोजन के लिए हमारी अचूक योजना पर आश्रित हैं। वह पुलिस आयुक्त, जिन्होंने पूर्व में स्वयं हमारी परियोजना का दौरा किया था और उसकी प्रशंसा की थी, ने बिना कोई अन्य विचार किए हमें अपने ऑटो रिक्शा को चलाने और इस परियोजना में सम्मिलित हमारे दल को आने-जाने की विशेष अनुमति प्रदान की, कुछ प्रतिबंधों के साथ जिन्हें



वरिष्ठ नागरिकों को गरमागरम खाना पहुँचाने में एक दिन की भी चूक नहीं की फिर चाहे बारिश हो धूप हो या कैसा भी मौसम हो, कफरू लगा हो या फिर कोई भी लाभार्थी अस्पताल में भर्ती क्यों ना हो।

रोटेरियनों ने मेरे लिए संख्याएँ बताई और वे वास्तव में विलक्षण हैं - उस दिन तक, एक अकेले क्लब ने एक दिन की भी चूक हुए बिना, ₹1.44 करोड़ खर्च करके 4,380 दिनों (या 12 वर्षों) से अधिक समय से 438,000 टिफिन पहुँचाए थे। और यह पूरा पैसा रोटरी क्लब सोलापुर द्वारा शहर और उसके परे समुदाय के उदार योगदानों की मदद से इकट्ठा किया गया था।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिन चुनौतियों और बाधाओं का उन्होंने सामना किया है वह आज की भयानक वास्तविकता के आगे बहुत छोटी नज़र आती है। इस परियोजना द्वारा सेवा किए जा रहे 100 लोगों में से अधिकांश लोगों का कोई परिवार नहीं है और वे अकेले रहते हैं। जैसा कि देश संपूर्ण

हमने तुरंत ही स्वीकार किया,” परियोजना प्रमुख, जयेश पटेल कहते हैं।

क्लब की इस प्रतिष्ठित परियोजना, महाराष्ट्र की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक, की गहराई और महत्ता को समझने के लिए यहाँ पर एक संक्षिप्त पुनरावृत्ति है। यह इस परियोजना का 13वां वर्ष है और इसने अगस्त 4, 2019 को अपनी 12वीं वर्षगांठ मनाई। उस अवसर पर, मैंने क्लब का दौरा किया था और इतने लम्बे समय से इस परियोजना को पोषित करने वाली समिति से यह जाना कि उन 12 वर्षों के दौरान, इस क्लब के रोटेरियनों ने उन 100

यह इस परियोजना का 13वां
वर्ष है और इसने अगस्त 4,
2019 को अपनी 12वीं
वर्षगांठ मनाई।





रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी द्वारा उन्हें दिए गए किराने की किट के साथ लाभार्थी।

लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा था, तो रोटेरियनों को महसूस हुआ कि यदि वे उन वरिष्ठ नागरिकों तक दैनिक भोजन नहीं पहुँचा पाए तो शायद वे लोग भूखे मर जाएँगे।

जब 22 मार्च को कर्फ्यू की घोषणा की गई थी तो उसके कुछ दिन पहले ही ये नेक लोग काम पर लग गए थे। हमने उनके लिए पूर्व संध्या को अतिरिक्त थैपले तैयार कर लिए थे ताकि उन्हें कुछ पोषण मिल सकें, पटेल कहते हैं, आगे कहते हुए, और गुड़ी पड़वा के अवसर पर, हमने उनके भोजन में एक स्पेशल सीरा (केसरी) भी शामिल किया था।

हालाँकि उनका समर्पित ऑटो रिक्शा चालक जगदीश हिरेमठ, जो इन लोगों तक खाना पहुंचाता

है, वह इस कार्य को जारी रखने का इच्छुक है, हम उसकी सुरक्षा के बारे में भी विचार कर रहे हैं। इसलिए जिन लोगों के पास घर पर खाना बनाने का कुछ राशन और क्षमता है, हम उनके लिए खाद्य सामग्री और राशन का प्रबंध कर रहे हैं, पटेल कहते हैं।

साथ ही, उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस वर्ष क्लब के अध्यक्ष, बालप्रसाद नूनदादा, अन्नपूर्ण के लिए एक रिकॉर्ड संग्रह करने में सफल हो गए हैं... 250 लोगों में से प्रत्येक ने ₹8,100 दिए हैं, वह राशी जो एक व्यक्ति को एक साल के पके भोजन की आपूर्ति हेतु आवश्यक है।

रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी एक दूरस्थ गाँव की मदद करता है

महाराष्ट्र में किसी दूसरे स्थान पर, रोटेरियन उनके साथी नागरिकों को इस वर्तमान संकट से निपटने में मदद करने हेतु अपना योगदान दे रहे हैं। रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी, रो ई मंडल 3030 के रोटेरियन नासिक जिले के त्रिम्बक तालुक के एक दूरस्थ गाँव के ग्रामीणों के परिवारों के लिए 87 राशन किटें लेकर पहुँचते हैं। यह गाँव मुख्य शहर से 48 किमी दूर है और यहाँ कई बुनियादी सुविधाओं की कमी है,

क्लब के अध्यक्ष राजन पिल्लई कहते हैं। गाँव के पास स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है, इसका प्राथमिक विद्यालय दयनीय अवस्था में है और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं की कमी है। इन स्थितियों को देखते हुए, हमने इस गाँव को तीन सालों के लिए गोद लेने का निश्चय किया, ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की, पाइप द्वारा जल आपूर्ति और एक संग्रहण टंकी की व्यवस्था की, विद्यालय की मरम्मत की, युवतियों को सब्जी या कोई अन्य दुकान शुरू करने में मदद करने के लिए माइक्रो क्रेडिट का विस्तार किया और एक रोक बांध बनाया ताकि दूसरी फसल के लिए किसानों के पास पर्याप्त जल आपूर्ति हो, वह कहते हैं।

क्लब के सचिव अनिल देशमुख आगे कहते हैं कि वे एक और कक्षा जोड़कर एवं एक शौचालय का निर्माण करके स्कूल को अपग्रेड करने की योजना बना रहे हैं। हम मानसून की शुरुआत से पहले यह करना चाहते हैं और हमारे सभी 53 सदस्य इस कार्य के लिए प्रतिबद्ध हैं, वह आगे कहते हैं।

लेकिन इस बीच, जब कोरोना वायरस त्रासदी हुई, तो सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आए कि ग्रामीणों को अपनी रसोई चलाने के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्राप्त होती रहे। ■

250 लोगों में से प्रत्येक ने

₹8,100 दिए हैं, वह राशी जो एक

व्यक्ति को एक साल के पके भोजन

की आपूर्ति हेतु आवश्यक है।

मिलकर हम सब दुनिया को ठीक कर सकते हैं



नी हाओ, रोटरियनों!

जैसा कि हम रोटरी वर्ष के अंत के करीब हैं, हर साल हम उस पथ पर मुड़कर देखते हैं जिसकी हमने यात्रा की है। बेशक, इस वर्ष ने विशेष चुनौतियों को प्रस्तुत किया है क्योंकि हम एक वैश्विक कोरोनावायरस महामारी का सामना कर रहे हैं जिसने हमारे जीवन और सेवा करने के हमारे तरीके को बदल दिया है।

महान दार्शनिक झुआंग्जी ने एक बार कहा था, चलने से एक रास्ता बनता है। केवल अज्ञात में आगे बढ़ने से हम वास्तव में प्रगति करते हैं, और केवल पीछे मुड़कर देखने पर ही हम जान सकते हैं कि हम कितना आगे आ गए हैं। कोरोनावायरस संकट एक अभूतपूर्व घटना है, और मैं चाहता हूँ कि अब से कई वर्षों बाद जब हम पीछे देखें, तो हमें मालूम हो कि हमने दुनिया को इस विनाशकारी खतरे से उबारने में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

मुझे उस कार्य पर गर्व है जो हमारा संस्थान और रोटरी के सदस्य, कोविड-19 के प्रसार को रोकने और प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए कर रहे हैं। ताइवान के क्लबों ने 200,000 फेस मास्क दान किए हैं। इंग्लैंड में, रोटरी क्लब मेडनहेड ब्रिज ने एक कोविड-19 स्वयंसेवी सामुदायिक प्रतिक्रिया टीम की शुरुआत की ताकि आत्म-अलगाव में रहने वालों के लिए खरीदारी करने, चिकित्सा पहुँचाने में मदद की जा सके और ज़रूरतमंद लोगों की सहायता की जा सके।

संस्थान न्यासियों ने कोविड-19 परियोजनाओं को आपदा प्रतिक्रिया अनुदान के लिए पात्र गतिविधियों की अपनी सूची में जोड़ने के लिए तेजी से काम किया,

कोविड-19 अनुदानों के लिए हमारे आपदा प्रतिक्रिया कोष में 3 मिलियन डॉलर हस्तांतरित किए, और कोविड-19 को संबोधित करने वाले किसी भी नए वैश्विक अनुदान के लिए 30 प्रतिशत विदेशी वित्तपोषण की आवश्यकता को अस्वीकार किया।

बेशक, हमने एक अन्य संक्रामक बीमारी: पोलियो से लड़ने के लिए कई वर्षों में हमारे द्वारा बनाए गए ज्ञान और संसाधनों का प्रयोग किया है। पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम पहले से ही अपने बुनियादी ढाँचे का उपयोग कोविड-19 से कमजोर लोगों की रक्षा करने के लिए कर रहा है, विशेष रूप से पोलियो-पीड़ित देशों में।

हमारे संस्थान की मदद करने के लिए आप जो दे सकते हैं कृपया दे, और हमारे सदस्य आपके दान को मानवीय प्रयासों में बदल देंगे जो जीवन बचा रहे हैं।

हम इस वायरस से एक साथ उभरेंगे, और जब हम ऐसा करेंगे, तो हम पीछे मुड़कर देख पाएंगे और जानेंगे कि जब वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल ने दुनिया को पंगु बना दिया था, तब हम खड़े होकर तमाशा नहीं देख रहे थे। इसके बजाय, हमने कार्यवाही की और इसे रोकने के लिए वो सब कुछ दिया जो हम दे सकते थे और लोगों को जीवित रहने और ठीक होने में मदद करने के लिए अपने समुदायों में स्थायी परिवर्तन किए। हमारे संस्थान के लिए आपके पूर्व, वर्तमान और भावी समर्थन के लिए धन्यवाद।

गेरी सी के हुआंग

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

रोटरी आपदा प्रतिक्रिया अनुदान

वैश्विक कोविड-19 संकट से निपटने में मदद करने के लिए रोटरी संस्थान विभिन्न विकल्प प्रदान कर रहा है जिनका इस्तेमाल रोटरियन उनके अपने समुदायों एवं दुनियाभर के अन्य समुदायों के लोगों की मदद करने एवं उन्हें बचाने के लिए कर सकते हैं।

रोटरी आपदा प्रतिक्रिया कोष के अनुदानों का इस्तेमाल करके रोटरी संस्थान आपदा राहत एवं प्रतिलाभ प्रयासों का समर्थन करता है।

रोटरी आपदा प्रतिक्रिया अनुदान किन चीजों का समर्थन करती है

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होने वाले मंडल रोटरी आपदा प्रतिक्रिया अनुदानों का इस्तेमाल उनकी स्वयं की परियोजनाएं शुरू करने या स्थापित राहत संगठनों के साथ काम करके उनके समुदायों को ठीक करने में

मदद करने के लिए कर सकते हैं। अनुदान कोष का इस्तेमाल बुनियादी चीजें जैसे जल, भोजन, दवाइयाँ और कपड़े प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। अनुदान कोष का इस्तेमाल कोविड-19 गतिविधियों का समर्थन करने के लिए भी किया जा सकता है। मंडलों को स्थानीय अधिकारियों एवं समूहों के साथ मिलजुलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निधीयन एक विशिष्ट समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगी।

आपदा प्रतिक्रिया अनुदान के लिए कौन आवेदन कर सकता है

एक बार रोटरी अनुदानों के लिए पात्र होने के बाद, एक प्रभावित क्षेत्र या देश में मौजूद मंडल धन की उपलब्धता के आधार पर 25,000 डॉलर के अधिकतम

अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। पिछले अनुदानों के परिणामों की सफलतापूर्वक रिपोर्ट देने के बाद एक मंडल आगामी अनुदानों के लिए आवेदन कर सकता है। कोविड-19 गतिविधियों का समर्थन करने के लिए मंडलों को एक से अधिक आपदा प्रतिक्रिया कोष प्राप्त नहीं हो सकता।

आवेदन कैसे करें

मंडल गवर्नर एवं मंडल रोटरी संस्थान प्रमुख को रोटरी आपदा प्रतिक्रिया अनुदान आवेदन को पूरा भरकर grants@rotary.org पर भेजना होगा।

अधिक जानकारी के लिए, देखिए <https://my.rotary.org/en/take-action/apply-grants/rotary-disaster-response-grants>

© rotary.org

एक ऑस्ट्रेलियाई - शौचालय योद्धा भारत में WinS के लिए बल्लेबाजी करते है

रशीदा भगत

उन्होंने कुछ वर्षों तक धन जुटाने के लिए कड़ी मेहनत की थी, अपनी धर्मार्थ संस्था, मेलबोर्न में स्वयं के रोटररी क्लब बॉक्सहील्स सेंट्रल, अपने रो इ मंडल 9810, द रोटररी फाउंडेशन और रोटररी क्लब नासिक रोड के साथ मिल कर, नासिक के एक स्कूल में 15 शौचालय का निर्माण करने के लिए। विद्यार्थियों के लिए बनाये गए शौचालय का उद्घाटन 2015 में बड़ी धूमधाम से हुआ था। लेकिन तीन दिन बाद, आये हुए मार्क भल्ला, उनके क्लब के आगामी अध्यक्ष, एक रोटररी सम्मेलन में भाग लेने लेने की तैयारी कर रहे थे उसी समय नासिक स्कूल के प्रिंसिपल का फोन आया: “एक समस्या है।”

वो असमंजस में पड़ गए; निश्चित ही वो इतनी जल्दी किसी समस्या की अपेक्षा नहीं कर रहे थे, हमने उस स्कूल के लिए बढ़िया काम किया था, जिसमें पहले एक भी शौचालय नहीं था।

प्रिंसिपल ने कहा कि लड़के (छात्र) शिकायत कर रहे हैं; मैंने कहा पर ऐसा क्यों, हमने छात्राओं के साथ साथ लड़कों के लिए भी तो शौचालय बनवाये हैं।

उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब भल्ला ने प्रिंसिपल से सुना कि लड़के ये शिकायत कर रहे हैं की पानी पीने की लाइन लम्बी हो गई है क्योंकि अब छात्राओं ने भी पानी पीना शुरू कर दिया था।

वही पुरानी कहानी भारत में स्कूलों में लड़कियां इसलिए पानी नहीं पीती क्योंकि शौच के

लिए वो खुले में नहीं जा सकतीं, जिस तरह लड़के जा सकते हैं। वो व्यक्ति जिसने एक पुस्तक लिखी मद टॉयलेट वारियर म, और अंततः जो बन भी चुका है, इसने स्कूलों में शौचालय बनवाने के लिए लम्बी लड़ाई लड़ी है क्योंकि इस के अभाव में किशोर छात्राएं स्कूल छोड़ देती थीं और उनसे छोटी इसलिए पानी नहीं पीती थीं ताकि उन्हें शौचालय जाने की ज़रूरत ही ना पड़े।

लेकिन लड़कों का क्या, बातचीत के दौरान रोटररी न्यूज़ ट्रस्ट के ऑफिस में बैठे भल्ला से मैंने पूछा जब वो कुछ महीने पहले चेन्नई आये थे। “वो पेड़ या दीवार का इस्तेमाल करते थे... लड़के बहुत ही खराब हैं, मैं क्या कहूँ,” मुस्कराते हुए उन्होंने कहा।

अंत में बात खत्म करते हुए भल्ला ने भावुक हो कर प्रिंसिपल से कहा, आप ऐसी प्रॉब्लम लाते रहिये, हम संभाल लेंगे आगे चल कर स्कूल और खूबसूरत बनेगा, पानी बगैरह की व्यवस्था और बेहतर होगी। लेकिन भारत प्रेमी इस ऑस्ट्रेलियाई को समझने के लिए हम इसकी शुरुआत में चलते हैं, सन 2012 में।

वो एक इंडो-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त उद्यम के बोर्ड पर थे जिसकी फैक्ट्री कोलकाता में थी और बोर्ड की बैठकों में भाग लेने के लिए अक्सर भारत आते रहते थे, जिनमें से कुछ मुंबई में आयोजित होती थीं। मुंबई में एक रविवार की दोपहर, उन्होंने एक लोकल ट्रेन पकड़ी और उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया। उस यात्रा पर, उनकी





मार्क भल्ला, रोटरी क्लब बॉक्सहील्स
सेंट्रल, रो इ मंडल 9810

रशीदा भगत

मुलाकात दो नवयुवकों से हुई, जो एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी में रहते थे।

फहीम और तहसीन दोनों मुंबई विश्वविद्यालय के छात्र थे और मेरे अच्छे दोस्त बन गए। उन्होंने मुझे अपने समाज के अन्य लोगों से मिलवाने के लिए बुलाया; वो अभी भी वहीं रहते हैं। मैंने उनसे कहा था जब तुम्हें अच्छी नौकरी मिल जाएगी तो ये स्लम छोड़ सकते हो। जानते हैं उन्होंने क्या कहा: पर हम स्लम छोड़ना नहीं चाहते। यही हमारा घर है, हमारा समाज है।

शुरू में थोड़ी घबराहट थी, असमंजस की स्थिति में अगली सुबह धारावी पहुँच कर उन्होंने वहाँ कुछ समय व्यतीत किया कि लोग किस प्रकार रहते हैं, काम करते हैं, आगे बढ़ते हैं। मुझे वो जगह अद्भुत लगी और अब तो मुझे धारावी से प्यार हो गया है; जब भी मैं मुंबई जाता हूँ तो धारावी जरूर जाता हूँ, भल्ला मुस्कुराते हैं।

पहली मुलाकात के आखिर में वो दोनों उन्हें एक स्कूल ले गए, जहाँ उन्हें ये देख कर अचरज हुआ कि वहाँ, लड़के तो सभी उम्र के थे, छोटे बड़े दोनों, पर लड़कियाँ सिर्फ छोटी उम्र की थीं ; एक भी किशोरी नज़र नहीं आई तो मैंने पूछा ऐसा क्यों है। मुझे बताया गया कि लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था क्योंकि वहाँ शौचालय नहीं थे। ये सुन कर मुझे ज़बरदस्त झटका लगा। मैं ऑस्ट्रेलिया से हूँ और ये उसी

रोटरी को निरंतरता के बारे में काफी सीखना बाकी है। हम अभी तक इसमें प्रवीण नहीं हुए हैं; हम प्रयास कर रहे हैं। लेकिन लोगों को वस्तुएं देने में रोटरी अभी भी बहुत आगे है।

तरह है जैसे कोई कहे मेरे पास घर तो है लेकिन उसकी दीवार और छत नहीं है।

उन्होंने यह भी जाना कि कुछ किशोर लड़कियाँ, जो दिन में बहां रहती हैं, दिन में पानी नहीं पीती, और मासिक धर्म के दौरान, स्कूल नहीं आती हैं। जिसका मतलब था

कि प्रत्यक्ष रूप से उन्हें 25 प्रतिशत शिक्षा तो मिल ही नहीं रही, उन्होंने कहा।

ये 2012 की बात थी और ध्यान रहे तब *स्वच्छ भारत* अभियान शुरू नहीं हुआ था और भारत के अधिकांश शहरों और गांवों की कहानी भी यही थी। इसके बारे में

जागरूकता फैलाने के लिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में लोगों से बात करना शुरू कर दिया, यहां तक कि उन्होंने इसे भारत प्रवास के दौरान भी जारी रखा।

जल्द ही उनकी फैक्ट्री को ट्रेड यूनियन से सम्बंधित समस्या का सामना करना पड़ा जिसके लिए

उन्होंने नासिक के एक सलाहकार फिरोज कापड़िया से सम्पर्क किया, वो रो क्लब नासिक रोड के रोटेरियन थे। उनसे बातचीत के दौरान मैंने मुंबई के एक स्कूल में शौचालय न होने पर अपना आश्चर्य व्यक्त किया और उन्होंने कहा कि ये तो सार्वजनिक समस्या है और नासिक में एक ऐसे स्कूल से उनके रोटरी क्लब का सम्बन्ध भी है।

उस समय तक भल्ला को रोटरी की ज़्यादा जानकारी नहीं थी... ऑस्ट्रेलिया में मेरे लिए रोटरी का मतलब था किसी शॉपिंग मॉल के बाहर वृद्ध लोगों का समय बिताना! मुझे बिलकुल भी आभास नहीं था कि रोटरी समाज सेवा भी करती है। कपाड़िया ने बताया कि जिस स्कूल में टॉयलेट की आवश्यकता है उसमें उन्होंने लाइब्रेरी बनवाई है और शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया है। साथ ही भल्ला ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में उनकी छोटी सी धर्मार्थ संस्था *We can't wait* के माध्यम से उन्होंने कुछ हजार डॉलर इकट्ठे किये और रोटरियन को दे दिए जिसने कहा कि, शुरुआत अच्छी है पर काफी नहीं है।

मेरा क्लब और मंडल भी इसमें कुछ योगदान कर सकता है पर फिर भी और ज़्यादा की ज़रूरत होगी, हमें 15 शौचालय बनाने थे क्योंकि उस स्कूल में 500 विद्यार्थी थे।

कपाड़िया ने सुझाव दिया की प्रोजेक्ट के लिए भल्ला को ऑस्ट्रेलिया के कुछ क्लबों से बात करनी चाहिए। इस ऑस्ट्रेलियाई ने कुछ ऑस्ट्रेलियाई क्लबों के साथ अपने अनुभव बांटे कि किस प्रकार उनकी संस्था ने पैसे आदि जुटाए थे और रो क्लब बॉक्सहिल सेंट्रल के कुछ सदस्यों के मुँह से अनायास निकला,

*दहली में PRID सुशील गुप्ता के साथ
मार्क और एनी भल्ला।*





धारावी के फहीम वोरा नासिक में कुछ उत्साहित बच्चों के साथ।

वाह, तुम हमारे क्लब में शामिल क्यों नहीं हो जाते, इस पर मिल कर काम करते हैं। मैं रोटरी क्लब का सदस्य बन गया और कुछ ही महीनों में हमने ग्लोबल ग्रांट के लिए आवेदन कर दिया और उसी वर्ष के अंत में मैं प्रोजेक्ट शुरू करने के सिलसिले में मेरा भारत आना हुआ।

15 शौचालयों में से पहले का उद्घाटन मार्च 2015 में नासिक स्कूल में किया गया था।

धारावी में स्कूल के बारे में पूछने पर, भल्ला ने अफसोस के साथ कहा कि वह उस स्कूल में शौचालय बनाने में मदद नहीं कर सका। एक स्लम में काम करना मुश्किल है, जगह एक बड़ा मुद्दा है और परमिट मिलना लगभग असंभव। परमिट वैसे भी एक मुसीबत का काम है।

वापिस नासिक स्कूल पर लौटते हुए, भल्ला कहते हैं कि जिस दिन 15 शौचालयों का उद्घाटन किया गया

टीआरएफ ने एक ऑडिट किया, इसके शानदार परिणाम सामने आये। किशोरियों की अनुपस्थिति में उल्लेखनीय कमी आई और किशोर लड़कियों के नामांकन में वृद्धि भी हुई, उनमें से कुछ नज़दीकी स्कूलों से आई थीं जिनमें शौचालय नहीं थे।

था, वह मेरे जीवन के सर्वश्रेष्ठ दिनों में से एक था। वो दिन बड़ा भावुक रहा।

सभी पक्षों द्वारा लगभग 12,000 डॉलर जुटाए गए थे; यह एक छोटी सी परियोजना थी, लेकिन

मेरे जैसे के लिए, जो रोटरी के बाहर से आया था, यह एक चमत्कार था। उद्घाटन के लिए कुछ ऑस्ट्रेलियाई रोटेरियन नासिक आए थे और हमारे पास बहुत सारी सेल्फी ली, ऑटोग्राफ लिए और निश्चित रूप से क्रिकेट भी। स्लिप्स में 80 भारतीय और दो आस्ट्रेलियाई और हम बहुत जल्दी हार गए! उन्होंने हमारी धुनाई कर दी!

भल्ला ऑस्ट्रेलिया लौट गया, उसने अपने क्लब के सदस्यों को 15 शौचालयों के बारे में बताया और हमें मालूम था कि हमें कुछ खास मिला है। इसलिए मैं वापस नासिक क्लब गया और कहा कि चलो और करते हैं; और हमने वैश्विक अनुदान करना शुरू किया, जिसके अन्तर्गत 5,000 बच्चे और सात स्कूल थे।

अनुदान पूरा होने के बाद टीआरएफ ने एक ऑडिट किया, इसके शानदार परिणाम सामने

आये। किशोरियों की अनुपस्थिति में उल्लेखनीय कमी आई और किशोर लड़कियों के नामांकन में वृद्धि भी हुई, उनमें से कुछ नज़दीकी स्कूलों से आई थीं जिनमें शौचालय नहीं थे। अविश्वसनीय रूप से, किशोर लड़कियां शिक्षा प्रणाली की ओर वास्तव में लौट रही थीं।

ये 2015 की बात है; अब तक भल्ला रोटरी की आँख का तारा बन चुके थे और उन्होंने साओ पाओलो कन्वेंशन में WASRAG सत्र को सम्बोधित किया था जहां उनकी मुलाकात पूर्व रोटरी निदेशक सुशील गुप्ता से हुई, जिन्होंने उनका परिचय पीडीजी रमेश अग्रवाल और शरत जैन से करवाया। उस समय एक बढ़िया प्रोजेक्ट पर बात शुरू हुई। हम दिल्ली में मिले और तीन ग्लोबल ग्रांट करने का निश्चय किया। इस बार हमारा उद्देश्य था आचरण में मजबूत परिवर्तन जिसके लिए हमने वर्ल्ड

विज्ञान के साथ 11 स्कूलों में दो वर्षीय प्रोजेक्ट की सहभागिता की।

हर हफ्ते इसके वालंटियर स्कूल में जाते थे, और 2019 की जनवरी में हुए एक उद्घाटन समारोह में, उत्तर दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा मैं दो साल से देख रहा हूँ, रोटरी बहुत ही गंभीर सामाजिक संगठन है और आपने बच्चों के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम आपका सम्मान करते हैं पर हम इसकी पुनरावृत्ति करेंगे और हम ये 700 स्कूलों में करेंगे जिसका फायदा 3,50,000 बच्चों को होगा।

उत्साहित भल्ला ने कहा: ये है सरकार की ताकत और रोटरी की शक्ति ... हम समुदाय में कितना अधिक प्रभाव डाल सकते हैं।

इस परियोजना की योजना बन रही थी पर कोरोना महामारी को धन्यवाद है जिसकी वजह से इसमें देरी हो सकती है, इस दौरान भारत सरकार की सारी ऊर्जा और सभी संसाधन इस अभूतपूर्व संकट

से निपटने में लग गए हैं। लेकिन ये कहानी प्रतिबद्धता और रोटरी द्वारा किये गए अच्छे काम को मिली मान्यता की है। हमारे लिए यह जानना बहुत ज़रूरी है कि हम दूसरों की जिंदगी को भी प्रभावित कर सकते हैं।

जब मेगा दिल्ली परियोजना को निष्पादित किया जा रहा था, उस समय उन्होंने पीडीजी रमेश अग्रवाल के क्लब (रोटरी क्लब दिल्ली अशोका) के साथ एक और परियोजना शुरू की थी, जिसके लिए 2,54,000 डॉलर के तीसरे वैश्विक अनुदान को मंजूरी मिल गई। ये पैसा 25 क्लबों, छह रोटरी मंडलों और सात देशों से आया है, जिनमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड सहित कई रो इ मंडलों से प्राप्त डीडीएफ शामिल हैं यहां तक कि रो क्लब शिकागो से भी। इस परियोजना के तहत 19 स्कूलों में नए शौचालयों का निर्माण, कुछ पुरानों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण कार्य आदि शामिल हैं।

उस समय (2012),
ऑस्ट्रेलिया में मेरे लिए रोटरी
का मतलब था किसी शॉपिंग
मॉल के बाहर वृद्ध लोगों
का समय बिताना!

लेकिन इस परियोजना का 70 प्रतिशत ध्यान आचरण परिवर्तन पर केंद्रित है और यही सबसे कठिन है, वे कहते हैं।

इस बीच, भल्ला ने नासिक, पुणे और यहां तक कि इथियोपिया में छोटी परियोजनाओं को जारी रखने के लिए सहभागिता की और कंबोडिया, सोलोमन द्वीप आदि में काम करने वाले लोगों को परामर्श देना शुरू किया। वह WASRAG के बोर्ड में शामिल हो गए और वर्तमान में इसके उपाध्यक्ष हैं और WinS टारगेट चैलेंज में कार्यरत TRF

कैडर में तकनीकी सलाहकार भी हैं। इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए पिछले साल उन्हें ग्वाटेमाला भेजा गया था। और अन्य परियोजनाओं को लागू करने में ग्वाटेमाला से भारत की तुलना करें तो, मैं पूछती हूं। भल्ला स्पष्ट उत्तर देते हैं: भारत के पास चीजों को सुधारने के अवसर अधिक हैं और यही भारत में काम करना रोमांचक बनाता है ... गरीब देशों में यह बहुत कठिन है।

तो भारत में उन्होंने जिन परियोजनाओं पर काम किया, उनमें निरंतरता कितनी महत्वपूर्ण थी?

भल्ला स्वीकार करते हैं कि रोटरी को निरंतरता के बारे में काफी सीखना बाकी है। हम अभी तक इसमें प्रवीण नहीं हुए हैं; हम प्रयास कर रहे हैं। लेकिन लोगों को वस्तुएं देने में रोटरी अभी भी बहुत आगे है। लेकिन केवल दान या चीजें दे कर आप लोगों को स्वावलम्बी नहीं बना सकते। हमें वो चीज करने की आवश्यकता है।

यह पूछने पर कि क्या पहले बनाए गए स्कूलों में पानी की आपूर्ति

विद्या प्रशाला जूनियर हाई स्कूल नासिक में नासिक और ऑस्ट्रेलिया के रोटेरियनों के साथ शिक्षक।





दिल्ली के एक स्कूल में बाल कैबिनेट के साथ बैठक।

पर्याप्त है, भल्ला का कहना था कि उन दिनों निरन्तरता की बात नहीं होती थी। लेकिन अब हमने फैसला कर लिया है कि उन स्कूलों के साथ हम काम नहीं करेंगे जिनके यहां पानी की सहज उपलब्धता नहीं है। मैं तब तक स्कूलों के साथ काम नहीं करना चाहता जब तक कि हेडमास्टर की तीव्र इच्छा न हो। अब हमारे पास नासिक में एक स्कूल प्रोजेक्ट है जो शानदार होगा; संभवतः दुनिया में तीन-सितारा रेटिंग प्राप्त करने वाला यह पहला स्कूल होगा।

अंततः इसका उद्देश्य, भल्ला कहते हैं, स्कूल का उपयोग कर समाज में परिवर्तन लाना है उस सीमा तक जब तक कि उन्हें लगने लगे कि शौचालय के बिना वे घर में नहीं रह सकते। हम जिसकी बात कर रहे हैं यह एक गहरा और परिवर्तनकारी चिंतन है।

वेशक टीआरएफ ने अब निरन्तरता और स्थायित्व पर जोर देना शुरू कर दिया है; और हम सीख

मुझे बताया गया कि लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था क्योंकि वहां शौचालय नहीं थे। ये सुन कर मुझे जबरदस्त झटका लगा। मैं ऑस्ट्रेलिया से हूँ और ये उसी तरह है जैसे कोई कहे मेरे पास घर तो है लेकिन उसकी दीवार और छत नहीं है।

रहे हैं। उन्होंने पुणे में एक स्वच्छता अर्थव्यवस्था शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जो एक रोटरी आयोजन तो नहीं था पर काफी दिलचस्प था, और ये कार्यक्रम ज्यादातर युवा सामाजिक उद्यमियों को समर्थन देने के सम्बन्ध में था, और यहां उद्यमियों की मदद

के लिए रोटरी को गंभीर भूमिका निभाने की आवश्यकता है। हमारे पास एक अवसर है; हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमारी औसत आयु के साथ, विशेष रूप से पश्चिम में, हमारे पास 23 वर्षीय सामाजिक उद्यमी वाला जोश और उत्साह नहीं है जो किसी भी हद तक कोई भी जोखिम लेने को तैयार है। लेकिन इन लोगों को मदद की ज़रूरत है।

यदि आप भारत में भल्ला के स्कोरकार्ड पर नज़र डालते हैं, तो उन्होंने 500 बच्चों और लगभग 2,000 डॉलर के साथ शुरुआत की थी, अगर कोरोना महामारी नहीं आई होती, तो मार्च 2020 तक, भारत में परियोजनाओं के लिए वो एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर इकट्ठा कर चुके होते और उन्होंने 100,000 बच्चों की ज़िंदगी को छू लिया होता।

उनसे उनके सपने के बारे में पूछें और वो कहते हैं कि वह एक मिलियन बच्चों तक पहुंचना

चाहते हैं और यह संभव है, रोटरी को धन्यवाद जो वास्तव में दुनिया को जोड़ती है। उन्होंने एक क्लब का उदाहरण दिया जिसे उन्होंने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अमेरिका में संबोधित किया था, करीब छह महीने बाद उनके पास फोन आया, यह कहते हुए कि आप भारत में जो कर रहे हैं हमें वास्तव में पसंद है और हम ग्वाटेमाला में इसी की पुनरावृत्ति करने जा रहे हैं। लेकिन वास्तव में मैंने आपको ये कहने के लिए फोन नहीं किया है।

अमेरिका के किसी अन्य भाग में एक रोटेरियन की बगल में बैठ कर उन्होंने भल्ला को मैं बताने के लिए फोन किया था; उन्होंने भारत की कहानी सुनाई, बाद में उस रोटेरियन का फोन आया था कि वे हॉंदुरास में स्कूल प्रोजेक्ट की पुनरावृत्ति करने जा रहे हैं। भल्ला जो अब अपना व्यापार बंद चुके हैं और पूरी तरह से स्वैच्छिक कार्यों में संलग्न हैं, कहते हैं, यह मेरे जीवन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ कार्य है। ये वो कहानियाँ हैं जो हम सुनते हैं; ऐसी ना जाने और कितनी कहानियाँ हैं। ये है रोटरी का जादू।

उन्होंने एक पुस्तक लिखी है टॉयलेट वॉरियर जिस में उन्होंने भारतीय स्कूल में शौचालय निर्माण के अपने अनुभव लिखे हैं, जिसकी कीमत ₹500 है। वह कहते हैं कि पुस्तक से - करीब 30,000 डॉलरका लाभ अर्जित करने की आशा करते हैं - जो टीआरएफ में जाएगा। पुस्तक नोशन प्रेस, चेचर्ड द्वारा प्रकाशित है। आप <https://notionpress.com/read/toilet-warrior> पर पुस्तक खरीद सकते हैं

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

हर्षवर्धन ने रोटरी इंडिया को महामारी के दौरान मदद के लिए धन्यवाद दिया

रशीदा भगत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने, सम्पूर्ण राष्ट्र के वरिष्ठ रोटरी नेताओं और रोटेरियनों के साथ आयोजित एक वेब सम्मेलन में, कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में रोटरी द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उनका आभार प्रकट किया और उनको धन्यवाद दिया।

पीएम केयर्स फंड के लिए आपने ₹26 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं और आपके द्वारा किये गए अन्य योगदान जैसे अस्पताल के विशिष्ट उपकरण, सैनिटाइज़र, भोजन और खाद्यान्न के पैकेट आदि, जिन का योग करीब ₹75 करोड़ होता है, निहायत ही काबिले तारीफ़ है, उन्होंने कहा।

महामारी को नियंत्रित करने के लिए तत्परता से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार, और विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों के द्वारा युद्ध स्तर पर किये गए कार्यों के बारे में मंत्री महोदय ने विस्तार से बताया। स्वास्थ्य मंत्री वर्धन की अध्यक्षता में विभिन्न मंत्रियों का समूह (स्वास्थ्य, विमानन, नौवहन, गृह और विदेश मंत्रालय से) 3 फरवरी से अप्रैल के

मध्य तक 12 बार मिला था। पूरी स्थिति की समीक्षा करने के लिए, नीति आयोग के सचिव व सदस्य स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में ग्यारह सशक्त समूहों की स्थापना की गई।

उनके नेतृत्व में, विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया, और शुरुआत में 27 जनवरी को ही सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिव और प्रासंगिक केंद्रीय मंत्रियों के साथ नियमित रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंस की गई, उन्होंने बताया।

वह विभिन्न राज्यों के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्रियों, दोनों के लगातार संपर्क में रहे हैं, और वे दिल्ली हवाई अड्डे, पीड़ितों के लिए बनाये गए कार्रेंटाइन (संगरोध) केंद्रों, अस्पतालों का स्वयं दौरा किया।

हर्षवर्धन ने पुनः दोहराया कि भारत सरकार ने तुरंत प्रतिक्रिया दिखाते हुए इसे 8 जनवरी को ही एक महामारी घोषित कर दिया था जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 30 जनवरी को किया था। केंद्र ने राज्यों को 17 जनवरी को स्वास्थ्य क्षेत्र में तैयारी शुरू करने के लिए कह दिया गया था; भारत में प्रवेश के रास्तों

और महामारी के लक्षण दिखाई देने पर किस से संपर्क करना चाहिए इन के लिए हमने पारंपरिक और सोशल मीडिया शामिल किये गए। वेंटिलेटर के उपयोग पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए थे।

हालांकि हमने 55000 वेंटिलेटर के आदेश दे दिए हैं, जबकि कोरोना प्रभावित लोगों में केवल 1% को ही इसकी ज़रूरत पड़ती है। मंत्री महोदय ने कहा।

जल, वायु और स्थल सीमाओं को तुरंत सील कर दिया गया था, उनके सभी कर्मचारियों को देश में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच करने, रोगी प्रबंधन के लिए संगरोध चिकित्सा टीमों को संक्रमण निरोध और नियंत्रण के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया गया था। 25 जनवरी से विशिष्ट केंद्रीय टीमों ने सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों आदि का निरीक्षण शुरू कर दिया गया।

सरकार ने वर्तमान में चालू सभी वीजा 15 अप्रैल तक के लिए तुरंत निरस्त कर दिए गए, कुछ को छोड़ कर, और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) को उपलब्ध

इस महामारी से निपटने के लिए ज़बरदस्त तैयारी की गई जिसके तहत, हवाई अड्डे और बंदरगाह के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया था, संक्रमित लोगों के इलाज के लिए अस्पतालों को चिह्नित किया गया, और सुरक्षा संदेश प्रसारित करने, सावधानी बरतने, सामाजिक दूरी बनाए रखने

बाएं से: शताब्दी शिखर सम्मेलन, कोलकाता में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्ष वर्धन, RIPN शेखर मेहता, RID भारत पांड्या, PDG नैन्सी बारबी और RID कमल संघवी।



बीजा मुक्त सुविधा भी निलंबित कर दी गई।

सामुदायिक निरीक्षण और स्वास्थ्य निगरानी की गई, राज्यों को नियमित रूप से परामर्श और सलाह दी गई और परीक्षण के लिए रणनीति बनाई गई जिसके तहत 21 अप्रैल तक 4.38 लाख लोगों का परीक्षण किया गया।

रोटेरियनों द्वारा उचित समय पर की गई सेवा और सहायता की ओर लौटते हुए, मंत्री ने कहा, पोलियो उन्मूलन में की गई आपकी सेवा के योगदान का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता, और वो भी तब जब प्रत्येक बच्चे के पोलियो प्रतिरक्षण में पूरी दुनिया को संशय था यहां तक कि भारत में भी।

उन्होंने कहा कि पोलियो प्रतिरक्षण में रोटेरियनों द्वारा किए गए कार्य का परिणाम ये है कि पिछले नौ वर्षों में पोलियो का एक भी मामला नहीं आया है उन्होंने कहा।

भारत में रोटेरियनों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी हर्षवर्धन को देते हुए, ठखझछ शेखर मेहता ने कहा कि भारतीय रोटेरियनों ने रो

इ निदेशकों भरत पांड्या और कमल संघवी और भारत में मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में, 20 अप्रैल तक 30 करोड़ से अधिक के चिकित्सा उपकरण, 2 लाख सैनिटाइजर, पीपीई की 75,000 इकाइयाँ, 25 लाख से अधिक भोजन, 3,500 घंटे से अधिक मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, और कौशल विकास में रोटेरी द्वारा प्रशिक्षित महिला कार्यकर्ता हजारों मास्क तैयार कर रही थीं।

पीएम केयर्स फंड के लिए हम ₹25 करोड़ रुपये जुटाना चाहते थे, लेकिन ₹26 करोड़ पहले ही इकट्ठे हो चुके हैं और रोटेरी इंडिया ने लगभग ₹75 करोड़ के कोविड-राहत कार्य किये हैं, कुल मिला कर ये राशि (21 अप्रैल तक) ₹101 करोड़ पहुँच चुकी है।

उन्होंने मंत्री से कहा, गौर परमाएं कि रोटेरियनों ने इतना कुछ अपनी बचत में से किया था। कॉर्पोरेट कंपनियों के लिए ₹500 करोड़ दान करना आसान हो सकता है... इसके लिए उन्हें भी मेरा तहे दिल से धन्यवाद, लेकिन भारत में रोटेरियनों ने अपनी जेब से दिए हैं, यह काबिले तारीफ है।

टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने कहा कि टीआरएफ ने विशेष रूप से आपदाओं में राहत कार्य से जुड़ी परियोजनाओं की सहायता के लिए विशेष रूप से एक “डिजास्टर रिसपांस ग्रांट” की स्थापना की है और वर्तमान में कोरोना महामारी से बड़ी कोई आपदा नहीं है जिसका सामना पूरी दुनिया कर रही है। इसलिए ट्रस्टियों ने फैसला किया है कि टीआरएफ को हमारे सभी 540 मंडलों में से प्रत्येक की मदद करनी

चाहिए, और दुनिया भर में अभी तक 180 मंडलों में से प्रत्येक को 25,000 डॉलर दिए जा चुके हैं; कुल मिलाकर लगभग ₹24 करोड़। भारत में यह अनुदान 21 मंडलों को दिया गया है, जिसका कुल मूल्य ₹4 करोड़ है।

बड़े अनुदान या जीजी (ग्लोबल ग्रांट) के तहत, अभी तक अस्पतालों में वेंटिलेटर और अन्य उपकरण दान करने के लिए ₹7 करोड़ के 11 जीजी स्वीकृत किए गए हैं।

मेहता ने हर्षवर्धन से इसी तरह के एक वेबकास्ट पर सिर्फ 5 मिनट के लिए प्रधानमंत्री मोदी को लाने का आग्रह किया और कहा मुझे यकीन है कि इससे कोविड-19 राहत में रोटेरी इंडिया के योगदान को ₹101 करोड़ से ₹125 करोड़ तक पहुँचने में मैं ज्यादा देर नहीं लगेगी।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर हमारा विज़न - आगामी पांच वर्षों में हम 50 आँखों के अस्पतालों, 40 ब्लड बैंक, 50 मोबाइल क्लीनिक - मैमोग्राफी, नेत्र परीक्षण व उपचारके लिए, हर साल 25,000 बाल एवं शिशु हृदय शल्य चिकित्सा करना और हर साल 15 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच करना शामिल है। रोटेरियन यह सभी कार्य आपके नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ करना चाहते हैं। आपने पहले भी पोलियो में हमारे साथ काम किया है पोलियोप्लस में सरकार के साथ जिस सौहार्द के साथ कार्य संपन्न हुआ उसकी शुरुआत आपसे ही हुई थी और आप रोटेरी के सबसे बड़े समर्थकों में से एक हैं। मुझे पता है कि इन मुद्दों के लिए जो आपका जुनून है वही जज़्बा हम

रोटेरियनों के भीतर भी है, उन्होंने कहा।

पीआरआईपी राजेंद्र साबू ने कोरोना महामारी से लड़ने में वर्धन द्वारा प्रदान किए गए नेतृत्व की प्रशंसा की; हम भाग्यशाली हैं कि इस कठिन समय में हमारे स्वास्थ्य मंत्री आप हैं।

रो इ निदेशक भरत पांड्या ने अनुकरणीय नेतृत्व के लिए मंत्री की सराहना की और कहा कि भारत में रोटेरियन उनके विचार से सहमत हैं कि एक व्यक्ति की सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति अच्छा स्वास्थ्य है, इस महामारी से निपटने में सरकार की मदद के लिए रोटेरियन विभिन्न गतिविधियों में संलग्न हैं साथ ही पीएम केयर्स फंड में उनका भी बड़ा योगदान है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जिस तरह भारत को पोलियो से छुटकारा दिलाने में वर्षों से सरकार के साथ काम किया है, इस महामारी के दौरान भी रोटेरियन सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। और एक बार यह संकट टल जाये, भारत सरकार के साथ हम स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य क्षेत्रों में भी, विशेषकर गैर संचारी रोगों के क्षेत्र में काम करेंगे और इसमें आपसे मार्गदर्शन और समर्थन की अपेक्षा करते हैं।

रो इ निदेशक कमल संघवी ने स्वास्थ्य मंत्री को उनके समय और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया और इस मुश्किल दौर में देश भर के सभी रोटेरी नेताओं और रोटेरियनों का उनकी उदारता और कड़ी मेहनत के लिए आभार प्रकट किया।

पीडीजी रंजन ढींगरा ने सभी का अभिवादन किया। ■



आभासी बैठक, मास्क, सैनिटाइज़र, नई आम चीज़ें हैं: जावड़ेकर

जयश्री

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, और सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के साथ RIPN शेखर मेहता द्वारा बुलाई गई एक ज़ूम बैठक में, 300 से अधिक रोटेरियनों ने साक्षरता, पर्यावरण और कोविड महामारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

मेहता ने जावड़ेकर से प्रधानमंत्री मोदी के साथ 5 मिनट की आभासी बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया। कोविड-19 राहत हेतु पीएम केयर्स फंड के लिए हमने ₹25 करोड़ के हमारे लक्ष्य को पार कर लिया है। रोटेरियन अब तक 30 करोड़ दान कर चुके हैं और यह हमें और भी अधिक उत्साहित करेगा यदि हम एक ज़ूम बैठक में उन्हें प्रतीकात्मक रूप से यह चैक सौंप सकें, उन्होंने कहा।

उन्होंने रोटरी भारत के पर्यावरण मिशन पर बात की जिसके तहत अगले 5 वर्ष में 30 करोड़ पौधे रॉपे जाएंगे और अनेक गाँवों में एक लाख सोलर लैंप स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने मंत्रीजी को महामारी के खिलाफ रोटरी की प्रतिक्रिया से अवगत कराया। रोटरी क्लबों ने एक करोड़ से अधिक मास्क, 75,000 पीपीई, 2 लाख लीटर सैनिटाइज़र, 25 लाख से अधिक भोजन, ₹20 करोड़ की कीमत के चिकित्सीय उपकरण वितरित किए हैं और रोटरी के व्यावसायिक केंद्रों से प्रशिक्षित महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों के लिए मास्क

सिल रही हैं। हमारे काम का कुल मूल्य ₹75 करोड़ है और गिनती अभी भी जारी है।

उन्होंने दोहराया कि रोटरी भारत के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रोटरी अगले 5 वर्षों में 10 प्रतिशत सरकारी परियोजनाएं लागू करेगी और देश में ₹200 करोड़ की कीमत की मानवीय परियोजनाएं करेगी।

एक मजाकिया स्वर में, उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के दौरान कैसे सरकार ने लोगों के मनोरंजन का ध्यान रखा है। *रामायण* और *महाभारत* का प्रसारण एक बढ़िया कदम है। मेरी माँ हर दिन कम से कम 5 घंटे इन धारावाहिकों को देखती हैं, मेहता ने कहा।

नई आम चीज़ें

अपने संबोधन में जावड़ेकर ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मास्क, सैनिटाइज़र और बारंबार हाथ धोना अब नई आम चीज़ें हो गई हैं। आने वाले दिनों में हमें इसी तरह से मिलना होगा जब तक कि लोगों को कोरोना वायरस से बचाने वाले टीके की खोज नहीं हो जाती। रोटरी के साथ उनके 40 साल के जुड़ाव में, उन्होंने उनके कॉलेज के दिनों में रोटेरेक्ट कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था, उन्होंने कहा।

मंत्री जी ने कहा, वयस्क साक्षरता उनके दिल के करीब है। “मेरी मां एक प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका थी और एक गांव में वयस्क साक्षरता अभियान के दौरान, उस वक्त मैं 10 वर्ष का था, मुझे याद है वह मुझसे कह रही थी कि मैं पुरुषों को पढ़ाऊंगा जबकि वह महिलाओं को पढ़ाएंगी। और मुझे ऐसा करने में मजा आया। वयस्क साक्षरता के लिए RILM द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम की उन्होंने प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने NCERT बोर्ड में उसकी अनुशंसा की है।

मंत्रीजी ने कोरोना महामारी के प्रबंधन में भारत की प्रगति का एक विवरण प्रस्तुत किया। मेक इन इंडिया की अवधारणा अब अधिक स्पष्ट है। हम अपने स्वयं के मास्क और पीपीई बना रहे हैं। हमने तीन महीनों में उन चीज़ों को लागू करना शुरू कर दिया है जो हम 70 वर्षों में भी नहीं कर सके। हम दुनिया को कोविड-19 से लड़ने में मददगार दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन का निर्यात कर रहे हैं। मुझे एक नया भारत उभरता हुआ दिखाई दे रहा है जहाँ लोग



RIPN शेखर मेहता, सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और PRIP कल्याण बेनर्जी

अपनी जड़ों की ओर लौटते हैं और हमारे विकास में सहयोग देते हैं। इस महामारी ने हमें अनेक सबक सिखाए हैं और हमें बढ़ने के अवसर प्रदान किए हैं, उन्होंने कहा।

सवाल-जवाब के एक सत्र का संचालन रोई निदेशक भरत पंड्या द्वारा किया गया।

PRIP राजेंद्र साबू ने मंत्री जी से पूछा कि लॉकडाउन के खत्म होने के बाद सरकार की देश को साफ रखने की क्या योजना है, विशेष रूप से जब मैं गंगा जैसी नदियों को इतना स्वच्छ बहते हुए देखता हूँ।

मजाकिया स्वर में, जावड़ेकर ने साबू से अधिक अव्यावहारिक ना बनने का आग्रह किया। लॉकडाउन के दौरान हर जगह काम रुक गया है। लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं रह सकता। आप एक बड़े शहर में रहना चाहते हैं अधिक सुविधाएं, फैक्ट्रियां आदि चाहते हैं। लेकिन आप प्रदूषण नहीं चाहते। लेकिन अच्छाई और बुराई दोनों एक साथ नहीं हो सकती। हम केवल प्रदूषण को कम कर सकते हैं पर उसे पूरी तरह रोक नहीं सकते।

PRIP कल्याण बेनर्जी ने सुझाव दिया कि पर्यावरण के प्रति व्यावहारिक परिवर्तन को एक विषय के रूप में स्कूलों एवं कॉलेजों में शामिल किया जाना चाहिए। जावड़ेकर ने इस विचार का स्वागत किया और एक स्मार्ट परिसर अभियान शुरू करने, एवं स्वच्छता, हरियाली, बिजली की बचत/उत्पादन, जल उपचार

मुझे एक नया भारत उभरता हुआ दिखाई दे रहा है जहाँ लोग अपनी जड़ों की ओर लौटते हैं और हमारे विकास में सहयोग देते हैं। इस महामारी ने हमें अनेक सबक सिखाए हैं और हमें बढ़ने के अवसर प्रदान किए हैं।

एवं अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कॉलेजों को सम्मानित करने का सुझाव दिया।

रोटरी की पर्यावरण समिति के सह-अध्यक्ष PDG कमलेश रहेजा के एक सवाल का जवाब देते हुए जावड़ेकर ने कहा कि जल एवं वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटना इस सरकार के प्राथमिक ध्यानाकर्षण क्षेत्र है।

निदेशक पंड्या ने पूछा कि एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध उतना प्रभावी क्यों नहीं है जितना उसे होना चाहिए।

मंत्री जी ने जवाब दिया कि प्लास्टिक पर प्रतिबंध समाधान नहीं है। प्लास्टिक के कचरे को एकत्रित करने एवं उसे पुनःचक्रित करने की एक प्रणाली

होना चाहिए। सीमेंट एवं अन्य उद्योग मल्टी-लेयर प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। थर्मकोल और एकल इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक जैसे पाउच, स्ट्रॉ और कप को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए; इस कचरे को एकत्रित करना आसान नहीं होता। वे पर्यावरण को क्षति पहुंचाते हैं।

रोटरी द्वारा छोटे वनों का निर्माण करने के लिए सरकार देशभर में कुछ बंजर भूमियों को चिन्हित कर सकती है या नहीं, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि निजी-सार्वजनिक भागीदारी के लिए एक राष्ट्रीय वन नीति की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में भारत ₹40,000 करोड़ की कीमत की लकड़ियां आयात कर रहा है, और विदेशों में भारतीय उद्योगपतियों के खुद के जंगल हैं। यह धारणा यहाँ इसलिए आकर्षक नहीं है क्योंकि पेड़ों की कटाई प्रतिबंधित है। नई नीति इस कमी को संबोधित करेगी, जावड़ेकर ने कहा।

अपने स्वागत भाषण में, रोई निदेशक कमल संघवी ने कहा, जब हमने हमारे साक्षरता कार्यक्रम की शुरुआत की थी तब आप एक मार्गदर्शक बल रहे थे और आज हमारे द्वारा पर्यावरण कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करने के दौरान भी हम चाहते हैं कि आप हमारे साथ हों।

RIDN रवि वाडलमानी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ■

NOW MORE THAN EVER, ROTARY CONNECTS THE WORLD: THE 2020 ROTARY VIRTUAL CONVENTION

20-26 June 2020



कोरोना महामारी के दौरान

रोई मंडल 3060 मदद के लिए आगे आया

किरण जेहरा

कोविड-19 लॉकडाउन के एक हफ्ते पहले, रोई मंडल 3060 के रोटैरियनों ने सुनिश्चित किया कि उनके मंडल के आठ रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के विद्यार्थी सुरक्षित रूप से अपने घर पहुँचें। हम चाहते थे कि वे अपने परिवारों के पास वापस जाएं, मंडल खधए के सह-अध्यक्ष और रोटरी क्लब सूरत के सदस्य निहाल शाह कहते हैं। फ्रांस की एक विनिमय छात्रा हेलोईस को छोड़कर बाकि सभी सुरक्षित रूप से अपने घर पहुँच गए। हम उसे वापस इसलिए नहीं भेज सके क्योंकि उसकी निर्धारित फ्लाइट से काफी दिन पहले ही लॉकडाउन लग चुका था।

हेलोईस के गृह क्लब, रोटरी क्लब डिजोन टोईसन, रोई मंडल 1750, ने उसे भारत में ही रखने का निर्णय लिया। उसकी मेज़बानी

मुझे चकरी (एक गुजराती नाश्ता) बनाने और भरतनाट्यम सीखने में बहुत मजा आता है।

हेलोईस
'\$ng H\$S EHS {d(Z'¶ Nm।

रोटरी क्लब बड़ोदा सयाजीनगर द्वारा की जाती है। उसके मेजबान अभिभावक मायल भयानि और वैशाली शुरुआत में चिंतित थे कि उसपर लॉकडाउन की खबर का क्या प्रभाव पड़ेगा लेकिन वह आश्चर्यचकित थे कि इस बच्ची ने अत्यंत साहस और आत्मविश्वास दिखाया, मायल भयानि कहते हैं। उनकी पत्नी वैशाली आगे कहती है, हमारे संबंध घनिष्ठ होते जा रहे हैं।

यह फ्रांसीसी लड़की थोड़ी चिंतित थी जब उसके दल के सदस्य उस समय घर वापस पहुंचे थे जब उसके ग्रहनगर में संक्रमण की संख्या बढ़ रही थी। मुझे पता चला कि मेरा एक साथी जो घर वापस गया था वो इस वायरस से संक्रमित था, और मैंने महसूस किया कि इससे लड़ने का सबसे अच्छा तरीका घर के अंदर रहना ही है। मेरे मेजबान माता-पिता मुझे हर तरह से सहज महसूस करा रहे हैं। यह 16 वर्षीय बच्ची भारतीय व्यंजन बनाना सीख रही है। मुझे चकरी (एक गुजराती नाश्ता) बनाने और भरतनाट्यम सीखने में बहुत मजा आता है। मैंने मेरे पहले मेजबान अभिभावक चारमी शाह से नृत्य सीखा था।



रोटरी क्लब बड़ोदा मेट्रो के एक सदस्य भोजन पैकेट वितरित करते हुए।



रोटरी क्लब अंकलेश्वर द्वारा किराना किट वितरित किये गए।

तीन क्लबों ने उस क्षेत्र में वितरण किया है जो कच्चा धागा बनाने और हीरे चमकाने के लिए जाना जाता है जहाँ अपनी जीविकोपार्जन के लिए एक लाख से अधिक मजदूर काम करते थे मगर अब वे वहाँ पर फंस गए हैं।

वह सामाजिक मीडिया के माध्यम से अपने परिवार और सहपाठियों के संपर्क में है और भारत में मेरे विनिमय काल जो जून 2020 में समाप्त होगा के बाद सुरक्षित घर पहुँचने की आशा करती है।

रो ई मंडल 3060 के रोटरी क्लब कोविड-19 महामारी के खिलाफ इस जंग में शामिल हुए। PRIP कल्याण बेनर्जी के क्लब रोटरी क्लब वापी ने लॉकडाउन के दौरान, प्रतिदिन खाने के 200 पैकेट की आपूर्ति करने के लिए ₹3,34,000 एकत्रित किए। ज़िला कलेक्टर के अनुरोध पर, क्लब के रोटरी हरिया अस्पताल ने बलसाड

ज़िला प्रशासन को 500 यूनिट हैंड सैनीटाइज़र प्रदान किए।

लॉकडाउन के पहले दो हफ्तों के भीतर क्लब के सदस्य मुन्ना शाह, किरिट मेहता, एके शाह, अशरफ नाथानी और जीएल मोदी ने पीएम केयर्स फंड में कुल ₹95 लाख दान किए, जबकि महेंद्र शाह ने सीएम रिलीफ फंड में ₹2.25 लाख दान किए।

घर लौटने के लिए संघर्ष कर रहे प्रवासी मजदूरों को 500 से अधिक खाने के पैकेट वितरित किए गए। क्लब जरूरतमंदों को लॉकडाउन के खत्म होने तक खाद्यान्न और जरूरी सामग्रियों की किटें वितरित करता रहेगा,

क्लब के अध्यक्ष आर. जे. सिंह कहते हैं।

रोटरी क्लब बड़ोदा मेट्रो ने 300 प्रवासी मजदूरों को खाने के पैकेट वितरित किए और पुलिस कर्मचारियों को मास्क और नाश्ते की किटें प्रदान की। बड़ोदा मेडिकल यूनिन के चिकित्सीय और पराचिकित्सीय कर्मचारियों को सुरक्षा किटें प्रदान की गई। क्लब के सदस्य वृजेश अमृत, एक होटल व्यवसायी, बड़ोदा की तीन झुग्गी बस्तियों के इलाकों में खाने के 800 पैकेट वितरित कर रहे हैं।

रोटरी क्लब सूत सीफिस ने 4,000 वंचित परिवारों को ₹5 लाख की लागत से भोजन प्रदान किया। रोटरी क्लब सूत ने जरूरतमंदों को ₹10 लाख की लागत से खाने के 6,000 पैकेट और सुरक्षा सामग्री प्रदान की। रोटरी क्लब उधना ने 11,200 लाभार्थियों को ₹23.75 लाख से 2,800 खाद्य और सुरक्षा



रोटरी क्लब अंकलेश्वर के रोटरी सशक्तिकरण केंद्र में मास्क का उत्पादन।

डांग को मदद के लिए

जयश्री

काकशाला डांग जिले का एक आदिवासी गाँव है जिसके घने जंगलों में लगभग 700 परिवार रहते हैं। लॉकडाउन के शुरुआती दिनों के दौरान, रोटरी क्लब सूरत रो ई मंडल 3060, के अध्यक्ष निखिल मद्रासी के पास जिला वन अधिकारी का फोन यह कहने के लिए आया कि ग्रामीण भूख से परेशान हो रहे हैं इसलिए उन्होंने हमसे उन्हें कुछ किराना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। हम पहले ही उस गाँव से जुड़े हुए हैं और स्कूली बच्चों के लिए कपड़े, किताबें और स्टेशनरी वितरित करने के लिए नियमित रूप से वहाँ जाते हैं।

क्लब के सदस्यों ने त्वरित कार्यवाही की और ग्रामीणों के लिए किराने का सामान और सब्जियों से भरा एक टेम्पो लोड करवाने की व्यवस्था की। दो सदस्य - चिराग गांधी और केतन पटेल - फिर आवश्यक अनुमतियाँ मिलने के बाद गाँव के लिए 135 किमी की यात्रा करने के लिए निकल पड़े।

ग्रामीण अनपढ़ हैं। उनमें से कुछ के पास तो राशन कार्ड भी नहीं है और इसलिए वे सरकार द्वारा दिए गए निःशुल्क राशन का लाभ नहीं उठा सकते। आसपास के क्षेत्रों में कोई उद्योग नहीं होने के कारण, वे अपनी आजीविका के लिए थोड़ी खेती करते हैं और मवेशी चराते हैं।

रोटेरियन गुजरात-महाराष्ट्र सीमा के गाँव तक पहुँचने के लिए ऊबड़-खाबड़, कीचड़ भरे रास्ते से गुजरे। कम से कम अब वहाँ एक सीमा तक डामर की सड़क है; यह हाल ही में बनाई गई है, गांधी कहते हैं, आगे कहते हुए कि निकटतम पेट्रोल बंक 40 किमी दूर है, और बाजार क्षेत्र 25 किमी दूर है। ग्रामीणों को निकटतम सभ्यता तक पहुँचने के लिए एक पहाड़ी को पैदल चलकर पार करना पड़ता है। यहाँ उनके लिए जीवन बहुत कठिन है।

गांधी और पटेल ने दो स्थानों पर किराने की किटें वितरित की, जहाँ आदिवासी लोग इकट्ठे हुए थे। हम उनके अनुशासन को देखकर चकित रह गए - उन्होंने शारीरिक दूरी बनाए रखते हुए अपनी नाक और मुँह को कपड़े के मास्क के ढंके रखा था। उनकी कृतज्ञता और सहायता सराहनीय थी, गांधी कहते हैं। प्रत्येक बैग में 5 किलो आटा और चावल, 1 लीटर तेल, मसाले, 2 किलो आलू और प्याज, टमाटर और अन्य सब्जियाँ थी, जो चार लोगों के एक परिवार के लिए एक पखवाड़े तक चलने हेतु पर्याप्त था।

गाँव में लॉकडाउन में अब ढील दी गई है क्योंकि वहाँ पर कोई भी कोविड मामला नहीं है और आदिवासियों के लिए अब जीवन फिर से सामान्य हो गया है, क्लब अध्यक्ष मद्रासी कहते हैं।

गांधी ने इस दौरे का एक वीडियो यूट्यूब पर डाला था और मदद के लिए कॉल और ऑफ़र की बाढ़ आ गई। कुछ ही समय में उनके दोस्तों और रिश्तेदारों की मदद से उनके पास ₹1 लाख इकट्ठा हो गए थे। इन पैसों का इस्तेमाल सूरत में भूखे लोगों को खाना खिलाने के लिए किया जा रहा है, वह कहते हैं।

क्लब के 25 सदस्य अपने जीवनसाथियों के साथ, अभी भी बेघर और भूखे लोगों तक भोजन के पैकेट के साथ पहुँच रहे हैं और वे तब तक ऐसा करते रहेंगे जब तक लॉकडाउन नहीं हट जाता।

खाने के खेत के बारे में मद्रासी कहते हैं कि हम आवासीय सोसाइटियों के प्रत्येक घर से केवल पांच रोटी देने के लिए कहते हैं लेकिन हमें 10-20 रोटियाँ मिलती हैं। हमारे रोटरी हॉल में हमारी एक

रसोई है और सब्जी और दाल बनाने के लिए हमने एक रसोइये को रखा है। रोज़ाना करीब 3,000-3,500 खाने के पैकेट सफाईकर्मियों, सड़क पर रहने वालों और अन्य कम आय वाले परिवारों को वितरित किए जाते हैं। हम कुछ परिवारों को किराने की किटें भी वितरित करते हैं ताकि वे अपने स्वाद के हिसाब से खाना पका सकें, मद्रासी कहते हैं।

क्लब एक खाद्य और चिकित्सा हेल्पलाइन भी चलाता है और बुजुर्गों एवं बीमारों, जिनके पास मदद के लिए कोई नहीं है, से प्राप्त अनुरोध पर उन्हें दवाओं, किराने और सब्जियों की होम डिलीवरी देता है, वह कहते हैं। दो रोटेरियन डॉक्टर फोन पर परामर्श सेवाएँ प्रदान करते हैं और मरीजों के घर पर दवाइयाँ पहुँचाते हैं। हाल ही में, क्लब ने चश्मा सुधारने की सेवाएँ शुरू की हैं। हम टूटे/खराब चश्मे ले जाते हैं, और फिर उन्हें सुधरवाकर वापस लौटाते हैं, क्लब के पूर्व अध्यक्ष, एक पूर्व रोटरेक्टर और एक शौकीन बाइक चालक, गांधी कहते हैं। ■



एक आदिवासी महिला को रोटेरियन चिराग गांधी किराने का सामान और सब्जियाँ देते हुए। एक आदिवासी महिला को रोटेरियन चिराग गांधी किराने का सामान और सब्जियाँ देते हुए।

किटें वितरित की। इन तीन क्लबों ने उस क्षेत्र में वितरण किया है जो कच्चा धागा बनाने और हीरे चमकाने के लिए जाना जाता है जहाँ अपनी जीविकोपार्जन के लिए एक लाख से अधिक मजदूर काम करते थे मगर अब वे वहाँ पर फंस गए हैं।

रोटरी क्लब अंकलेश्वर ने अब तक पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों और आम जनता को 40,000 खाद्य पैकेट और 300 लीटर हैंड सैनीटाईज़र वितरित किए। क्लब ने अंकलेश्वर के पास के जिताली, वतारिया और दहेज़ गाँवों को भी डिसइन्फेक्ट किया। स्थानीय अधिकारियों की अनुमति से, क्लब का महिला सशक्तिकरण केंद्र चेहरे के मास्क बना रहा है ताकि मंडल भर में



रोटरी क्लब ऑफ वलसाड ने पुलिस को सुरक्षा किट वितरित किए।



एक्सचेंज स्टूडेंट हेलोइस चकरी बनती हुयी।

रोटरी क्लब सूरत एक खाद्य और चिकित्सा हेल्पलाइन भी चलाता है और बुजुर्गों एवं बीमारों, के लिए दवाई, किराने और सब्जियों की होम डिलीवरी देता है।

उसे वितरित किया जा सके। क्लब के सदस्य विपुल गजेरा ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में ₹ 10 लाख दान किए हैं।

रोटरी क्लब भरूच द्वारा 2,000 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को ₹ 10 लाख की लागत से सूखे राशन की किटें वितरित की गई। ठउउ भरूच फेमिना और भरूच नर्मदा नगरी RCC मंगरोल के समर्थन से लगातार क्षेत्र के गरीबों को खाद्य किटें वितरित कर रहे हैं। डोंडीआचा

और धुले के रोटरी क्लबों ने भी झुग्गियों में रहने वालों, ट्रक चालकों और स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों को सैनीटाईज़र और मास्क प्रदान किए।

रोटरेक्टरों ने गरीबों पर लॉकडाउन के प्रभाव को कम करने के लिए भी सहायता प्रदान की। RAC अमरेली स्थानीय संगठनों और पुलिस के सहयोग से एक भोजन की वैन चला रहा है। RAC वल्लभ विधाननगर, RAC चंडीगढ़, रोई मंडल 3080 के साथ एक ऑनलाइन कोविड-19 जागरूकता अभियान चला रहा है।

प्रतिबन्ध हमारे पैरों पर है, जेबों पर नहीं, डीजी अनीश शाह कहते हैं जो निरंतर मेरे मार्गदर्शक बल PRIP बेनर्जी के संपर्क में हैं जिन्होंने ना केवल मेरे मंडलों के रोटेरियनों बल्कि देश के सभी क्लबों से रोटरी के नाम पर जितना हो सके उतना देने का आग्रह किया है। ■

महामारी से लड़ने के लिए केरल के रोटेरियन अस्पताल उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं

रशीदा भगत

यदि आगामी और मनोनीत मंडल अध्यक्ष पेशे से डॉक्टर हों तो उजतखऊ-19 जैसी महामारी का सामना कर रही दुनिया के लिए ये निश्चित रूप से एक वरदान है।

महामारी के दौरान देश बंद होने के तुरंत बाद, 27 मार्च को ही, रो इ मंडल 3202 के डीजी एवीपी

कार्तिकेयन ने शीघ्रतापूर्वक एक टास्कफोर्स का गठन किया कि इस मंडल के रोटेरियन कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में किस प्रकार मदद कर सकते हैं।

अगले ही दिन एक बैठक बुलाई गई और कालीकट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज को पीपीई किट(व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) देने के साथ पुलिस

कर्मियों को मास्क, दस्ताने और सैनिटाइजर देने, कोरोना नियंत्रण कार्यों में काम करने वाले सरकारी सेवकों को पानी पहुंचाने और एक अस्पताल में मेडिकल उपकरण देने का निर्णय किया गया।

मनोनीत डीजी डॉ राजेश सुभाष ने कालीकट मेडिकल कॉलेज में संक्रामक-रोग के लिए एक

कालीकट मेडिकल कॉलेज में DGN डॉ राजेश सुभाष (दाएं से दूसरे)।





केरल के मत्स्य राज्य मंत्री जे मर्सीकुट्टी अम्मा ने अब्दुल नज़र, कोल्लम के जिला कलेक्टर को (दायें से) पीडीजी जॉन डैनियल, सार्वजनिक छवि अध्यक्ष आर विजयकुमार, मीरा डैनियल, डीजी शिरीष केसवन, कोल्लम शहर के पुलिस प्रमुख टी नारायणन और डीएसजी एलेक्स थॉमस की उपस्थिति में पैकेट सौंपकर खाद्य पैकेट वितरण का उद्घाटन किया।

आईसीयू बनाने का सुझाव दिया जिसे तुरंत स्वीकार कर लिया गया। रोटेरियनों का एक समूह 30 मार्च को कॉलेज पहुंचा; 9 अप्रैल को कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ राजेंद्रन से रोटरी आईसीयू की स्थापना के लिए स्वीकृति मिली। हमारे क्लब के परोपकारी रो बालकृष्णन मरार ने ₹ 5.5 लाख रुपये का दान दिया और 15 अप्रैल तक, कोविड जैसे संक्रामक रोगों के लिए, 10 आईसीयू बेड, चार वेंटिलेटर और 50 अन्य चिकित्सकीय उपकरणों के साथ रोटरी आईसीयू तैयार था जिसमें 10 मल्टीपरपज़ मॉनिटर, पांच इन्फ्यूजन पंप, 5 सिरिंज पंप और एक डीफ़िब्रिलेटर भी शामिल हैं, डॉ सुभाष ने कहा।।

वेंटिलेटर व 65 अन्य उपकरण शीघ्र ही रिकॉर्ड समय में पहुँच गए थे और इस काम के लिए मंडल 3202 में कालीकट के सभी रोटरी क्लब आगे आए और सामूहिक रूप से एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई थी।

संयोग से, कालीकट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बिस्तर की संख्या के लिहाज से भारत में सबसे बड़ा है; इसमें 3,000 से अधिक बेड हैं। रोटरी आईसीयू का औपचारिक उद्घाटन किसी अन्य सुविधाजनक

तिथि पर करने के निर्णय के साथ ही, कोरोना महामारी से निपटने की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए, 20 अप्रैल को स्थानीय विधायक प्रदीप द्वारा इस आईसीयू का लोकार्पण कर दिया गया था।

भारत के अन्य राज्यों की अपेक्षा, राज्य सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया के लिए न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में केरल को सराहा जा रहा है, इस ने सिविल सोसाइटी की मदद से (जिसका राज्य के

रोटेरियन एक अभिन्न अंग हैं) कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने में सहायता की है।

रो इ मंडल 3211 द्वारा आईसीयू वेंटिलेटर

रो इ मंडल 3211 ने कोरोना महामारी से निपटने देने के लिए अपने डीजी शिरीष केशवन और डीजी निर्वाचित डॉ थॉमस ववनीकुचेल के नेतृत्व में तुरंत कार्रवाई की, इस मंडल के रोटेरियन केरल के दक्षिणी जिलों के चार मेडिकल कॉलेजों को आईसीयू वेंटिलेटर उपलब्ध करवाने जा रहे हैं। इस परियोजना की लागत ₹ 1.05 करोड़ है। हम इस परियोजना को युद्धस्तर पर लागू करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि वेंटिलेटर आज की आवश्यकता है और इस महामारी कोविड -19 को पीछे छोड़ने के बाद भी वेंटिलेटर की ज़रूरत बनी रहेगी। वेंटिलेटरों के रख-रखाव की जिम्मेदारी मेडिकल कॉलेजों की होगी, डीजी केसवन ने जानकारी दी, उन्होंने अपने मंडल के सभी रोटेरियनों से अपील की कि वे टीआरएफ के लिए उदारतापूर्वक दान करें। जिसके सहयोग से यह मंडल दुनिया भर में रोटेरियन द्वारा किए जा रहे कोरोना राहत कार्य में मदद करने के लिए फाउंडेशन

वेंटिलेटर व 65 अन्य उपकरण

शीघ्र ही रिकॉर्ड समय में पहुँच

गए थे और इस काम के लिए

मंडल 3202 में कालीकट के

सभी रोटरी क्लब आगे आए और

सामूहिक रूप से एक करोड़ रुपये

से अधिक की राशि जुटाई थी।



डीजी शिरीष केसवन, पीडीजी जॉन डैनियल और पीडीजी सुरेश मैथ्यू, केरल के स्वास्थ्य मंत्री के के शैलजा के साथ। मंडल महासचिव एलेक्स थॉमस, अतिरिक्त डीएसजी विनोद गंगाधरन और पीआर कमेटी के अध्यक्ष एल जजेश नारायणन भी चित्र में शामिल हैं।

द्वारा हाल ही में प्रस्तावित वैश्विक अनुदान का अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

मंडल 3211 में केरल के पाँच दक्षिणी राजस्व जिलों - त्रिवेंद्रम, किलोन, अल्लेपी, कोट्टयम और पठानमथिद्धा में फैले 143 क्लबों के 4,600 रोटैरियन ने भी कोविड-19 से संबंधित अन्य राहत कार्यों के लिए त्वरित कार्रवाई की।

मंडल 300,000 डॉलर की एक ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट करने जा रहा है जिसके अंतर्गत कोल्लम, त्रिवेंद्रम, अल्लेपी और पठानमथिद्धा के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आईसीयू वेंटिलेटर प्रदान करवाए जाएंगे।

डीजी केसवन ने कहा कि केरल सरकार द्वारा कोविड -19 हॉटस्पॉट के रूप में घोषित केरल के आठ जिलों में पठानमथिद्धा और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं, मंडल 3211 के रोटैरियनों ने पाँच राजस्व जिलों में करोड़ों रुपये के मास्क, हैंड सैनिटाइजर, दस्ताने, पीपीई, खाद्यान्न, सब्जियाँ, परचून, तैयार भोजन, और पेयजल उपलब्ध करवाए।

चूंकि वेंटिलेटरों की भारी कमी है, हमारी स्वास्थ्य मंत्री के के शैलजा के एक विशिष्ट अनुरोध पर, हमारा मंडल 300,000 डॉलर की एक ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट करने जा रहा है जिसके अंतर्गत कोल्लम, त्रिवेंद्रम, अल्लेपी के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में और पठानमथिद्धा में सरकारी अस्पताल को आईसीयू वेंटिलेटर प्रदान करवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि टीआरएफ द्वारा पहले से अनुमोदित 70,250 डॉलर की एक अन्य ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत भारतीय साझेदार रोटरी क्लब ऑफ पाला, कोट्टयम सदर्न और कोट्टयम सेंट्रल अंतरराष्ट्रीय भागीदार रो क्लब श्वेतजिनन- कुएपफाज़ के साथ मिल कर सरकारी मेडिकल कॉलेज को पांच आईसीयू वेंटिलेटर प्रदान करेंगे।

इस में -ठूक्कड और झक्कड जॉन डैनियल और मीरा द्वारा ₹12 लाख की शानदार सेवा भी सम्मिलित करें जो उनके परिवार द्वारा संचालित वाई डैनियल फाउंडेशन द्वारा दी गई है, ये रोटरी क्लब ऑफ किलोन लोटस के आरसीसी हैं। 25 मार्च से शुरू हुए 21-दिवसीय लॉकडाउन में उन्होंने कोविड-19 ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों, कोल्लम शहर में अनाथालयों और सड़कों पर निराश्रितों को प्रतिदिन 650 भोजन पैकेट उपलब्ध करवाए, और कोविड-19 ड्यूटी की देखभाल पर तैनात पुलिस और स्वास्थ्य कर्मियों को हाथों के लिए सैनिटाइजर, एन 90 और 3-परत के मास्क की आपूर्ति की, केसवन ने कहा।

नए कोरोना वायरस के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को आज्ञाकारी बनाने के मामले में, रोटैरियन सबसे आगे रहे हैं। जूम मीटिंग के अलावा, क्लबों ने एकांत वास, घर पर ही रहने, मास्क और दस्ताने व सैनिटाइजर के उपयोग और महामारी के खिलाफ सुरक्षा के अन्य उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने वाले पर्चे भी वितरित किए हैं। ■

दिसंबर 2020 तक रो ई बोर्ड बैठकें होंगी आभासी; निःशुल्क आभासी रो ई सम्मेलन

2019-20 के रोई निदेशक मंडल ने मार्च के मध्य और अप्रैल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की एवं 10 समिति रिपोर्टों की समीक्षा की और 36 निर्णय दर्ज किए।

बोर्ड ने कोविड-19 के प्रकोप के दौरान रोटेरियनों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई और मंडलों को सभा आयोजित करने के लिए स्थानीय सरकार की सिफारिशों का पालन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

मंडल, 30 जून 2020 से पूर्व, रोई के किसी भी तरह के खर्च के बिना, PETS और मंडल प्रशिक्षण सभा सहित उनके प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन ऑनलाइन कर सकते हैं, यदि उन स्थानों पर सरकारी प्रतिबंध हो या मंडल नेतृत्वकर्ताओं को ऐसा करना

उचित लगता हो। इन बैठकों को रोटरी की रणनीतिक योजना, भूमिका और प्रतिभागियों की जिम्मेदारी एवं इस वर्ष के लक्ष्यों को कवर करते हुए 1 घंटे के तीन कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किया जाना चाहिए।

मंडल उनके मंडल सम्मेलनों को रोई पर कोई खर्च आए बिना 30 जून 2020 तक स्थगित कर सकते हैं, या सरकार या मंडल नेतृत्वकर्ताओं की सिफारिशों का पालन करते हुए रद्द कर सकते हैं।

होनोलूलू में रोई सम्मेलन के रद्द होने के बाद, मंडल ने पंजीकरण-कर्ताओं को पंजीकरण शुल्क एवं रोई के टिकट वाले कार्यक्रमों के शुल्कों की वापसी को स्वीकृति दे दी है। 20 से 26 जून तक एक मुफ्त आभासी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

महामारी की वजह से बैठक में उपस्थित होने में असहज महसूस करने वाले किसी भी रोटेरियन के लिए वैयक्तिक बैठक में शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा।

वर्ष 2020 के शेष भाग के लिए रोई मंडल एवं समिति की सभी बैठकें आभासी तौर पर आयोजित की जाएगी। 2021 की अंतरराष्ट्रीय सभा में यदि 40 प्रतिशत से अधिक DGE व्यक्तिगत रूप से शामिल होने में असमर्थ होंगे तो इसे आभासी कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा।

वर्ष 2020 के लिए जोन इंस्टिट्यूटों, क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ता प्रशिक्षण संगोष्ठियाँ, गवर्नर के आधिकारिक दौरें एवं ऐसे अन्य सभी कार्यक्रम

आभासी तौर पर करने के लिए प्रोत्साहित किए जाते हैं। रोटरी इंस्टिट्यूट के समन्वयकों को यह तय करने का अधिकार है कि वे ऐसी बैठकों का आयोजन वैयक्तिक रूप से करें या आभासी रूप से। जब तक कि विशेष रूप से महासचिव द्वारा अधिकृत नहीं किया जाता, तब तक कोई भी रोटरी कर्मचारी किसी भी संस्थान या प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल नहीं होगा।

जब तक कि विशेष रूप से रोई अध्यक्ष द्वारा अधिकृत नहीं किया जाता, तब तक निदेशकों का उनके जोन या क्षेत्र से बाहर आयोजित होने वाले इंस्टिट्यूट में सम्मिलित होने का निधीयन नहीं किया जाएगा। रोटरी वर्ष 2020-21 में मंडल सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले रोई अध्यक्ष के प्रतिनिधियों का किसी भी प्रकार का खर्च रोई नहीं उठाएगा। यदि कोई मंडल RIPR का अनुरोध करता है, तो रोई अध्यक्ष रोई पर किसी तरह का खर्च लगाए बिना RIPR की नियुक्ति कर सकते हैं।

रोई मंडल ने असाधारण रोटरेक्टरों को सर्विस अबव सेल्फ अवार्ड, और एवेन्यू ऑफ सर्विस अवार्ड से सम्मानित करने की नीति में संशोधन किए हैं, और रोटरेक्ट क्लबों को सिग्निफिकेंट सर्विस अवार्ड प्राप्त करने के लिए पात्र बनाया है।

बोर्ड रोटरी ग्लोबल रिवॉर्ज कार्यक्रम को 1 जुलाई, 2021 तक के लिए समाप्त करने हेतु सहमत हुई। ■

**महामारी की वजह से बैठक में
उपस्थित होने में असहज महसूस
करने वाले किसी भी रोटेरियन के
लिए वैयक्तिक बैठक में शामिल
होना अनिवार्य नहीं होगा।**

कर्नाटक के रोटेरियन मदद करने आए

जयश्री

कोरोना महामारी लॉकडाउन में, रो ई मंडल 3190 के रोटेरी क्लब ने विभिन्न तरीकों से कर्नाटक के लोगों को सहायता पहुँचाने की चुनौती को स्वीकार किया। 4 मई तक, जिले ने दान स्वरूप ₹1.1 करोड़ जुटाए और ₹6.7 लाख भोजन में, ₹15 लाख अनाज में, ₹35 लाख के मेडिकल उपकरणों में और ₹1.3 लाख मेडिकल सामग्रियों हेतु वितरित किए। रोटेरी क्लबों की गतिविधियों के विडियो कैप्सूल पूरे जिले में प्रसारित किए गए थे।

रोटेरी क्लब बैंगलोर वेस्ट के सदस्यों ने गोल्डमैन सैच के साथ मराठाहल्ली, वरथुर मडीवाला इलाकों में फंसे हुए 15,000 प्रवासी असहाय परिवारों को किराना-किट प्रदान की। हमने ₹1.06 करोड़ मूल्य का 225 टन अनाज 10 दिनों में वितरित किया। फफू -क्लब के सदस्य पीडीजी राजेन्द्र राय ने कहा। हर

बैग में 10 किलो चावल, दाल, खाना बनाने का तेल, मसाले, गेहूं का आटा और अन्य जरूरी चीजें थीं। क्लब ने रोटेरी क्लब बैंगलोर के लोगों के साथ, असहाय लोगों की मदद करने के लिए, मुफ्त स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रंगाडोर मेमोरियल अस्पताल को ₹11 लाख मूल्य के कोरोनावायरस के 1000 परीक्षण-किट प्रदान किए जिसके लिए दूसरी जगह ₹4,500 खर्च करने पड़ते हैं।

कोरोनावायरस संक्रमण के प्रति जागरूकता फैलाने और इसके प्रति सावधानियों का पालन करने के महत्व हेतु मुफ्त परीक्षण सुविधाओं की उपलब्धता का विवरण प्रदान करते हुए लगभग 10,000 पर्चे बांटे गए।

रोटेरी क्लब इंदिरानगर ने ₹6.5 लाख की 70,000 किराना-किट को वितरित करने के लिए

एक्सएलआरआई ग्रुप और ग्लोबल एसएमई हब के साथ भागीदारी की और डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ को पीपीई किट और अधिक राशन-किट प्रदान करने के लिए छह क्राउड फंडिंग अभियानों की शुरुआत की। क्लब ने प्रधानमंत्री केयर फंड में ₹20 लाख का योगदान दिया एवं इनके एक सदस्य श्री घनश्याम अग्रवाल ने ₹15 लाख दान में दिए। क्लब के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि -मार्च महीने में जब महामारी अपने चरम शिखर पर थी तब वह टीआरएफ को ₹1.04 करोड़ देकर एकेएस के मेंबर बन गए। फफू क्लब ने एक डायग्नोस्टिक सेंटर को ₹17 लाख के परीक्षण उपकरण प्रदान करने के लिए चार अन्य क्लबों के साथ भागीदारी की।

बैंगलोर रोटेरी क्लब के रोटेरियन श्री मान्यता ने कोलार में किसानों से कई टन सब्जियों को खरीद

रोटेरियन हर्षा एम वी, रो ई मंडल 3190 के एल टी गवर्नर वी जी किरण कुमार (दायें से दूसरे) की उपस्थिति में पुलिस आयुक्त भास्कर राव को ड्रोन का प्रदर्शन देते हुए।



कर लोगों में वितरित की। यह दोनों ही पार्टियों के लिए फायदे का सौदा है। पहले कुछ किसान अपनी उपज को फेंक रहे थे क्योंकि कोई भी परिवहन का साधन उपलब्ध नहीं था। जल्दी ही रोटेरियन उनके पास पहुँचे- रोटरी क्लब बैंगलोर कल्याण के मेंबर यवोन जॉन ने बताया।

इसी क्लब की एक सदस्या हर्षा एम वी जो कि शहर की पुलिस कमिश्नर भास्कर राव और एडीजीपी पी.एस. संधू के साथ मिलकर कोविड-19 के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ड्रोन का संचालन कर रही हैं और उन लोगों की निगरानी कर रही हैं जो लोग बाजार स्थलों एवं नियंत्रण-क्षेत्रों में लॉकडाउन की अवहेलना कर रहे हैं।

विद्यानारायणपुरा के क्लब, विधापीठ, ई-क्लब बेंगलुरु ग्रीन सिटी, कोलार और बैंगलोर स्टेशन ने अपने इलाकों में भोजन के पैकेट एवं किराना-किट का वितरण किया। रोटरी क्लब चिमन्य हिल ने सफाई कर्मचारियों को मास्क वितरित किए और कोविड-19 में ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों नाश्ता वितरण किया। पामविले रोटरी बैंगलोर ने विक्टोरिया अस्पताल को 100 पीपीई किट दान किए। रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्केड्स ने सरकारी अस्पतालों को 10 टेस्टिंग कियोस्क, 1000 पीपीई और 2,000 मास्क प्रदान किए और इसके अतिरिक्त दो अन्य संगठनों के साथ भागीदारी कर ₹1.5 करोड़ एकत्र किए।

चूँकि रोटरी क्लब बैंगलोर द्वारा प्रायोजित रोटरी बैंगलोर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मिड-डे मील अचानक ही रोक दिया गया था इसलिए बैंगलोर रोटरी क्लब के सदस्यों ने इस कमी को पूरा करने के लिए लॉकडाउन अवधि तक गुजरबसर करने के

पहले कुछ किसान अपनी उपज को

फेंक रहे थे क्योंकि कोई भी परिवहन

का साधन उपलब्ध नहीं था। जल्दी ही

रोटेरियन उनके पास पहुँचे

यवोन जॉन

anQar Šb~ ~Jbna Hšē¶U



एक लाभार्थी रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट द्वारा दिए गए राशन किट के साथ।

लिए उनके परिवारों को राशन-किट प्रदान किए। इसी तरह की सेवा होम ऑफ होप, एक वृद्धाश्रम और एक अनाथालय को शहर में प्रदान की गई। क्लब ने जानवरों के लिए भी भोजन की व्यवस्था की। एक एम्बुलेंस जिसे क्लब ने सीयूपीए को दान में दिया था, एक एनिमल शेल्टर, जिसका उपयोग करके आवारा जानवरों को खिलाने के लिए स्वयंसेवकों के साथ आवासीय क्षेत्रों में जाने हेतु किया गया।

रोटरी क्लब बैंगलोर ईस्ट के सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ क्लब के सामुदायिक किचन में लंच और डिनर बनाया और इसे दो लाख लोगों में बांटा। क्लब के अध्यक्ष एम स्टीफन पॉल ने कहा कि भूतपूर्व सदस्यों, जिन्होंने क्लब छोड़ भी दिया था उन्होंने ने भी इसमें उदारतापूर्वक योगदान दिया। रोटरी बैंगलोर

साउथ ईस्ट के रोटेरियन, डॉक्टरों एवं पैरामेडिक्स के सहयोग से 500 घरों में एक डोर-टू-डोर परीक्षण हेतु स्वयंसेवा दे रहे हैं।

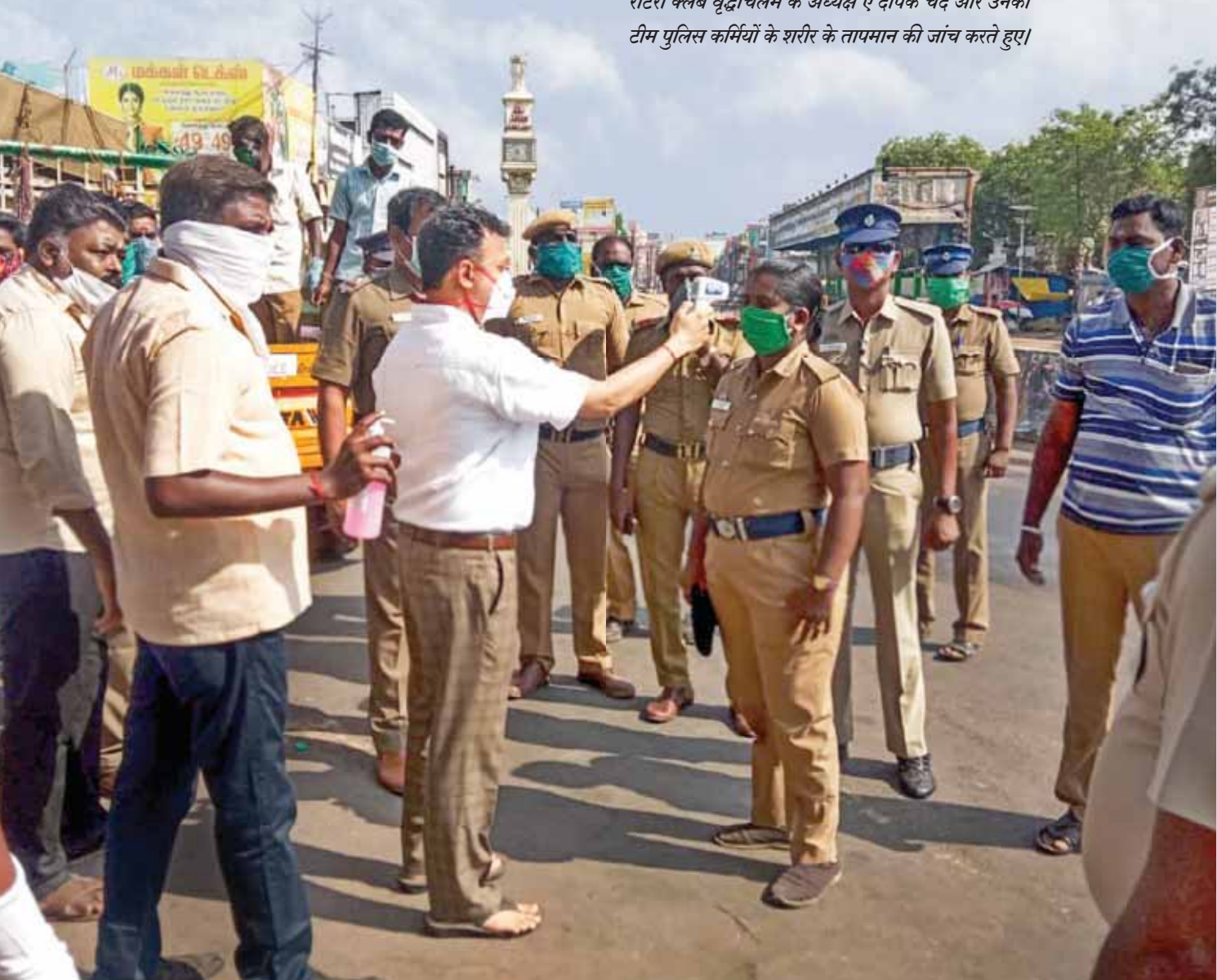
डीजी समीर हरियाणी ने 33 सदस्यों के लिए एक वर्चुअल चार्टर सेरेमनी को आयोजित किया - रोटरी क्लब बैंगलोर सोशल और उन्होंने बताया कि उनके चार्टर सर्टिफिकेट्स को ईमेल द्वारा भेजा। दो और वर्चुअल चार्टर होने वाले हैं।

जिले के 130 रोटरी क्लबों में करीब 5,200 सदस्य हैं और उन्होंने कहा हर क्लब वृद्ध, बीमार और गरीब लोगों को राहत प्रदान करने में उल्लेखनीय परियोजनाओं को संपन्न कर रहा है। सदस्य तुरंत ही लोगों की जरूरतों को समझ लेते हैं और तुरंत ही समाधान करते हैं। ■

तमिलनाडु में कोविड-19 राहत प्रयासों को मिली गति

वी मुत्तुकुमारण

रोटरी क्लब वृद्धाचलम के अध्यक्ष ए दीपक चंद और उनकी
टीम पुलिस कर्मियों के शरीर के तापमान की जांच करते हुए।



आंतरिक तमिलनाडू में, मंडल गवर्नर आंचलिक बैठकें आयोजित कर रहे हैं और उनके सहायक गवर्नरों के साथ समन्वय कर रहे हैं जिन्हें उनके क्लब स्तर पर कोविड-19 राहत प्रयासों की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। डीजी एन मणिमरन, रो ई मंडल 2981, ने 19 ज़ोनों के सभी 114 क्लबों को निर्देश दिए कि वे युद्ध स्तर पर डॉक्टरों, पराचिकित्सकों, स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को एन-95 और बुनियादी मास्क वितरित करें। अब तक, हमने डॉक्टरों, नर्सों और सरकारी अस्पतालों के अन्य कर्मचारियों को 10,000 एन-95 मास्क और सड़क किनारे के विक्रेताओं और सब्जी विक्रेताओं सहित आम लोगों को 50,000 बुनियादी मास्क वितरित किए हैं, मणिमरन कहते हैं।

मेहतारों, स्थानीय बाजारों के विक्रेताओं, स्वास्थ्य स्वयंसेवकों और सफाई कर्मचारियों को 10,000 से अधिक हैंड सैनीटाइज़र प्रदान किए गए। रोटेरियन मंडल में इन स्वच्छता उत्पादों को खरीदकर वितरित करने के लिए धन एकत्रित कर रहे हैं। एक बड़े पैमाने पर, नगर निकायों के पुलिसकर्मियों, गरीबों, दैनिक मजदूरों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और सफाई कर्मियों को खाने के पैकेट

वितरित किए गए और यह लॉकडाउन के खत्म होने तक जारी रहेगा, वह कहते हैं।

घर बैठे किराना

पूरे तमिलनाडू के रोटेरियनों ने निवासियों को राशन की दुकान से उनके घर तक सब्जी और अनाज प्रदान करने के लिए स्वयंसेवक समूहों के साथ हाथ मिलाया। रोई मंडल 2981 ने 15 वेंटिलेटर खरीदने के लिए एक वैश्विक अनुदान हेतु आवेदन दिया है और एक बार जब हमें यह मिल जाएँगे तो इन्हें ज़िला अस्पतालों को सौंपा जाएगा। रोटेरी क्लब मन्नारगुडी, रो ई मंडल 2981, ने उत्तर भारत के 15 लोहार परिवारों को एक मैरिज हॉल में ठहराया और उन्हें दिन में तीन बार निःशुल्क भोजन दिया जाता है, डीजीई बालाजी बाबू कहते हैं। धारा 144 के लागू होने के साथ ही, उनके पास अपना लोहारी का कार्य छोड़ने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था और अब वे क्लब द्वारा प्रदान किए जाने वाले भोजन पर आश्रित हैं।

राजस्थान के छप्पन कलाकार, जिनमें महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं जो प्लास्टर ऑफ़ पेरिस से देवी-देवताओं और अन्य प्राचीन कलाकृतियों की प्रतिमाओं और मूर्तियों का निर्माण कर रहे थे, उन्हें

बंद के बाद सड़क किनारे से बेदखल कर दिया गया। उन्हें अब एक मंदिर में शरण दी जा रही है और रोटेरी क्लब वृद्धाचलम द्वारा भोजन दिया जा रहा है, बाबू कहते हैं।

सलेम के सभी 20 क्लब कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग लड़ने के लिए एक साथ आए, रोई मंडल 2982 के डीजी ए. के. नटेशन कहते हैं। वे सरकारी अस्पताल के 400 से अधिक मरीजों को निःशुल्क भोजन प्रदान करते हैं, लोगों को घरों में चेहरे के मास्क वितरित करते हैं और इस वायरस से संक्रमित संदिग्धों का एक डाटाबेस तैयार कर रहे हैं और यह संकलित सूचना सरकार को सौंप दी जाएगी, डीजी कहते हैं।

डॉ. रंगराजन कुमारमंगलम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएच, सलेम) के डीन डॉ. धनपाल के अनुरोध के बाद, रोटेरी डीडीएफ से 7 लाख की कीमत की एक इलेक्ट्रिक बैटरी से संचालित एम्बुलेंस दान करेगी।

रोई मंडल 2982 डॉक्टरों, पराचिकित्सकों को 500 एन-95 मास्क, और सफाई कर्मचारियों, स्वास्थ्य स्वयंसेवकों, विक्रेताओं, और अन्य लोगों को 10,000 त्रिस्तरीय मास्क प्रदान करने के अलावा, राजस्व मंडलों के सात सरकारी



डीजी ए ज़मीर पाशा, पीडीजी शामुगसुंदरम (बाएं से दूसरे), मंडल सचिव डी थिरुनावुक्कारसु (दाएं से तीसरे), सरकारी राजाजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डीन जे संगनानी को पीपीई किट देते हुए।

रोटरी क्लब पांडिचेरी कॉसमॉस आदिवासी, प्रवासी मज़दूरों की भूख से लड़ने में मदद करता है

किरण ज़ेहरा

25 मार्च से लॉकडाउन लागू किए जाने के तुरंत बाद, रोटरी क्लब पांडिचेरी कॉसमॉस, रोई मंडल 2982, ने शिविरों में रहने वाले विस्थापित लोगों, सुविधाओं से वंचित पृष्ठभूमियों की गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं, उपेक्षित वृद्धजनों एवं विकलांग व्यक्तियों को खोजने की शुरुआत कर दी थी। कमजोर एवं अल्पपेक्षित समुदायों को कोरोनावायरस होने का खतरा और भी अधिक है, क्लब अध्यक्ष ए सेंथिल कहते हैं।

रोटेरियनों ने स्वच्छता कर्मचारियों और गश्त लगाने वाले पुलिस कर्मचारियों एवं वितरण केंद्रों पर खाने के पैकेट लेने के लिए आने वाले लोगों को चेहरे के मास्क एवं सैनिटाइजर वितरित किए।

जब कुछ रोटेरियनों की नज़र खाने के पैकेट लेने के लिए कतार में खड़े नारीकुरावा (दक्षिण भारत की एक जनजाति जो पर्यटकों को मनके के आभूषण बेचकर जीवनयापन करती है) के एक आदमी पर पड़ी, तो उन्होंने उसके समुदाय के अन्य लोगों के ठिकाने के बारे में पूछा। हम यह जानकार स्तंभित रह गए कि वह खाने के उन दो पैकेटों को उसके परिवार के 12 लोगों के साथ साझा करने वाला था। तुरंत प्रबंध किए गए और क्लब



एउठ पांडिचेरी हाइवे के नजदीक रहने वाले आदिवासी समुदाय को लगातार खाने के पैकेट प्रदान कर रहा है। आदिवासी बच्चे खाने के पैकेट लाने वाले एक स्वयंसेवक अशोक को अब मास्क अंकल के रूप में पहचानते हैं।

क्लब मैनेजर शिवकुमार के निवास पर सामुदायिक रसोईघर की स्थापना की गई। हमने राजीव गांधी गवर्नमेंट वुमन एंड चिल्ड्रन हॉस्पिटल में फंसे लगभग 150 लोगों को हमारे क्लब के सदस्यों द्वारा घर पर बनाया गया भोजन प्रदान किया। उनमें से बहुत से लोग पड़ोसी जिलों के हैं और ट्रेन एवं बसों के बंद हो जाने के कारण घर वापस नहीं जा सके।

सेंथिल की इच्छा है कि क्लब प्रवासी मजदूरों को मास्क एवं खाने के पैकेट देने से अधिक कुछ कर सके। उनमें से बहुत से लोग उनके निवास का प्रबंध ना हो पाने के कारण पैदल घर लौटने की योजना बना रहे हैं। इससे उनकी ज़िंदगियाँ बहुत बड़े खतरे में हैं।

क्लब ने लॉकडाउन के खत्म होने तक सफाई कर्मचारियों को नाश्ता एवं मास्क वितरित करने की योजना बनाई है। अन्य रोटरी एवं रोटरेक्ट क्लब भी इस पहल में शामिल हुए हैं। रोटरी क्लब पांडिचेरी मिडटाउन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में ₹1 लाख दान किए।

अस्पतालों को पीपीई किटों (कोविड-19 के खिलाफ सुरक्षात्मक सूट) की 1,000 इकाइयाँ प्रदान करेगा। रोटरी क्लब कोमारपलायम ने नगरपालिका अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को 1,000 मास्क दान किए। कोरोना रोगियों के आइसोलेशन वार्डों में इस तरह की इकाइयों के लिए

राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुरोध करने के बाद हम 10 वेंटीलेटर प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, डॉ. नटेसन कहते हैं। वे मॉल, बस टर्मिनसों, रेलवे स्टेशनों, सब्जी मंडियों और अन्य भीड़ वाली जगहों पर भी इस वायरस के खिलाफ एहतियाती कदम के तौर पर हाथों की

धुलाई के कम से कम 200 सैनिटाइजिंग स्टेशनों को स्थापित करेंगे।

12 ज़ोनों के 68 क्लबों में, परिस्थिति का जायजा लेने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नियमित ज़ोनल बैठकें आयोजित करके कोरोनावायरस के खिलाफ इस मंडल राहत कार्य



रोटरी क्लब वृद्धाचलम के अध्यक्ष दीपक चंद और (उनके बाएं) सचिव पी मणिगण्डान एक मंदिर में समायोजित राजस्थानी प्रवासियों को भोजन के पैकेट वितरित करते हुए।

की निगरानी की जा रही है। इस महामारी के खिलाफ राहत कार्यों को सक्रिय करने के लिए मैं मेरे -ब्रदरों के साथ पहले ही तीन वीडियो कॉन्फ्रेंस कर चुका हूँ और अभियानों एवं राहत वितरण सहित अधिक कदम उठाए जाएंगे, डॉ. नटेशन कहते हैं। होसुर में क्लब बंद हो चुकी फैक्ट्रीयों के कुछ प्रवासी कर्मचारियों को चेहरे के मास्क, हैंड सैनीटाईज़र और दैनिक भोजन प्रदान कर रहा है जो क्लब मालिकों की अनुमति के बाद परिवार सहित फैक्ट्री परिसर में ठहरे हुए हैं, उन्होंने आगे कहा।

**झुगियों और प्रवासी
कॉलोनियों में खाने के पैकेट
वितरित करने के लिए 100
से अधिक रोटेरियन फील्ड
पर कार्य रहे हैं।**

डीजी डॉ ए ज़मीर पाशा, रो ई मंडल 3000, ने क्लबों और रोटेरियनों को इस लॉकडाउन की बुरी मार झेल रहे प्रवासी कर्मचारियों को खाने के पैकेट प्रदान करने के निर्देश दिए। झुगियों और प्रवासी कॉलोनियों में खाने के पैकेट वितरित करने के लिए 100 से अधिक रोटेरियन फील्ड पर कार्य रहे हैं। उनके काम की निगरानी 28 -ब्रदरों द्वारा की जा रही है जो सात क्षेत्रीय समन्वयकों को ऐसी गतिविधियों की रिपोर्ट करते हैं। औसतन, हम आठ राजस्व मंडलों में खाने के 2,500 पैकेट वितरित करते हैं, मंडल महा सचिव डी. थिरुनवुक्कारासु कहते हैं।

पीपीई किटें, सैनीटाईज़र और मास्क
मंडल के क्लब क्षेत्र के प्रत्येक आठ सरकारी अस्पतालों को 10 पांच लीटर सैनीटाईज़र कैन और चेहरे के 5,000 मास्क वितरित कर रहे हैं। हम त्रिची और मदुरई के 10 आइसोलेशन वार्डों को 500 पीपीई सुरक्षात्मक सूट भी प्रदान कर रहे हैं, डीजी पाशा कहते हैं। दोनों मंडल महासचिव और कार्यकारी सचिव जसप्रीत सिंह सोनू दैनिक आधार पर मंडल क्लबों द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों की सूचना डीजी पाशा को देते हैं।

इसके अलावा, डीजी पाशा ने टीआरएफ से रोटरी डिजास्टर रिसपांस ग्रांट के अंतर्गत 25,000 डॉलर के एक वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन दिया है और एक बार इस राशी के मंजूर होने के बाद, हम 25 वेंटीलेटर और अधिक पीपीई किटें खरीदेंगे जिसकी इस क्षेत्र में बहुत मांग है, डॉ. पाशा कहते हैं।

ऑडियो सन्देश

डीजी पाशा ने अपना रिकॉर्ड किया हुआ ऑडियो सन्देश भेजा है जिसे नगरपालिकाओं और पंचायतों द्वारा कचरा साफ करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मिनी ट्रकों पर फिट किए गए सार्वजनिक संबोधन प्रणाली द्वारा प्रसारित किया जा रहा है। क्लबों को 150 पेन ड्राइवों के माध्यम से कोरोनावायरस विरोधी ऑडियो क्लिप प्रदान किए गए हैं, जो लोगों को सुरक्षित रखने के लिए आइसोलेशन, सामाजिक अलगाव को बनाए रखने और सरकार के अन्य निर्देशों का पालन करने पर केन्द्रित हैं, डीजी कहते हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी क्लब प्रवासी परिवारों को खाना खिलाते हैं, उनका मनोबल बढ़ाते हैं

किरण जेहरा

6 महीने के अपने बच्चे को गोद में लिए हुए दिल्ली से मथुरा के पास अपने गांव की ओर जाती हुई एक महिला मजदूर की दुर्दशा से व्यथित होकर, रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कार, रो ई मंडल 3011, के अध्यक्ष रजीत गुप्ता, और उनके दल ने लॉकडाउन के दौरान रास्ते में प्रवासी मजदूरों को खाना खिलाने के लिए एक सामुदायिक रसोई की स्थापना की। खाने को स्वास्थ्यकर ढंग से पकाने एवं पैक करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियाँ बरती गई। इस सुविधा को स्थापित करने में लगभग ₹7 लाख का खर्च आया। इसके अलावा, क्लब के सदस्यों ने उनकी कारों में खाने एवं पानी के पैकेट भरकर प्रवासी मजदूरों में वितरित किए, गुप्ता ने कहा।

उनके साथ कुछ अन्य रोटेरियनों ने ब्रेड के 800 पैकेट खरीदने के लिए आगरा तक की यात्रा की और उन्हें प्रवासी परिवारों में वितरित किया। 4 दिनों तक भोजन के पैकेट एवं ब्रेड वितरण का कार्य जारी रखा गया जब तक कि सभी प्रवासी मजदूर फरीदाबाद के बाहर ना चले गए।

भोजन प्राप्त करते हुए, एक आभारी लाभार्थी ने कहा: मरना है तो घर पर जाकर मरेंगे, रोने वाले तो होंगे। क्लब अब लॉकडाउन ड्यूटी पर



रोटरी क्लब जबलपुर साउथ के रोटेरियन, रो ई मंडल 3261 ने घर-घर जाकर गरीबों को भोजन प्रदान किया।

क्लब के सदस्यों ने उनकी कारों में खाने एवं पानी के पैकेट भरकर प्रवासी मजदूरों में वितरित किए

तैनात पुलिसकर्मियों को जलपान वितरित कर रहा है।

रोटरी क्लब दिल्ली हेरिटेज, रो ई मंडल 3011, ने प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो के साथ मिलकर स्वास्थ्य एवं सफाई कर्मियों, पुलिसकर्मियों और अन्य संवेदनशील समूहों को स्वास्थ्य मंत्रालय एवं अन्य सरकारी एजेंसियों के माध्यम से पुनः इस्तेमाल किए जा सकने वाले चेहरे के 50,000 मास्क प्रदान किए।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान

मध्य प्रदेश में, रोटरी क्लब जबलपुर साउथ, रो ई मंडल 3261, पुलिसकर्मियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को भोजन के पैकेट प्रदान कर रहा है। अन्य गैर सरकारी संगठन जैसे जैन इंटरनेशनल ट्रेडिंग ऑर्गेनाइजेशन, जैन यूथ एसोसिएशन और मदरहुड, भोजन वितरण के कार्य में क्लब के साथ शामिल हो गए।

जबलपुर के सरकारी अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों एवं पराचिकित्सकों को रोटेरियनों ने सुरक्षा

किटें भी वितरित की। चूंकि अस्पताल में भोजन, मास्क, सैनिटाइजर और ग्लव्स की कमी है, इसलिए हम अस्पताल के कर्मचारियों, वृद्धाश्रमों एवं पुलिस को स्वच्छता किटें वितरित कर रहे हैं, क्लब के अध्यक्ष अखिल मिश्रा कहते हैं। ऐसी 500 से भी अधिक किटें वितरित की गई हैं और रेड क्रॉस सोसाइटी की मदद से 50 और किटें वितरित की जाएगी।

क्लब की एक अन्य पहल, एक फोन मानवता के लिए, घर के अंदर रह रहे लोगों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को संबोधित कर रही है एवं समुदाय में महामारी के प्रसार और स्वच्छता एवं सामाजिक दूरी बनाने को लेकर जागरूकता फैला रही है। हमारे ग्यारह सदस्यों ने मिलकर मानसिक

स्वास्थ्य एवं घर पर रहने की आवश्यकता पर एक छोटी वार्ता लिखी है। हमने हमारी फोन बुक के सभी व्यक्तियों को फोन किया और उनकी काउंसिलिंग की और उनसे हमारे सुरक्षा दूत बनने का अनुरोध किया ताकि वे उनके संपर्कों को फोन करके उसी बातचीत को पुनः साझा कर सकें।

इस प्रकार, जबलपुर में फोन कॉलों की बहार आना शुरू हो गई। क्लब के एक सदस्य को एक व्यक्ति का फोन आया जिसने उससे बात करने हेतु क्लब का धन्यवाद किया। उसने कहा कि एक विवाद के चलते उसने अपने बेटे से कई महीनों से बातचीत नहीं की थी। लेकिन हमारे फोन के बाद, उन्होंने उनके बीच की गलतफहमियां दूर कर ली और उसे घर से बाहर ना जाने की सलाह दी।

अनाज बैंक

रोटरी क्लब रायगढ़ स्टील सिटी, रो ई मंडल 3261, द्वारा बनाए गए अनाज बैंक से झुगियों में रहने वाले परिवारों को सूखा राशन प्रदान किया गया। हमने चावल, गेहूं, दाल, सूखा मसाला मिक्स और सब्जियाँ एकत्रित की और गरीब परिवारों को 400 राशन किटें वितरित की। लॉकडाउन के खतम होने तक हम इसे जारी रखेंगे, क्लब के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश मोदी कहते हैं।

रोटरी क्लब अमृतसर नार्थ, रो ई मंडल 3070, ने सरकारी अस्पताल में कोविड-19 के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के बाद, 1,200 सुविधाओं से वंचित एवं प्रवासी परिवारों को राशन किटें एवं भोजन के पैकेट वितरित किए। ■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

रोटरी ने रायगढ़ में डायलिसिस की नई सुविधा शुरू की

टीम रोटरी न्यूज़



डायलिसिस सेंटर में रोटारियनों के साथ डीजी रंजीत सिंह सैनी (दाएं से चौथे)

रोटरी क्लब रायगढ़ स्टील सिटी, रो ई मंडल 3261, ने बालाजी मेट्रो अस्पताल, रायगढ़ में एक अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन स्थापित की है। यह एक वैश्विक अनुदान परियोजना है जो

रोटरी क्लब एप्पल वैली, रो ई मंडल 5300, यूएसए और टीआरएफ द्वारा समर्थित है।

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा मंत्री उमेश नंदकुमार पटेल ने डीजी रंजीत सिंह सैनी और क्लब के

सदस्यों की उपस्थिति में अस्पताल में इस सुविधा का उद्घाटन किया। क्लब के अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह तुतेजा ने बताया कि डायलिसिस की सुविधा मरीजों के लिए रियायती कीमत पर उपलब्ध होगी। ■

रोटरेक्ट परिवार आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करता है

वी मुत्तुकुमारण



कोविड-19 महामारी की श्रृंखला को तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा करने के बाद से, रोटेक्ट क्लब ऑस्टिन इंस्टीट्यूट्स जालंधर, रो ई मंडल 3070, के सलाहकार एवं क्लब प्रभारी रोटेरियन अजीत पॉल सिंह नाफरे उनके दो रोटेकटर बेटों - रंजीत सिंह और जसजीत सिंह - रूपनगर के घरों में सब्जियों एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को वितरित करने के लिए स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक समूह में शामिल होने के लिए सुबह जल्दी उठते हैं।

*रूपनगर के एसपी जगजीत सिंह जल्ला के साथ अजीत पॉल सिंह (दाएं)
जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट प्रदान करते हुए।*



14 अप्रैल तक बंद होने के कारण डिप्लोमा संस्थान के सभी रोटेकटरों के घर लौट जाने के बाद, उसके निदेशक नाफरे और उनके बेटे चंडीगढ़ के निकट रूपनगर स्थित उनके निवास में हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठे हैं। हम स्वयंसेवकों के एक बड़े दल का हिस्सा हैं जो कर्फ्यू को लागू करवाने में ज़िला प्रशासन और स्थानीय पुलिस की मदद करते हैं। जहाँ गरीब परिवारों एवं बेघर लोगों को निःशुल्क आवश्यक वस्तुएँ दी जा रही हैं, वहीं जो लोग भुगतान कर सकते हैं उन्हें सस्ती कीमतों पर आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की जाती हैं। रूपनगर एसपी (मुख्यालय) सरदार

प्रभावित परिवारों की जरूरतों

को पूरा करने के लिए धन एवं

संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

जगजीत सिंह जाल्ला हमें समर्थन एवं लॉजिस्टिक्स के साथ प्रेरित कर रहे हैं, रोटेरी क्लब जालंधर सिविल लाइंस के एक सदस्य नाफरे ने कहा।

अब तक, वह स्वयं ₹11,000 दान कर चुके हैं और अनेक दानकर्ताओं एवं रोटेरियनों द्वारा सहायता देने के कारण, प्रभावित परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए धन एवं संसाधनों की कोई कमी नहीं है, उन्होंने कहा।

मदद की पुकार

एक दिन में, यह स्वयंसेवक समूह रूपनगर और उसके आसपास के इलाकों में लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित हुए जरूरतमंद लोगों को 1,000 से अधिक तुरंत खाने योग्य भोजन के पैकेट वितरित करता है। जनवरी के दौरान जब वायरस का प्रकोप शुरुआती चरण में था, इन रोटेकटरों ने जनता को 1,600 सर्जिकल मास्क वितरित किए जिनमें अप्रशिक्षित कामगार, फुटकर विक्रेता एवं फुटपाथ विक्रेता शामिल थे। अठारह रोटेकटरों ने चेहरे के मास्क के वितरण कार्य में हिस्सा लिया और हमने लोगों को बार-बार सैनिटाइज़र से हाथ धोने एवं इस महामारी के खिलाफ बचाव के तरीकों को अपनाने की सलाह दी, क्लब प्रशिक्षक एवं इंस्टीट्यूट की प्रबन्धक दीपिका शर्मा ने कहा।

पुलिस कमिश्नर सरदार गुरप्रीत सिंह भुल्लर की सहायता से रोटेकटरों के लिए एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया, और 26 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रो ई मंडल 3070 की महादान समन्वयक दीपिका शर्मा ने पिछले वर्ष जालंधर में उल्लेखनीय परियोजनाएं तैयार की और उनका सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया, नाफरे ने कहा। ■

जिम्बाब्वे चिकित्सीय मिशन

500 सर्जरियाँ करता है

टीम रोटरी न्यूज़

PRIP राजेंद्र साबू को एक व्यक्तिगत संदेश में, रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने कहा, आप और टीम इंडिया मुटारे की उपलब्धियों पर गर्व कर सकते हैं। 3,000 से अधिक रोगियों को देखा गया, 1,400 से अधिक प्रक्रियाओं को पूरा किया गया, और 500 से अधिक प्रमुख सर्जरियाँ की गई - ये उल्लेखनीय आँकड़े हैं जो एक असाधारण उपलब्धि को चिह्नित करते हैं। आपने मनिकालैंड के बहुत लोगों पर आजीवन रहने

वाला प्रभाव डाला है। आपने जिन लोगों की सेवा की है वो आपको हमेशा याद रखेंगे।

गे के साथ, उन्होंने फरवरी में रोटरी इंडिया द्वारा जिम्बाब्वे में आयोजित किए गए 10-दिवसीय VTT चिकित्सा मिशन में तीन दिनों के लिए भाग लिया। एक 20 सदस्यीय मल्टी-स्पेशियलिटी सर्जिकल टीम में रोई निदेशक डॉ भरत पांड्या भी शामिल थे, जिन्होंने सामान्य सर्जन के रूप में भाग लिया था।

अध्यक्ष मलोनी और गे का दौरा सोने पर सुहागा था। वे ऑपरेशन थियेटर में रोगियों को लाते थे और सांत्वना भरे सुखदायक शब्दों के साथ उन लोगों को वार्डों में स्थानांतरित करते थे जिनकी सर्जरियाँ हो चुकी थी, स्वयंसेवकों में से एक पीडीजी मधुकर मल्होत्रा ने कहा।

रोटेरियन स्वयंसेवकों सहित VTT टीम का नेतृत्व उनके परामर्शदाता के रूप में PRIP साबू ने किया था। उनके साथ उनकी पत्नी उषा साबू भी थी। मिशन दल 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के मनिकालैंड प्रांत की राजधानी मुटारे पहुँचा। परियोजना के प्राथमिक संपर्क रोटेरियन रोसेट 'रोज़' पीटर्स, रोटरी क्लब चितांगविजा, रोई मंडल 9210, मेजबान मंडल, के अध्यक्ष-निर्वाचित ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। जिम्बाब्वे के स्वास्थ्य एवं बाल देखभाल मंत्री डॉ. जॉन मैंगवीरो ने कस्टम से चिकित्सा उपकरणों और आपूर्तियों की निकासी में तेजी लाने में मदद की।

इससे पूर्व नवंबर 2019 में, रोटरी क्लब चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष डॉ करण सिंह ने निर्धारित अस्पताल में सुविधाओं और चिकित्सा आवश्यकताओं पर प्रारंभिक अध्ययन करने के लिए मुटारे का दौरा किया था। उन्होंने ड्रग कंट्रोलर के कार्यालय के साथ संपर्क करके चिकित्सा उपकरणों एवं आपूर्तियों के शुल्क मुक्त आयात, दवाओं और औषधियों के परेशानी

PRIP राजेंद्र साबू एक मरीज की सहायता करते हुए।



मुक्त आयात के लिए ज़मीनी स्तर पर भी काम किया था।

सामान्य सर्जरी के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रांतीय अस्पताल के मुख्य ओटी में दो ऑपरेटिंग टेबल थे, इसके अलावा एक अतिरिक्त टेबल थी जो केवल स्थानीय निश्चतनता की आवश्यकता वाले ईएनटी और प्लास्टिक सर्जरी हेतु उपयोग की जाती थी। गायनेक टीम ने सेंट जोसेफ मिशन अस्पताल का इस्तेमाल किया। डॉ कुलदीप धवन और डॉ. मनोज शर्मा के नेतृत्व में सामान्य सर्जरी दल ने 69 सर्जरियाँ की, जिनमें से कुछ इस अस्पताल के इतिहास में मप्रथमम थी।

पीडीजी डॉ जी के ठकराल और उनकी पत्नी डॉ. रश्मि ठकराल, दोनों डेंटल सर्जनों और 10 मेडिकल VIT मिशनों के अनुभवियों ने 1,229 प्रक्रियाएं पूर्ण की। टीम द्वारा लाए गए उपकरण और सहायक उपकरणों का इस्तेमाल एक निष्क्रिय दन्त कुर्सी को क्रियाशील बनाने और केवल एक दन्त कुर्सी से संभावना से अधिक प्रक्रियाएं करने के लिए किया जाता था, मल्होत्रा ने समझाया।

त्वचा देखभाल में, त्वचा विशेषज्ञ डॉ. विनय शंकर ने 500 से अधिक रोगियों की जांच की और उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ दी। भारतीय सेना के डॉ डोनाल्ड ने त्वचा के संक्रमण वाले 50 रोगियों को क्रायोजेनिक चिकित्सा प्रदान की।

सर्जरी दल के अन्य डॉक्टरों में डॉ जगदीप ठाकुर (ईएनटी); डॉ बी डी सिंह (प्लास्टिक); डॉ रविजीत सिंह, तरंग खैनर (आर्थोपेडीक); डॉ सुशील सैनी, डॉ निवेदिता; और डॉ पंकज शाह (नेत्र चिकित्सक); और डॉ मनीषा दमानी और डॉ एन एस संधू (स्त्री रोग विशेषज्ञ) शामिल थे। उनके साथ सहयोग करने के



रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी, एक मरीज की मदद करता हुए, झखझड़ा साबू और गे चित्र में शामिल हैं।

लिए निश्चतन चिकित्सक डॉ विकास त्यागी, डॉ ज्ञान चंद, डॉ दारा सिंह और डॉ सुरिंदर सिंह मौजूद थे।

स्थानीय डॉक्टरों ने विशेषज्ञता हासिल की

मुटारे प्रांतीय अस्पताल में मेजबान डॉक्टरों ने भारतीय सर्जनों के साथ काम किया जिन्होंने मिशन के दौरान 506 सर्जरियाँ और 1,334 प्रक्रियाएं पूर्ण की। मेजबान डॉक्टरों के लिए नई तकनीकों और सर्जरियों में विकास पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

नाइजीरिया के रोई उपाध्यक्ष ओलायिन्का बाबालोला ने हरारे में ज़िम्बाब्वे के राष्ट्रपति इमर्सन मनानगम्वा से मुलाकात की, जिसे राष्ट्रीय मीडिया द्वारा कवर किया गया था। परिणामस्वरूप अगले दिन

मुटारे अस्पताल में बड़ी संख्या में रोगी आए; लेकिन सुविधाओं, चिकित्सा आपूर्ति की कमी और समय के अभाव के कारण, 1,500 से अधिक जरूरतमंद लोग प्रांतीय अस्पताल में VIT दल की सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाए।

रोई उपाध्यक्ष बाबालोला के साथ अध्यक्ष मलोनी और गे, VIT दल के रूप में एक मामूली होटल में रुके और शाम को समीक्षा बैठकों में शामिल हुए, और अस्पताल में दोपहर के भोजन में एक मामूली कामचलाऊ भोजन साझा किया। रोई निदेशक के रूप में मेरा कार्यकाल खत्म होते ही मैं आगामी चिकित्सा VIT मिशन में शामिल होने की आशा करता हूँ, डॉ भरत पांड्या ने कहा, जिन्होंने कुछ कठिन सर्जरियाँ की थी। टीम के पास 1,600

सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त सर्जरियाँ प्राप्त हुई, जिसमें भारी धनराशि खर्च होती जो भुगतान किए जाने पर भी जिम्बाब्वे में संभव नहीं हो सकती थी।



ऊपर: RID भरत पांड्या, PDG डॉ जी के ठकराल के साथ जो एक दंत प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। नीचे: VTT टीम



स्वर्गीय **RIPE** सैम ओवरी से किए गए एक वादे को निभाते हुए, **PRIP** राजा साबू का अफ्रीका के प्रत्येक रोटरी जिले में **VTT** चिकित्सा मिशन भेजने का लक्ष्य है।

किलोग्राम के चिकित्सा उपकरण, यंत्र और आपूर्तियां थी; डीजी जितेंद्र ढींगरा और रितु शामिल हुए थे।

मनिकालैंड प्रांतीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एलेन ग्वारदज़िम्बा ने साबू को धन्यवाद दिया क्योंकि उन्होंने सुविधाओं की कमी वाले सकुबा नेत्र अस्पताल को पूरी तरह से सुसज्जित करने की पेशकश की, यदि मुटारे में स्थानीय अधिकारी बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ती करने के लिए एक नई इमारत का निर्माण कर सकें तो।



एल से: डॉ कुलदीप धवन, डॉ एन एस संधू, **RID** डॉ भरत पांड्या, डॉ बी डी सिंह और डॉ करण सिंह।



पीआरआईपी साबू ने यह वादा भी किया कि उनका क्लब, रोटरी क्लब चंडीगढ़, जिम्बाब्वे के 10 बच्चों के लिए भारत में जन्मजात हृदय शल्यचिकित्सा को प्रायोजित करेगा, एक सांकेतिक भाव के रूप में जिसे उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। मंत्री ने भारत के **VTT** चिकित्सा मिशन को धन्यवाद दिया क्योंकि सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त सर्जियाँ प्राप्त हुईं, जिसमें भारी धनराशि खर्च होती जो भुगतान किए जाने पर भी जिम्बाब्वे में संभव नहीं हो सकती थी।

PRIP साबू 1998 से अफ्रीका के लिए **VTT** चिकित्सा मिशन आयोजित कर रहे हैं। पहला दल यूगांडा गया था और तब से हर साल एक या दो दल अफ्रीका जा रहे हैं। स्वर्गीय **RIPE** सैम ओवरी से किए गए एक वादे को निभाते हुए, **PRIP** राजा साबू का अफ्रीका के प्रत्येक रोटरी जिले में **VTT** चिकित्सा मिशन भेजने का लक्ष्य है। सैम के गुजरने के बाद, (तत्कालीन) अध्यक्ष बैरी रेसिन ने मुझसे कहा था, राजा, चलो देखते हैं कि हम सैम के उस सपने को पूरा कर पाते हैं या नहीं। इसलिए अब हम उसकी योजना बना रहे हैं, उन्होंने आगे कहा। ■

रो ई मंडल 3170 में टीआरएफ की डिजास्टर रिस्पांस ग्रांट कोविड राहत हेतु प्रदान की गई

किरण ज़हरा



रोटरी क्लब पणजी रिवेरा द्वारा दी गई राहत किट के साथ लाभार्थी।

रो ई मंडल 3170 टीआरएफ से 25,000 डॉलर का डिजास्टर रिस्पान्स ग्रांट प्राप्त करने वाले पहले जिलों में से एक है जिसने आवेदन करने के तीन दिनों के भीतर ही ग्रांट प्राप्त कर ली थी। ग्रांट मंजूर होने से पहले ही जिले में रोटरी हुबली धारवाड़ डिजास्टर रिलीफ टास्क फोर्स ने भटकल से खरीदे गए ₹80,000 रुपये के 40 पीपीई किट कर्नाटका इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (केआईएमएस), हुबली को पहुंचाए जिसे कि कोविड-19

स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में बदल दिया गया है।

टॉल गेट को पार करने के लिए, उस वितरक की खोज करना जिसका स्वयं का पास हो, यह सबसे बड़ी चुनौती थी, पीडीजी गणेश भट कहते हैं। और अंत में, एक ऐसा वितरक हमें मिल गया और मार्ग में रोटरी क्लब की मदद से पैकेज को 48 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया गया।

टास्क फोर्स ने अक्टूबर 2019 में बाढ़ पीड़ितों को 10 शेल्टर किट दान किए थे।

टीआरएफ से प्राप्त ग्रांट का उपयोग मास्क, पीपीई किट (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण), दस्ताने, सैनिटाइजर, पीने के शुद्ध पानी और मैरिज हॉलों को अस्थायी रूप से अस्पतालों में परिवर्तित करने के लिए किया जाएगा। डिजी गिरीश मसुरकर ने आरआईपीएन शेखर मेहता, ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, रो ई मंडल के अध्यक्षों, भारत पाण्डेया और कमल शंघवी को यह कहते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया अनुदान राशि को शीघ्रता से वितरण करने में हमारी मदद करने के लिए धन्यवाद। रोटरी क्लब कोल्हापुर के अध्यक्ष सूर्यकांत पाटिल और ए जी प्रकाश जगदाले ने स्थानीय अधिकारियों के परामर्श से शहर में स्थापित शिविरों में असहाय नागरिकों एवं प्रवासी कामगारों को भोजन एवं आवश्यक सामग्रियों को वितरित किया।

रोटरी क्लब पणजी रिवेरा के रोटेरियनों ने, नगर निगम के साथ काम करते हुए पणजी के निवासियों को किराना सामग्री पहुंचाई और प्रवासी श्रमिकों, गरीब बस्तियों में किराने का

वितरण किया, एनजीओ ने एचआईवी पॉजिटिव बच्चों, सड़क पर रहने वाले बच्चों एवं वृद्धाश्रमों की देखभाल की। राशन के डिब्बे जिसमें हर डिब्बे में 5 किलो चावल, 4 किलो आटा, 1 किलो दाल, प्याज, आलू और 1 किलो तेल का वितरण पणजी में 850 गार्बेज प्लॉट के श्रमिकों के बीच किया गया। यूनाइटेड नेशन डवलपमेंट प्रोग्राम के भारतीय कार्यालय ट्रीट करके क्लब के किए गए प्रयासों के लिए अपनी सराहना व्यक्त की।

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, गोवा के सहयोग से 5,000 जरूरतमंद लोगों को 10 दिनों में इसी समान राशन के डिब्बे वितरित किए गए। क्लब ने आने वाले दिनों के लिए जरूरतमंद लोगों को किराना सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए ₹5 लाख और जुटाए। क्लब ने गोवा मेडिकल कालेज और स्वास्थ्य सेवा विभाग में डाक्टरों हेतु 50 पीपीई किट दान दिए।

क्लब के प्रत्येक सदस्य ने प्रधानमंत्री केयर फंड में योगदान स्वरूप ₹1,000 दिए। ■



पीपीई किट और डीएचएस, गोवा को दिए गए मास्क के साथ रोटरी क्लब पणजी रिवेरा के सदस्य।

पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी के साथ

बिल गेट्स

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष



1 आपने पोलियो उन्मूलन पर काम करने का निर्णय क्यों लिया?

वर्ष 1952 में, मेरे जन्म के तीन साल पहले, अमेरिका ने अपने इतिहास की सबसे बुरी पोलियो महामारी का अनुभव किया। हजारों लोग मारे गए और इससे भी अधिक पंगु हो गए। मेरा जन्म पहला पोलियो टीका उपलब्ध होने के कुछ महीने बाद हुआ था। बड़े होते हुए, मुझे एहसास नहीं था कि मैं कितना भाग्यशाली हूँ।

बाद में जीवन में, हमारे संस्थान के कार्य के माध्यम से मैंने प्रत्यक्ष रूप से यह देखना शुरू किया कि बच्चों पर पोलियो का क्या प्रभाव पड़ रहा था। पोलियो के टीके के कारण अमेरिका में 1979 में पोलियो का अंतिम मामला सामने आया था, लेकिन 25 साल बाद 2004 में भी, एशिया और अफ्रीका में 1,000 से अधिक बच्चे पोलियो से केवल इसलिए पंगु हो गए क्योंकि वे उस जगह जन्मे थे।

2007 में हमारे संस्थान के पोलियो को समाप्त करने की लड़ाई में शामिल होने से पूर्व, मैंने विशेषज्ञों से बात करने और उन्मूलन के इतिहास का विश्लेषण करने में महीनों बिताए। जहाँ पोलियो के खिलाफ वैश्विक प्रगति रुक गई थी, वहीं मेरा मानना था कि उन्मूलन इसलिए संभव है क्योंकि दुनिया ऐसा पहले 1980 में चेचक के साथ कर चुकी थी।

रोटरी ने वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल, बीमारी से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध एक अतुलनीय वैश्विक साझेदारी, में शामिल होने हेतु संस्थान को प्रेरित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम जानते थे कि रोटेरियन जोशीले होंगे, उन्मूलन को प्रोत्साहित करने में सहयोग करेंगे।

2 वर्ष 2019 में पोलियो के मामलों की संख्या बढ़ी है। आप अभी भी आशावादी क्यों हैं कि उन्मूलन संभव है?

यह सच है कि हमने 2019 में मामलों की संख्या में वृद्धि देखी है, लेकिन हमें यह देखना होगा कि पिछले तीन दशकों में क्या हुआ है। 1980 के दशक में, पोलियो ने हर दिन वैश्विक स्तर पर 1,000 बच्चों को पंगु बनाया है। आज, यह संख्या 99.9 प्रतिशत तक गिर गई है और

यह खतरनाक पोलियो वायरस केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक ही सिमट कर रह गया है। उन्मूलन के प्रयासों के कारण, हमारे आसपास 18 मिलियन ऐसे लोग हैं जो इस वायरस से पंगु होने से बच गए।

पिछले 30 वर्षों में अविश्वसनीय उपलब्धियों देखी गई हैं। मेरे पसंदीदा उदाहरणों में से एक भारत है। इस देश को कभी इस बीमारी को खत्म करने हेतु सबसे कठिन जगह माना गया था, लेकिन वर्ष 2011 में, इस देश ने इस भयानक पोलियो वायरस से जुड़े पोलियो के अपने आखिरी मामले को दर्ज किया।

वर्ष 2013 में, स्वास्थ्य कार्यकर्ता सीरिया के गृह युद्ध के दौरान इस भयानक पोलियोवायरस के प्रकोप को नियंत्रित करने में कामयाब रहे। टीका लगाने वालों को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ना केवल युद्ध धीमा होने के बाद युद्ध क्षेत्र में प्रवेश करना होता था, बल्कि वे पड़ोसी देश इराक, जॉर्डन, लेबनान और तुर्की में 2 मिलियन शरणार्थियों को भगाने के लिए भी जिम्मेदार थे। कुछ ही हफ्तों में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2.4 मिलियन सीरियाई बच्चों का टीकाकरण करने की योजना की घोषणा की, और अगले वर्ष तक इसका प्रकोप समाप्त हो गया।

वर्ष 2016 में, यह खतरनाक पोलियोवायरस नाइजीरिया में फिर से उभरा। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और भागीदारों ने अपने प्रयासों को फिर से दोगुना किया, और इस देश में अब कोई नया मामला सामने आए तीन साल से अधिक हो गया है, जिसका अर्थ है कि समूचे विश्व स्वास्थ्य संगठन अफ्रीकी क्षेत्र को 2020 में इस भयंकर पोलियो वायरस से मुक्त प्रमाणित किया जा सकता है। कुछ वर्ष पहले तक इस उपलब्धि की कल्पना करना मुश्किल था।

पोलियो के अंतिम मामले विशेष रूप से मुश्किल साबित हो रहे हैं। लेकिन पोलियो कार्यक्रम प्रगति करते रहने के लिए बहुत बड़ी चुनौतियों से उभरा है, और इस काम को खत्म करने के लिए हमने पिछला दशक अपने साधन और रणनीतियों में गतिवृद्धि लाने में बिताया है। रोटरी जैसे हमारे साझेदारों की निरंतर प्रतिबद्धता के साथ, मुझे यकीन है कि हम पोलियो को इतिहास बना देंगे।

3 आप रोटरी के साथ गेट्स फाउंडेशन के 2-से-1 मिलान राशी का विस्तार क्यों कर रहे हैं?

पोलियो के खिलाफ लड़ाई में गेट्स फाउंडेशन की रोटरी के साथ दीर्घकालिक साझेदारी महत्वपूर्ण रही है। हमारे द्वारा मिलान राशी के विस्तार के माध्यम से, हम हर साल 150 मिलियन डॉलर जुटा सकते हैं - वह धन जो उन्मूलन के प्रयास के लिए आवश्यक है।

लेकिन इस मिलान राशी के बारे में एक अन्य बात भी है, जिसे अक्सर लोग नहीं जानते: यह पैसा हमें पोलियो से लड़ने से भी अधिक मदद करता है। जब हम समुदायों को पोलियो टीके वितरित करते हैं, उसी समय हम उन्हें मलेरिया से बचाने के लिए मच्छरदानी भी दे रहे हैं, स्वच्छ पीने योग्य पानी तक उनकी पहुंच में सुधार कर रहे हैं, और बच्चों को टीके से रोके जा सकने योग्य अन्य रोगों से बचाने में मदद कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे द्वारा एकत्रित प्रत्येक डॉलर का उचित उपयोग हो सके।

4 चूंकि हम उन्मूलन की अंतिम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं तो आप रोटेरियनों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

हमारे संस्थान में हर व्यक्ति रोटरी से प्रेरित है और आपके साथ काम करने में गर्व महसूस करता है।

रोटरी पोलियो मुक्त दुनिया को प्रोत्साहित करने वाला पहला संगठन था। और पिछले 30 वर्षों से, बहुत सारे रोटेरियन धन संग्रहण, टीकाकरण और पक्ष समर्थन के प्रयासों में हिस्सा रहे हैं जो हमें शून्य मामलों की जादुई संख्या के करीब लाया है।

एक पोलियो मुक्त दुनिया के लिए अंतिम कदम सबसे कठिन है - और हमें वहाँ तक पहुंचने के लिए हर एक रोटेरियन की मदद की आवश्यकता होगी। लेकिन मुझे विश्वास है कि हम एक साथ मिलकर पोलियो को खत्म कर देंगे।

एक शानदार कॉफी की बेंगलुरु की प्यास बुझाना

अनुभा जैन

शंकरपुरम की एक छोटी सी जगह में 50 वर्ष पुरानी परंपरा और विरासत का अनुसरण करते हुए, ब्राह्मण कॉफी बार बेंगलोर वासियों के लिए सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले कॉफी केन्द्रों में से एक है। बेंगलुरु की सड़कों के हर कोने पर इसी तरह के छोटे कैफे देखे जा सकते हैं लेकिन ब्राह्मण कॉफी बार अपने वर्षों पुराने दक्षिण भारतीय व्यंजनों के पारंपरिक स्वाद और

विरासत के लिए प्रसिद्ध है। बहु व्यंजन फ़ास्ट फूड उपक्रम के जमाने में यह टिफिन (नाश्ता) सह कॉफी केंद्र इसके चिन्हक व्यंजनों - वन बाय टू कॉफी, इडली-वड़ा-कारा भात-केसरी-भात के साथ स्वादिष्ट चटनी के सम्मिश्रण - के लिए प्रसिद्ध है।

जैसे ही मैं इस अनूठी दुकान के अंदर गई, मैंने पाया वहाँ बहुत भीड़ थी; लोग अपनी फ़िल्टर कॉफी का आनंद ले रहे थे और कॉफी मास्टर को दूध को झागदार बनाते और उसमें मादक कॉफी मिलाते देखना भी एक बढ़िया नजारा है। दूर एक कोने में एक अन्य कर्मचारी था जिसकी भूमिका चटनी परोसने की थी। मैंने यह

*कॉफी मास्टर दूध को
झागदार बनाते हुए।*



भी ध्यान दिया कि प्रथागत दक्षिण भारतीय शैली के विपरीत टिफिन के साथ *सांभर* या *रसम* नहीं परोसी जाती थी।

यह एक स्व-सेवा प्रणाली है और इसमें बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। बल्कि इस छोटे से हॉल में टेबल लगी है जिसपर ग्राहक अपनी प्लेटें रखते हैं और खड़े होकर अपना भोजन खाते हैं, और अधिकतर लोग सड़क पर ही निकल जाते हैं। राधा कृष्ण अदिगा, जो इस कैफ़े के मालिक हैं अपने पुराने दिनों को याद करते हैं जब यह दुकान स्थापित की गई थी। ब्राह्मण कहते हैं, कर्नाटक में उडुपी जिले के रहने वाले मेरे पिता के. वी. नागेश्वर राव ने, मेरी माता के. एन. सरस्वती के साथ, 1930 के दशक से अपनी आजीविका के लिए बेंगलुरु की सड़कों पर कुछ दक्षिण भारतीय व्यंजन तैयार करके बेचना शुरू किया था।

1965 में, राव और उनके बड़े बेटे एन. शंकरनारायण ने ब्राह्मण कॉफी बारफ के नाम से एक छोटा उपक्रम शुरू किया। राव की बीवी ने चटनी के साथ कारा भात (उपमा) बनाना शुरू किया और ग्राहकों के मध्य वह एकदम मशहूर हो गया। 1970 में बढ़ती लोकप्रियता के साथ कुछ और चीजें जैसे *वड़ा*, *इडली* और *केसरी भात*, एक मीठा व्यंजन, भी मेन्यू में शामिल किए गए। 1972 से राधा कृष्ण अदिगा, राव के अन्य बेटे, ने इस



उपक्रम की कमान संभाली। आज, 14 से भी अधिक कर्मचारियों के साथ, यह कॉफी शॉप शहर का एक ऐतिहासिक स्थल है। यह सुबह 6 बजे खुलता है और दोपहर 12 बजे तक चलता है, और शाम में, 3 बजे से लेकर 7 बजे तक। कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 4 बजे से पकाना शुरू कर देते हैं। इस छोटे से उपक्रम में विक्रय की अनूठी बात 1965 से घर जैसे भोजन के लिए मशहूर इसका कभी ना बदलने वाला स्वाद है। आज, शंकरपुरम और बासवानगुडी के एवं उसके आसपास के बहुत से ग्राहक अधिक

चटनी के साथ पार्सल पैक करवाकर घर ले जाते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा को बनाए रखने और विरासत का पालन करने के लिए हम अनुरूपता के सिद्धांत में विश्वास करते हैं। मेरे अधिकांश ग्राहक शुरुआती वर्षों से आ रहे हैं और मैं उन्हें उनके नाम और चेहरों से जानता हूँ, अदिगा कहते हैं, आगे कहते हुए कि 1995 से आईटी उद्योग में अचानक तेज़ी आने के साथ लोगों ने बेंगलुरु में पलायन किया है, और हमारे खाद्य पदार्थों में शानदार स्वाद और अनुरूपता ने इस खाद्य उपक्रम में अधिक ग्राहकों को आकर्षित किया है। ब्राह्मण की कामयाबी को देखकर इसी नाम से अन्य दक्षिण भारतीय खाद्य उपक्रम चल रहे हैं; लेकिन लोग भी बहुत समझदार हैं क्योंकि वे ब्राह्मण के असली और प्रामाणिक खाने से अच्छी तरह परिचित हैं। लम्बे समय की गुणवत्ता और स्वाद के साथ यह खाद्य उपक्रम अन्य समान दक्षिण भारतीय खाद्य उपक्रमों को कड़ी टक्कर दे रहा है। दशकों से वफादार ग्राहक सप्ताहांत पर केवल ब्राह्मण फ़िल्टर कॉफी और चटनी के प्रति उनके प्यार के लिए दूर-दूर से यहाँ आते हैं।

गर्म फिल्टर कॉफी कांच के गिलास में परोसी जाती है।



लेखक रोटरी क्लब जयपुर,
रो ई मंडल 3054 के सदस्य हैं

चित्र: अनुभा जैन

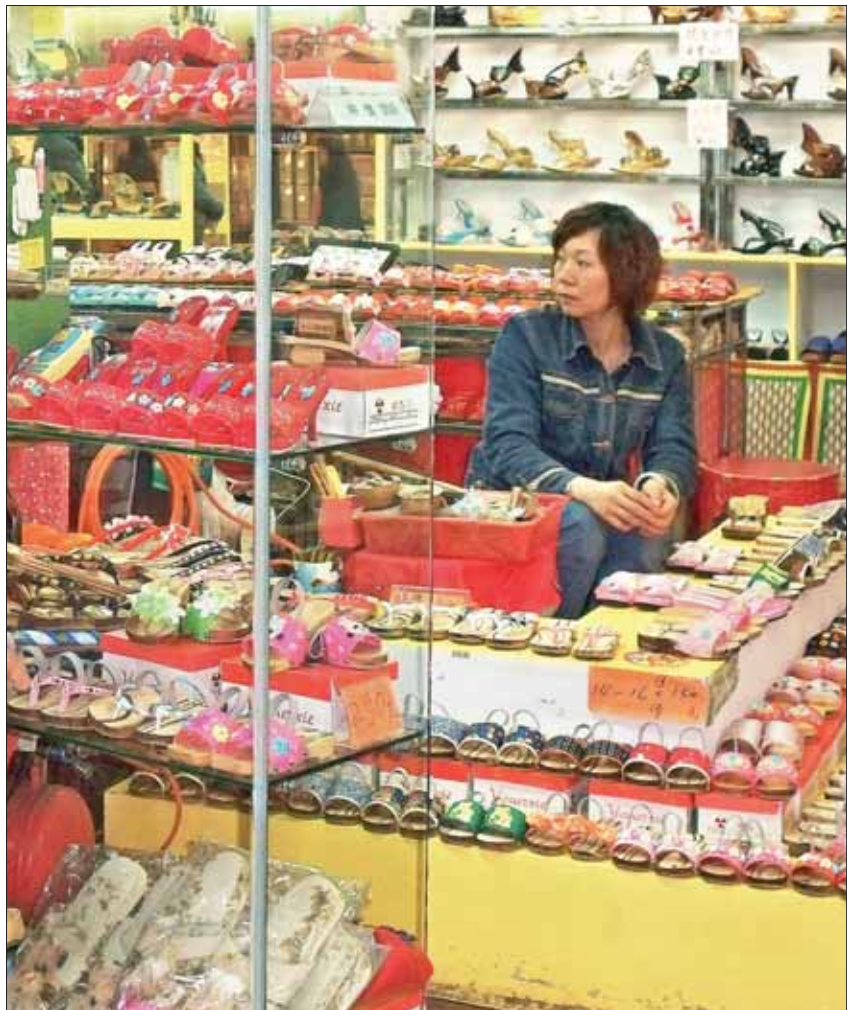
एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

ताइवान में छुटियों के यादगार पल

नीना सौंढी



रंगीन बौद्ध मंदिर
दाएं: विशिष्ट दुकान



कुछ साल पहले हमें ताइवान में आमंत्रित किया गया था, जिसके बारे में हम ज़्यादा कुछ नहीं जानते थे। ऑफिस के काम के सिलसिले में मीटिंग थीं लेकिन हमारे चार दिवस के प्रवास में उत्तर क्षेत्र में घूमने के लिए अतिरिक्त समय भी था। हमारे मेज़बान, ताइवान स्पোর্टिंग गुड्स मनुफैचरर्स एसोसिएशन बहुत ही मित्रवत और मददगार रहे, और हमने यात्रा का भरपूर आनंद उठाया।

हम राजधानी ताइपे में थे (मैंडरिन भाषा में पे का अर्थ है उत्तर दिशा), और हमने अपनी यात्रा सीमित रख, यहां के कुछ रोचक स्थलों पर जाने का निर्णय किया।

हमारी शुरुआत नार्थईस्ट कोस्ट के गाँवों से हुई। स्थानीय गाइड को मिला कर हमारा ग्रुप छोटा सा था। रास्ते में हम समुद्र के किनारे बने

हुए एक छोटे बुद्ध मंदिर पर रुके, जो वास्तव में खूबसूरत था। इसके बाद, किनारे पर ही कई तरह की चट्टानों की संरचना के पास रुके जिन की बनावट अद्भुत थी। एक की बनावट मनुष्य की नाक जैसी थी और दूसरी काफी आकर्षक; वहीं एक और मछली के आकार की थी, लगता था कि वो चट्टान पर ही जड़ी गई हो। सभी चट्टानें भूरे रंग की थी और विखंडित थीं, उन पर बारिश और मौसम का प्रभाव साफ़ दिख रहा था।

इसके बाद हम एक गली में गए जो छोटी दुकानों से आच्छादित थी। वहां विशेषकर ताइवान की वस्तुएं मिल रही थीं। यहीं पर हमने स्वादिष्ट यम सूप पिया। सूखे मेवे (छोटे संतरे, आलूबुखारे) और वहीं पर बने हुए केक भी स्वादिष्ट थे, हमने घर के लिए भी कुछ खरीद लिए। बच्चों के सैंडिल, जानवरों की शकल में बनीं

सिरामिक की सीटियां और कुछ यादगार स्मृति चिन्ह भी थे।

यहां से हम ऊंची पहाड़ी पर बने गाँव के लिए चले, चढ़ाई काफी मुश्किल थी। मालूम चला कि पहले यहां सोने की खदान थी इसलिए पहाड़ के एक ओर सटे हुए मकान बने हुए थे। सोना तो अब

खत्म हो गया है लेकिन ये अनोखे मकान अभी भी वहीं हैं, बीच बीच में कोई दुकान या मंदिर नज़र आ जाता है।

अगले दिन, हम ताइपे के उत्तर में बने यांमिंगशान नेशनल पार्क गए। यह बहुत विशाल है और इसमें देखने लायक कई दर्शनीय स्थल

हैं। सबसे पहले हम चुंगशान हॉल गए जिसका निर्माण 40 वर्ष पूर्व हुआ था और पहले यहां नेशनल असेंबली हुआ करती थी (अब नहीं) ये एक निहायत ही खूबसूरत इमारत है जिसमें आधुनिक ताइवानी शिल्प और चीन की पारम्परिक कला का समावेश है।

पहाड़ों के मध्य बनी इस विशाल इमारत की भव्यता देखते ही बनती है। दिलचस्प बात ये है की इसका निर्माण सल्फर के स्रोतों के मध्य नरम और पथरीली मिट्टी के मिश्रण आदि से हुआ है। कभी-कभी हमें ऊबड़-खाबड़ जमीन भी दिखी जहां गंधक





बाएं: चुंगशान हॉल की छत; ऊपर: उत्तर पश्चिम तट पर रॉक फॉर्मेशन

की बू आती है (सड़े हुए अण्डों जैसी)। ये भव्य परिसर कई विश्व स्तरीय समारोहों और अति विशिष्ट अतिथियों के सत्कार का साक्षी रहा है और वर्तमान में यहां ताइवान के समसामयिक इतिहास की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

खूबसूरत पार्क का भ्रमण करने के बाद, हम हॉट स्प्रिंग्स गए। हम जिस क्षेत्र में थे, उसे टाटून पर्वत श्रृंखला कहते हैं, यहां गरम पानी के स्रोत सबसे अधिक हैं। हम यांग्मिंगशान हॉट स्प्रिंग्स भी गए, वे अपेक्षाकृत कम क्षारीय गंधक के थे। हमारे पास स्नान के दो विकल्प थे, खुले में (बिना कपड़े) और निजी। ऐसा माना जाता है कि हॉट

स्प्रिंग्स में स्नान करना कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए फायदेमंद है और इससे आराम भी पहुंचता है। हालाँकि, हमारे 10 लोगों के समूह में से, एक निजी बाथरूम के अंदर केवल हम दो ने ही डुबकी लगाई! इसने वाकई तरो-ताज़ा कर दिया, लेकिन इसके अलावा और कोई फायदा नज़र नहीं आया!

पहली दो यात्राएँ हमारे लिए आयोजित की गई थीं, लेकिन इसके अलावा भी हम ऐसे ही घूमने निकल लिए थे। हमारा होटल एक शॉपिंग मॉल के नज़दीक था, इसलिए एक-दो बार हम मॉल और उसके आस पास भी घूमने गए थे। यह आकर्षक था और सुंदर दुकानों से सजा था।

एक और जगह गए, ताईपेई 101, पूर्व में ये दुनिया की सबसे ऊँची इमारत रही थी। यहां लोगों की काफी भीड़ थी। हम कतार में लगे, तेज गति वाली लिफ्ट में टॉवर के शीर्ष पर गए और वहाँ से ताइपे का विहंगम दृश्य देखने को मिला। इसके अलावा वहां खरीदने के लिए कई स्मृति चिन्ह थे और जलपान के लिए कई जगह अच्छी व्यवस्था थी।

अपने प्रवास के अंतिम दिन हमने सुंदर, कलात्मक कलाकृतियों से भरे सिरेमिक कारखानों का दौरा किया, लेकिन घर ले जाने के लिए वो काफी बड़े और बहुत भारी थे। हमने कुछ छोटे स्मृति चिन्ह और चाय आदि खरीद ली। लेकिन इस यात्रा

को सबसे यादगार बनाया ताइवान के लोगों ने जो बहुत ही खुशामिज़ाज़ और मेहमान नवाज़ हैं, ठीक भारतीयों की तरह और साथ ही कला और प्राकृतिक सुंदरता के बहुत शौकीन हैं। होटल की लॉबी में सजी कलाकृतियां और खूबसूरत फूल मनोरम दृश्य पैदा कर रहे थे। यहां हमने विभिन्न प्रकार के रंग बिरंगे ऑर्किड फूल देखे उनका आकार, रंग और विविधता पुष्प प्रेमियों के लिए प्रकृति का एक अनुपम उपहार है।

लेखिका रो क्लब जालंधर
साउथ, रो ई मंडल 3070
की पूर्व अध्यक्ष हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रिश्तों का नवीनीकरण

टीम रोटरी न्यूज

समवन्य, रो ई मंडल 3170 का मंडल सम्मेलन, 1,500 रोटरियनों को, उनके परिवारों, रोटरैक्टर्स और इंटरैक्टर्स के साथ, एक साथ लाया ताकि वे तीन दिनों के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत एक दूसरे के साथ जुड़कर संबंध स्थापित करें और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करें। यह कार्यक्रम हुबली में हुबली, बागलकोट और विजयपुर के रोटरी क्लबों द्वारा आयोजित किया

गया था। समवन्य का मतलब है सुसंगत होना और वहाँ रोटरी परिवार के लिए परिचितों और आगामी रिश्तों को गहरा करने का बढ़िया अवसर था, डीजी गौरीश मसुरकर ने कहा। दस अतिथि रूसी रोटरियन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

सम्मेलन अध्यक्ष एस. के. यदाहल्ली के स्वागत भाषण के बाद, रो ई मंडल 3040 के पीडीजी नितिन दफरिया, रोई अध्यक्ष के प्रतिनिधि, ने 114 वर्षों में विश्व स्तर पर रोटरी की उपलब्धियों और रोटरी

भारत की 100 साल की ऐतिहासिक यात्रा के बारे में बात की। उनके साथ उनकी पत्नी दिव्या भी थी।

मसुरकर ने रोई की समृद्ध विरासत और संयुक्त राष्ट्र के गठन में इसकी भूमिका के बारे में बात की। इतिहास में जाते हुए, उन्होंने कहा कि रोटरी को संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद का विशेष परामर्शक का दर्जा प्राप्त है, और रोई प्रतिनिधि विभिन्न बैठकों में पर्यवेक्षक के रूप में सेवा देते हैं। रोई और संयुक्त राष्ट्र की पोलियो उन्मूलन, साक्षरता, जल और

मंडल सम्मेलन में एक सांस्कृतिक प्रदर्शन।





डीजी गिरीश मसुरकर और पत्नी संध्या ने RIPR नितिन डफरिया और उनकी पत्नी दिव्या को सम्मानित किया।



स्वच्छता परियोजनाओं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और दुनिया भर में शांति सम्मेलनों को बढ़ावा देने में एक उपयोगी भागीदारी है। 1945 में, PRIP टी ए वॉरेन ने अक्टूबर में एक सप्ताह को मसंयुक्त राष्ट्र सप्ताह का नाम दिया, जिसका 1953 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नाम बदलकर रोटेरी यूएन डे रख दिया गया। ऐसी उल्लेखनीय विरासत की पृष्ठभूमि के विपरीत हमें रोटेरियन होने पर गर्व होना चाहिए और इतने वर्षों में इस संगठन द्वारा अर्जित की गई ख्याति और विश्वास को संजोए रखना चाहिए।

ऐसी उल्लेखनीय विरासत की पृष्ठभूमि के विपरीत हमें रोटेरियन होने पर गर्व होना चाहिए और इतने वर्षों में इस संगठन द्वारा अर्जित की गई ख्याति और विश्वास को संजोए रखना चाहिए।

छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में रोटेरी की परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित 10-किलोमीटर की एक साइक्लोथॉन में कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष, किरण कुमार, ने दर्शकों को चंद्रयान और मंगलयान मिशनों का विवरण देकर मंत्रमुग्ध कर लिया। इस्कॉन के प्रभु राजीव लोचन दास ने एक सार्थक जीवन जीने के बारे में बात की। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव, अशोक दलवाई, ने भारत सरकार के मिशनों-किसानों की आय दोगुनी करने और जल शक्ति अभियान - के बारे में विस्तार से बताया। हम उनकी बातों से इतने प्रभावित हुए कि हमने तात्कालिक रूप से अगले दिन किसानों के लिए एक सत्र आयोजित किया; 200 किसानों ने इसमें भाग लिया, सम्मेलन सचिव, वासुकी सांजी ने कहा।

RIPR दफ्तरिया, RRFC अविनाश पोद्दार और DRFC प्राणेश जहाँगीरदार ने TRF, मंडल और वैश्विक अनुदानों पर बात की और संस्थान में योगदान देने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया।

आईपीडीजी रविकिरण कुलकर्णी ने पिछले साल उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रोटेरियनों को पुरस्कार प्रदान किए। ■

उड़ान बड़ौदा के बच्चों की ऊंचा उड़ने में मदद करता है

वी मुत्तुकुमारण

लॉ कडाउन के दौरान, रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो, रो ई मंडल 3060, ने प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थियों को व्हाट्सएप के माध्यम से उनके माता-पिता के फोन पर कार्यपत्रक भेजने हेतु दी एडु क्लब के साथ हाथ मिलाया है ताकि वे उपयोगी ढंग से इस खाली समय का उपयोग कर सकें और कुछ शैक्षणिक कौशलों को हासिल कर सकें, उड़ान की परियोजना प्रमुख, कल्पा रूख ने कहा। उड़ान कम उम्र के विद्यार्थियों के लिए एक शिक्षा परियोजना है जिसका उद्देश्य सुविधाओं से वंचित परिवारों के बच्चों को एक उज्ज्वल भविष्य के लिए मंचार मूलभूत बुनियादी कौशलॉफ से सुसज्जित करना है।

स्कूल प्रबंधन से प्राप्त अभिभावकों के 700 मोबाइल

नंबरों, जिन पर रोजाना अभ्यास भेजे जाते हैं, में से 75-80 लोग पूर्ण कार्यपत्रकों के साथ जवाब देते हैं जिससे परियोजना स्वयंसेवक प्रसन्न होते हैं। प्रोजेक्ट उड़ान तीन वर्षीय पुरानी एक रोटरी परियोजना है जो सरकारी स्कूलों में णघत्रय से लेकर कक्षा 4 के विद्यार्थियों को लक्षित करती है जहाँ विद्यार्थी निम्न-मध्यम श्रेणी के परिवारों से आते हैं और जिनके अभिभावक अपने दैनिक संघर्षों के बावजूद भी अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की इच्छा रखते हैं।

कल्पा ने कहा, निजी स्कूलों के गरीब विद्यार्थियों को भी शामिल किया जाता है। कल्पा और प्रिया देसाई ने मिलकर 6 वर्ष पूर्व दी एडु क्लब की स्थापना की थी। तीन वर्ष पूर्व रोटरी के साथ आ जाने के बाद

से, उन्होंने अपनी रणनीति में सुधार किया जिसमें मुख्य रूप से लक्षित स्कूलों के शैक्षणिक वर्ष के दौरान हर सप्ताह एक उड़ान का पीरियड (या सत्र) लेना शामिल है। इस वर्ष छह निजी एवं दो सरकारी स्कूलों में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं जो बड़ौदा के 2,200 विद्यार्थियों को कवर कर रही हैं। पिछले 6 वर्षों में, हमारे कार्यक्रम से लगभग 8,000 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। पूर्व में यह परियोजना कक्षा 1 से 6 के विद्यार्थियों के लिए थी, परंतु इस वर्ष से हम णघत्रय से लेकर कक्षा 4 के विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और तीन वर्षों में हमने 5,000 विद्यार्थियों को कवर किया है, कल्पा ने समझाया, आगे यह कहते हुए कि पाठन सामग्री हिंदी और गुजराती में उपलब्ध है।

बुनियाद ही कुंजी है

गरीब सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के साथ ही विषयों को समझने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए बेहतर रूप से तैयार करने के लिए कम उम्र में ही उनके बुनियादी शिक्षा कौशलों को मजबूत बनाने की आवश्यकता होती है, उन्होंने कहा।

पढ़ाए जाने वाले चार प्रमुख बुनियादी कौशल हैं अंग्रेजी (ध्वन्यात्मक) पढ़ना एवं लिखना; गणित (संख्यात्मक); मस्तिष्क व्यायाम (तार्किक विचार); और सामाजिक-भावनात्मक कौशल (अभिप्रेरण एवं मुश्किल परिस्थितियों से निपटना)। गरीब बच्चों के मस्तिष्क के स्कैन से सामने आया है कि उनमें 6 प्रतिशत कम

इंटर स्कूल किज प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में KYB Conmat के प्रबंध निदेशक और परियोजना दाता प्रेमराज कश्यप(केंद्र) के साथ रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो के रोटरीक्टर्स और रोटेरियन।



क्षेत्रफल से ग्रे मैटर की कमी होती है, जिसके परिणाम स्वरूप कक्षा 6 तक पहुँचते-पहुँचते उनकी सीखने की क्षमता कम हो जाती है। परंतु मस्तिष्क अत्यंत लचीला होता है; उचित प्रयासों एवं मस्तिष्क अभ्यासों द्वारा इसे बेहतर किया जा सकता है, उन्होंने कहा।

शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञ छह रोटेरियन मूलभूत पाठ्यक्रम को तैयार करने में मदद करते हैं, अन्य 20 कार्यक्रम को प्रायोजित करते हैं। वार्षिक दिवस पर अभिभावकों ने रोटेरियनों का धन्यवाद किया क्योंकि SSG मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित अंतर स्कूली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया था।

हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के साथ परिवर्तित करना है। सत्रों के अंत में, वे अपने विचारों को निडरतापूर्वक प्रस्तुत करने की काबिलियत और एक विश्लेषणात्मक मानसिकता जैसे व्यावहारिक कौशलों को लेकर आश्चर्य हो जाते हैं, क्लब के अध्यक्ष सुभाष शर्मा ने कहा।

अभिभावक, शिक्षक सब खुश
लिटिल फ्लावर स्कूल में पढ़ने वाले हंषित के पिता भारत रोहित उड़ान समन्वयकों से प्राप्त होने वाले कार्यपत्रकों की प्रशंसा करते हैं। इससे हमें भी नई चीजें सीखने को मिलती है। ध्वन्यात्मक कार्यपत्रों के माध्यम से मैंने अंग्रेजी के बहुत से नए शब्द सीखे हैं, उन्होंने कहा।

डॉ. होमी भाभा प्राथमिक शाला में पढ़ने वाली नव्या भगत की मां को उत्तेजित किया गया कि



वार्षिक उत्सव में एक छात्र और उसकी माँ के साथ प्रोजेक्ट उड़ान की चेंबरमैन कल्या रच्छ।

उनकी बच्ची मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही थी। इतने बड़े मौके पर इतने बड़े मंच पर मेरी बेटी को देखकर मुझे गर्व महसूस होता है। उमा विद्यालय का कुंज जोशी उड़ान कक्षाओं में भाग लेने के लिए उत्सुक है और वह कक्षा कभी नहीं छोड़ता क्योंकि इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, उसके पिता विशाल जोशी ने कहा। स्कूल की प्राध्यापिका गीता गांधी ने कहा कि शिक्षक भी सत्रों का अवलोकन करते हैं और उन्हें यह रोचक लगता

है। अब तक इन कक्षाओं में कोई भी अनुपस्थित नहीं रहा।

लिटिल फ्लावर स्कूल की एक शिक्षिका दर्शना ने कहा, हमने अपने नियमित विषयों को पढ़ाने के लिए उड़ान तकनीकों को अपनाना शुरू कर दिया है और यह पद्धति बिल्कुल सही है क्योंकि इससे विद्यार्थियों को सिद्धांतों को समझकर उसका इस्तेमाल करने में आसानी महसूस होती है। अगले 4-5 वर्षों में, उड़ान कक्षाएं विद्यार्थियों पर एक गहरा प्रभाव डालेंगी, अदिति विद्यालय

के प्रधानाचार्य कौशिक अमीन ने कहा।

परियोजना से प्रभावित होकर, डीजी अनीश शाह ने विश्वास दिलाया कि अगले रोटरी वर्ष से पूरे मंडल में उड़ान परियोजना शुरू की जाएगी। रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो के सदस्य PRID मनोज देसाई और उनकी पत्नी शर्मिष्ठा ने इस परियोजना में बड़ी रुचि दिखाई है और एक प्रेरक बल के रूप में, वह समस्त गुजरात में इस शैक्षिक परियोजना को बढ़ावा देने में हमारी मदद कर रहे हैं, कल्या ने कहा। ■

दूर-दराज स्थित गाँव को मिला हैप्पी स्कूल

टीम रोटरी न्यूज



DG देवाशीष दास (दाएँ से चौथे) स्कूल में बच्चों को उपहार वितरित करते हुए।

रोटरी क्लब सिलीगुड़ी ग्रीन, रोई मंडल 3240 के रोटेरियन के अथक प्रयासों से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित लहारू बस्ती प्राइमरी स्कूल,

हैप्पी स्कूल में तब्दील हो गया है। अब 1,850 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले हुए सुदूर स्थित आदिवासी स्कूल में मजबूत परिसर की दीवार तथा गेट के साथ कक्षाएँ हैं। कक्षाओं को पेंट किया

गया है, पंखे लगाये गए हैं, ब्लैकबोर्ड्स लगाए गए हैं, खेल के मैदान बनाये गए हैं और उपकरण स्थापित किए गए हैं। राजगंज के विधायक खगेश्वर राय, जिन्होंने पुनर्निर्मित स्कूल का उद्घाटन किया, ने क्लब के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, उन्होंने गाँव को एक शानदार उपहार दिया है, और ग्रामीणों को इसे मेंटेन रखना चाहिए।

डी जी देवाशीष दास ने स्कूल में छात्रों तथा अभिभावकों से बातचीत की और बच्चों को टी-शर्ट और किताबें बांटी। जिला शिक्षा अधिकारी राजीव चक्रवर्ती ने कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि राज्य के इस हिस्से में

स्थित एक उपेक्षित प्राथमिक स्कूल को इतने शानदार तरीके से फिर से बनाया जा सकता है। रोटरी को पोलियो उन्मूलन हेतु जाना जाता है, लेकिन आज रोटेरियन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका संगठन शिक्षा क्षेत्र हेतु भी समर्पित है।

प्रोजेक्ट के चेयरमैन अभिषेक गर्ग ने कहा, छात्रों के नामांकन में सुधार हुआ है और हमें स्कूल में और अधिक सुविधाओं में सुधार की उम्मीद है। परियोजना पर ₹400,000 से अधिक खर्च किया गया था और क्लब के अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल को उम्मीद है कि ग्रामीण अपने बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रेरित होंगे। ■

रोटरी ने मुंबई के एक स्कूल में खोला रोबोटिक सेंटर

रोटरी क्लब मुंबई नॉर्थ आईलैंड, रोई मंडल 3141 द्वारा डी एस हाई स्कूल, सायन-धारावी में एक रोबोटिक्स लैब स्थापित की गई, जिसके लिए अनुदान देने हेतु राजेंद्र और शुभलक्ष्मी छपवाले एंडोमेंट फंड तथा ट्रस्टियों में से एक ट्रस्टी गुलाम वाहनवती को धन्यवाद।

उर्मिला प्रभु, क्लब की अध्यक्षा ने कहा कि, रोबोटिक्स के अत्याधुनिक इनोवेशन सेंटर, आईओटी और 3-डी प्रिंटिंग का विचार पहली बार एकेएस सदस्य रोटेरियन राजेंद्र छपवाले द्वारा रखा गया था, जिन्होंने इस तरह के भविष्य केंद्र की आवश्यकता महसूस की तथा परियोजना की सफलता के लिए तहे दिल से प्रोत्साहित किया।



रोबोटिक्स सेंटर में DG हरजीत सिंह तलवार, रोटेरियन राजेंद्र छपवाले और गायक शंकर महादेवन।

उन्होंने प्रोजेक्ट अध्यक्ष भूपेंद्र शाह के साथ मिलकर स्कूल में सुविधा स्थापित करने का काम किया।

रोबोटिक सेंटर का उद्घाटन डीजी हरजीत सिंह तलवार ने पार्श्व

गायक शंकर महादेवन और रोटेरियन की उपस्थिति में किया। 3,500 से अधिक छात्रों के साथ, डी एस हाई स्कूल महाराष्ट्र के सबसे बड़े सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में से एक है

और इसमें ज्यादातर वंचित परिवारों के छात्र पढ़ते हैं। उर्मिला ने कहा कि, इस स्कूल में बच्चों को बुनियादी कंप्यूटर या लैपटॉप की भी कोई सुविधा नहीं है। इसलिए यह केंद्र उनके लिए बहुत बड़ा वरदान साबित होगा।

सेंटर का उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स की मूल बातों से परिचित कराना तथा अनुप्रयोग-उन्मुख कार्यप्रणाली के माध्यम से नवीन सोच की आदत को विकसित करना है। सेंटर में एक दिन में 30 छात्रों के पांच बैचों को संभालने की क्षमता है। सफल समापन पर, छात्रों को डिप्लोमा प्रमाण पत्र दिया जाएगा जो उन्हें इंडस्ट्री में नौकरी पाने में मदद करेगा। ■

सुनिश्चित करना की बच्चों को आए सुखद नींद

जयश्री

हमें किसी बच्चे को शांति से सोते हुए देखकर अत्यंत खुशी मिलती है। लेकिन दुर्भाग्य से, बहुत से बच्चे अच्छी नींद का आनंद नहीं ले पाते हैं। रोटरी क्लब पुणे कैंटोनमेंट, रो ई मंडल 3131 के अध्यक्ष, सरफराज पोतिया कहते हैं, हम बच्चों, यहां तक कि शिशुओं को, प्लेटफार्मों और अन्य गंदी जगहों पर सोते हुए देखते हैं, और ज्यादातर बेडशीट के सिर्फ टुकड़े पर सोते हुए दिखते हैं।

यह विचार पिछले 25 वर्षों में क्लब के लिए प्रेरक रहा है, जो अपने प्रोजेक्ट चिल्ड्रन ब्लिस के तहत अल्पसुविधा-प्राप्त परिवारों के छोटे बच्चों को स्लीपिंग किट वितरित करता है।

स्लीपिंग चिल्ड्रन अराउंड द वर्ल्ड (एस सी ए डब्ल्यू) इस प्रोजेक्ट को प्रायोजित करता है जबकि क्लब लाभार्थी बच्चों तथा उत्पादों के लिए स्रोत की पहचान करता है। प्रत्येक किट में गद्दे, मच्छरदानी, कपड़े, जूते और कुछ स्कूल की आपूर्ति सहित 28 आइटम होते हैं। रोटेरियन स्थानीय स्तर पर और रियायती मूल्य पर ये सभी वस्तुएं खरीदते हैं। पोतिया कहते हैं, यह हमारा 26वां वर्ष है। हमने पुणे और सांगली के आसपास के जेडपी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच ₹1.52 करोड़ की 8,000 किट वितरित की हैं। एस.सी.ए.डब्ल्यू के सात स्वयंसेवक टोरंटो, कनाडा से पुणे आए थे, और उन्होंने बच्चों के साथ बातचीत



रोटेरियनों द्वारा एक स्कूल में स्लीपिंग किट का वितरण।

करके उनकी ज़रूरतों और सपनों को समझा।

पोतिया कहते हैं, पुणे एस सी ए डब्ल्यू के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विचार इसके संस्थापक

हम ड्राइडन के सपने में

सहयोगी हैं - एक ऐसी दुनिया

जिसमें हर बच्चा संभावनाओं और

वादों के दिन में तरोताजा और

ऊर्जावान होकर जागता है।

सरफराज पोतिया

AUjj, anQar Šb~
nU HsQmZ 'Q

मुर्ने ड्राइडन को यही से आया था। पूर्व ईट विक्रेता ड्राइडन, अपनी पाकिस्तान की यात्रा के दौरान सड़क पर सो रहे एक बच्चे को देखकर हैरान रह गए और 1970 में पत्नी मारिगट के साथ मिलकर एक वैश्विक आंदोलन शुरू किया, जिससे बच्चों को बेहतर नींद मिल सके। वो सबसे पहले सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए 50 स्लीपिंग किट खरीदने और देने के लिए पुणे आए और आज दुनिया भर में स्लीपिंग बच्चों के लिए 2,000 स्वयंसेवक अपना समय तथा ऊर्जा समर्पित करते हैं।

पोतिया ने एक घटना के बारे में बताया जब ड्राइडन के बेटे डेव 1992 में स्कूली बच्चों को स्लीपिंग किट वितरित करने के लिए इंडिया

के एक गांव आए हुए थे। वह आगे कहते हैं, वो स्थानीय बच्चों द्वारा झेली जा रही परेशानियों को देखने के लिए वो एक पास के स्कूल में गए और एक कक्षा में अपने पिता के चित्र को दीवार पर लटका हुआ देखकर हैरान रह गए। बच्चों को बेड किट देने के लिए ड्राइडन पिछले साल गाँव में आए हुए थे। उन्होंने अपने घर से 8,000 मील दूर इस प्रोजेक्ट के प्रभाव की कल्पना की।

पोतिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट हर सदस्य के दिल के करीब है। हम ड्राइडन के सपने में सहयोगी हैं - जो एक ऐसी दुनिया की कल्पना करती है जिसमें हर बच्चा संभावनाओं और वादों के दिन में तरोताजा और ऊर्जावान होकर जागता है। ■



हमारे समय की कहानियाँ

संध्या राव

रवांडा नरसंहार के बाद लिखी गई एक किताब
में लॉक डाउन में जी रही दुनिया के लिए बहुत
सारा ज्ञान, आराम और सावधानी मौजूद है

एंजेल तुंगाराजा तंजानियाई है। वह किगाली, रवांडा में अपने पति, पायस के साथ प्रतिनियुक्ति पर रहती है ताकि दो समूहों के लोगों के बीच मौजूद घृणा, जिसे राजनीति द्वारा अधिक हवा दी गई थी, के परिणामस्वरूप हुए नरसंहार के बाद इस छोटे राष्ट्र के पुनर्निर्माण में उनकी मदद कर सकें। अब हत्या समाप्त हो गई है और लोग न्याय और मेल-मिलाप की एक प्रक्रिया के माध्यम से खुद को बान्यारवांडा के रूप में देखने का प्रयास कर रहे हैं। एंजेल और पायस एक अपार्टमेंट परिसर में रहते हैं जहाँ दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोग रहते हैं जिसमें एक मिश्र वासी, एक जापानी अमेरिकी और यहाँ तक कि एक उख- एजेंट, जो शंका ना करने वाली अपनी पत्नी से एक बड़ा रहस्य छुपा रहा है हालाँकि उस ईमारात में वह रहस्य सबको पता है, शामिल है। यह व्यापक रूप से कहा जाने वाला एक ऐसा मंच है जहाँ से गेल पार्किंस का मुंह में पानी ला देने वाला हालाँकि विरोधाभासी शीर्षक, *बेकिंग केक्स इन किगाली*, सामने आया। और हाँ, एंजेल एक बेकर है।

इससे पहले कि हम बेकिंग की गरमागरम खुशबू को महसूस करें, इस बारे में बात करते हैं कि इस समय यह किताब क्यों, और क्यों यह किताब हमारे समय के लिए है। आखिरकार, यह कुछ 11 साल पहले प्रकाशित हुई थी। खैर, कई कारण हैं कि यह किताब खुद को याद रखने (मेरे मामले

में) और पढ़ने (यदि आपने पहले ना पढ़ी हो तो) की सलाह देती है। किसी के लिए, मेरे पास जो इसकी प्रति है, उसमें एक अद्भुत आकर्षक कवर है, पूरा गुलाबी और सुनहरा! अधिक उल्लेखनीय रूप से, यह किसी छोटे से देश के इतिहास में एक विशेष रूप से दर्दनाक समय की याद दिलाती है, जो अविश्वसनीय रूप से एक विशाल अनुपात द्वारा प्रसिद्ध थी, काफी हद तक वैसी स्थिति जिसमें हम आज हैं, जहाँ सिर्फ निराशा ही दिखाई देती है।

जैसे ही आप पन्ने पलटते हैं और किताब को पढ़ने लगते हैं, तो शब्द और तस्वीरें अपना जादू बिखेरते हुए आपकी चेतना में समाने लगते हैं, आपका सामना कई परिचित और अपरिचित संरचनाओं और स्वाद से होता है जो आपकी जीभ और स्वाद-कलियों को उत्तेजित करते हैं। एक उदाहरण उस मवायरसफ का है जिसका लगातार जिक्र हो रहा है जो कई लोगों की जान ले लेता है, जिनमें एंजेल के बच्चे भी शामिल हैं जो उसके पास लालन-पालन के लिए पांच पोते-पोतियाँ छोड़ गए हैं।

जैसा कि एंजेल एक केक का ऑर्डर देने हेतु आई एक राजदूत की पत्नी को बताती है, हमारे बच्चों को छीन लिया गया और हमें एक बार फिर अपने पोते-पोतियों का माता-पिता बना दिया गया। यह एक बन्दूक की गोली हो सकती है। यह रक्तचाप हो सकता है। लेकिन ज्यादातर मामलों में यह वायरस होता है। एंजेल को चिंता है कि अगर

उसकी दोनों पोतियों ने सावधानी नहीं बरती, तो वे इस वायरस का शिकार हो जाएंगी। सौभाग्य से, वह ओडीले से मिली, जो वायरस से संक्रमित लोगों के एक केंद्र में काम करने वाली एक नर्स है। ओडीले अपने भाई के लिए केक का ऑर्डर देती है और बातचीत के दौरान जब एंजेल लड़कियों से संबंधित अपनी चिंताओं को स्वीकार करती है, तो ओडीले उसे अपने केंद्र में बच्चों को भेजने के लिए आमंत्रित करती है जहाँ, वह कहती है, वह उनसे बीमारी और सेक्स के बारे में बात कर सकती है, और उनके सवाल के जवाब दे सकती है। हाँ, जिस वायरस के बारे में बात हो रही है वह AIDS/HIV है। घटनाओं, विचारों, रीति-रिवाजों, सोचने के तरीकों... के साथ पहचान करने के लिए बहुत कुछ है क्योंकि आप देखने और विश्वास करने के कई अलग-अलग तरीकों की खोज करते हैं।

यह गेल पार्किंस की पहली पुस्तक है। अपनी बढ़ती उम्र का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका में बिताने के बाद, वह नरसंहार के बाद बची महिलाओं और बच्चों के बीच रवांडा में काम करने चली गई। BookBrowse में प्रकाशित एक ऑनलाइन साक्षात्कार में, वह बताती है कि उन्होंने इस पुस्तक को कैसे लिखना शुरू किया: रवांडा “मेरे समय ने मुझे उन चीजों से भर दिया, जो मुझे कहना चाहिए था, ऐसी चीजें जिसे लोग वास्तव में मुझे कहते हुए सुनने के इच्छुक नहीं थे, क्योंकि वे उस जगह के बारे में जो कुछ भी जानना चाहते थे वह सब वे पहले से जानते थे: कि वह अंधकारमय, उजाड़, भयावह थी। मैं चाहती थी कि वे बहुत बड़ा सच जानें: कि जीवन और उम्मीद खत्म नहीं होते; कि लोग अभी भी जश्न मनाने के अनगिनत

कोई व्यक्ति जो एंजेल और पायस के साथ

गिकॉन्नोरो में उस जगह का दौरा करता

है, वह आगंतुकों की पुस्तक में मनेवर

अगेनफलिखता है, जो स्पष्ट रूप से

नरसंहार के संदर्भ में होता है।



कारण टूटते हैं; यह कि मैंने वहाँ इतनी खुशियाँ बांटी हैं जितनी और कहीं भी नहीं बांटी। मुझे ऐसा लगा कि उपन्यास ही एकमात्र तरीका है जिससे मैं यह सब बता सकती हूँ।”

इस अतिमहत्वपूर्ण कहानी में कई कहानियाँ साझा की गई हैं: जब ग्राहक एंजेल का केक ऑर्डर फॉर्म भरते हैं, वे आराम से मीठी मसालेदार चाय पीते हैं, केक के एक एल्बम को सरसरी निगाह से देखते हैं और अक्सर एक दूसरे को अपनी कहानियाँ सुनाते हुए बातचीत करते हैं। यह एक स्नेही, अंतरंग, सुरक्षित स्थान है और कई आगंतुक अनायास ही अपने गहन विचार साझा करते हैं। यह पेशेवर रूप से भी एंजेल के लिए काम करता है, क्योंकि उसे इस बात के संकेत मिलते हैं कि किस तरह का केक उसके ग्राहक की जरूरत और अवसर के अनुकूल होगा।

यदि यह सूत्रित लगता है, तो ऐसा नहीं है। सबसे पहले, केक का वर्णन स्वयं आकर्षक है। खाना पकाने के बारे में कुछ उपचारात्मक है, चाहे वह बेकिंग करना हो या रोटियाँ बेलना या प्याज काटना, विशेष रूप से तनाव या संकट के समय में। सामाजिक मीडिया को अभी स्कैन करें और देखें कि किसी ना किसी पाक विधि को लेकर कितनी चर्चा हो रही है, और कितने लोगों ने कबूल किया है कि वह फिर से रसोई में गए। कोविड-19

के बावजूद, हमारे सामने मुँह में पानी ला देने वाली पाक विधियाँ और खाने की तस्वीरें मौजूद हैं। इसलिए, *बेकिंग केक्स* में भी: यह उपचारात्मक है।

दूसरा, हमें पड़ोस में रहने वाले वास्तविक जीवन की कई झलकियाँ देखने को मिलती हैं; अक्सर एंजिल वह कड़ी होती है जिसने सबको एकसाथ बांधे रखा है। उसमें विश्वविद्यालय के प्रोफेसर्स का जिक्र है जिसमें प्रोफेसर पिछड़ी भी शामिल है, जो उद्यमिता सिखाते हैं और जो कभी-कभी थोड़े सैद्धांतिक हो सकते हैं, यही वजह है कि एंजल को छात्रों के एक समूह से बात करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिसने लड़कियों का एक समूह बनाया है जिसका नाम है गर्ल्स हूमीन बिज़नेस ताकि वे उद्यमी बनना सीख सकें; उसमें गिकॉनगोरो में एक हत्या स्थल की यात्रा भी की गई जहाँ 60,000 “लोगों को सुरक्षा के वादे से फुसलाया गया था, ताकि उन्हें घेरकर व्यवस्थित रूप से मारा जा सके...”

कोई व्यक्ति जो एंजेल और पायस के साथ गिकॉनगोरो में उस जगह का दौरा करता है, वह आगंतुकों की पुस्तक में मनेवर अगेनफ लिखता है, जो स्पष्ट रूप से नरसंहार के संदर्भ में होता है। पायस कहते हैं, ... अगर उन शब्दों का कुछ मतलब होता, तो हमारे पास आज जैसी जगह मौजूद नहीं होती..., जिसके जवाब में कहा जाता है, इसमें कोई शक नहीं कि भविष्य में किसी और जगह पर कोई और नरसंहार होगा, और इसके बाद कोई और व्यक्ति एक किताब में लिखेगा नेवर अगेन - और फिर से उन शब्दों का कोई मतलब नहीं होगा। एह, लेकिन कम से कम मैंने कुछ लिखा तो।

किसी और समय, सोफी नामक एक पड़ोसी एंजेल के साथ चाय पी रही है, जब ऊपर की बालकनी का दरवाजा खुलता है और कोई व्यक्ति सामने आता है। सोफी स्वयं को छिपाने की कोशिश करती है, यह समझाते हुए कि वह नहीं चाहती कि बालकनी वाला वह व्यक्ति उसे देखें जिसने उसे कुछ कंडोम के लिए पूछकर शर्मिंदा किया है। वह उसका काम करती है, लेकिन अब उससे आंख नहीं मिला सकती। जैसा कि वह एंजेल को बताती है, हर कोई जानता है कि जब कोई पड़ोसी आता है और आपसे थोड़ी चीनी मांगता

है, तो आप एक कप चीनी देते हैं। यह शिष्टाचार है। लेकिन कंडोम के लिए क्या शिष्टाचार है? आप कितने देते हैं?

अंधकारमय, दुःखद, फिर भी विचित्र और आकर्षक... यह किताब इन सबसे कई अधिक है। और हालांकि, लेखन में अलेक्जेंडर मैकल स्मिथ के लेखन जैसी जटिलता नहीं है, यह स्पष्ट है और सीधे दिल से अपील करता है। आप उन आवाज़ों की सच्चाई सुनते हैं, जिसमें से अधिकतर निश्चित रूप से खांडा में काम करने के पार्किस के व्यक्तिगत अनुभवों से उत्पन्न हुई है। हालाँकि यह एक काल्पनिक कृत्य है, फिर भी आप सभी को प्रारंभ से ही यह महसूस होता है कि ये वास्तविक लोगों की वास्तविक कहानियाँ हैं, जो आज उस दुनिया के लिए वास्तविक अर्थ रखती हैं जो आज एकसाथ उसी सच्चाई को महसूस कर रही है।

आज, हम सभी सामाजिक दूरी में जी रहे हैं, एक ऐसा अभ्यास जिस पर बहुत ही कम बात की जाती है। 2009 के साक्षात्कार में अफ्रीका के बारे में एक प्रश्न के लिए पार्किन्स की प्रतिक्रिया ने इसे परिप्रेक्ष्य में रखा जब वह “उबुन्दु” के बारे में बात करती हैं जो कोजा और जुलु में बोले जाने वाला एक शब्द और कई दक्षिणी अफ्रीकी भाषाओं की एक अवधारणा है: यह हमारी साझी मानवता और एक दूसरे के प्रति उदारता की आवश्यकता के बारे में है; यह एक समझ है कि दूसरों की मदद करने और उन्हें सशक्त बनाने में हम खुद की और हमारे पूरे समुदाय की मदद करते हैं और उसे सशक्त बनाते हैं; यह गरिमा, सम्मान और करुणा व्यक्त करता है कि मनुष्य के रूप में, हम स्वाभाविक रूप से आभारी और कृतज्ञ रहते हैं; और यह उस अंतर्संबंध की बात करता है जो सभी लोगों को बाकि अन्य लोगों से जोड़ता है। उबुन्दु का सिद्धांत व्यक्तिवाद और स्वार्थ के बिल्कुल विपरीत है... उम्मीद है कि घर पर रहना, अपने आप के और अपने जीवन के बारे में गहन चिंतन करना, हमें उबुन्दु के विचार को आत्मसात करने की तरफ ले जाएगा। *बेकिंग केक्स इन किगाली* निश्चित रूप से पाठक को उस दिशा में ले जाती है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका
और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अध्यक्ष मलोनी रवि वडलामणि को निदेशक मनोनीत घोषित करते हैं

टीम रोटरी न्यूज़

रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने घोषणा की कि पीडीजी रवि वडलामणि वडलामणि, रोई मंडल 3150, 2021-23 के लिए ज़ोन 4 एवं 7 के निदेशक मनोनीत है।

वडलामणि रोटरी क्लब गुंटूर, आंध्र प्रदेश, के एक सदस्य हैं और वर्ष 2001-02 के दौरान मंडल गवर्नर के रूप में सेवा दे चुके हैं।



उनकी पत्नी राज्यलक्ष्मी, रोटरी क्लब गुंटूर आदर्श की एक सदस्य, 2010-11 में मंडल गवर्नर थी।

वडलामणि अपने मंडल में विभिन्न जल योजनाओं को प्रदान करने, स्कूली आधारभूत संरचनाओं

को विकसित करने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें विभिन्न रोटरी पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं जिनमें सर्विस अबव सेल्फ, साइटेशन फॉर मेरीटोरियस सर्विस एंड डिस्टिंग्विश्ड सर्विस अवार्ड शामिल है।

दोनों ने सैन डिएगो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सभा में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक नेतृत्वकर्ता के रूप में सेवा दी और दोनों एकेएस सदस्य हैं। ■

रोटी क्लब भोपाल हिल्स, रोई मंडल 3040 ने अपने रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन प्रोग्राम के एक हिस्से के तहत बरखेड़ा बोंदर के एक शासकीय हाईस्कूल को जो भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित है उसे हैप्पी स्कूल में रूपांतरित कर एक नवीन रूप प्रदान किया।

क्लब के अध्यक्ष कर्नल जे. सी. शर्मा ने स्कूल के नवीनीकरण के लिए प्रायोजक के रूप में स्कूल के नवीनीकरण के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य के अनुरोध को प्राप्त किया। श्री शर्मा ने बताया - “जब मैंने अन्य सदस्यों के साथ स्कूल का विजिट किया तब मैंने स्कूल की सुविधाओं को पर्याप्त नहीं पाया। यहां लगभग 300 बच्चे पढ़ाई करते हैं। हमने इसमें अतिशीघ्र सुधार करने का निर्णय लिया।”

क्लब ने स्कूल में बिजली और पानी का कनेक्शन प्रदान किया, सीलिंग फैन और एलईडी लाइटें लगाईं, लड़कियों एवं लड़कों के लिए एक हैंडवाश स्थान और अलग-अलग शौचालय बनाए। फर्श और दीवारों पर नई टाइल्स लगाई गईं और पूरे स्कूल को पेंट किया गया। वेंटिलेशन की सुविधा देने हेतु कक्षाओं में

Rotary  PEOPLE OF ACTION

एक स्कूल का नवीनीकरण

टीम रोटरी न्यूज़



डीजी धीरन दत्ता ने हैप्पी स्कूल का उद्घाटन किया।

खिड़कियां लगाई गईं और बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्कूल के प्रवेश-द्वार पर एक लोहे का गेट लगाया गया। डीजीएन एम के मिश्रा एवं बरखेड़ा बोंदर के सरपंच श्री प्रेम बाई मीणा की उपस्थिति में डीजी धीरन दत्ता के द्वारा 20 दिनों के भीतर हैप्पी स्कूल का उद्घाटन किया गया।

श्री शर्मा ने बताया - “माता-पिता और उनके बच्चे जो उद्घाटन में आए थे, वे इस नवीनीकरण को देखकर उत्साहित हुए और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कहा कि इस नये माहौल में शिक्षा प्रदान करके उन्होंने एक नए उत्साह को महसूस किया है।” ■

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Montieth Road
Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians : 1,217,072

Clubs : 36,118

Districts : 525

Rotaractors : 174,030

Clubs : 10,495

Interactors : 336,421

Clubs : 14,627

RCC : 10,996

As on April 17, 2020

*Please note Interact clubs that have not reported Interact Adviser in the past two Rotary years, are placed in "Suspended" status effective Oct 1, 2019.

Membership Summary

As on April 1, 2020

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	*Interact Clubs	RCC
2981	114	4,924	267	48	38	223
2982	68	3,134	181	85	87	55
3000	130	5,510	523	188	253	211
3011	88	3,704	940	51	87	26
3012	102	3,765	946	53	69	59
3020	73	4,279	246	54	57	350
3030	94	5,098	688	102	161	287
3040	90	2,137	252	37	45	144
3053	64	2,826	489	19	39	103
3054	128	6,195	1,150	79	137	523
3060	96	4,532	668	56	60	143
3070	106	3,178	448	45	20	58
3080	84	3,489	324	90	138	115
3090	79	2,082	56	37	0	122
3100	100	2,688	382	13	14	146
3110	128	3,811	333	28	0	105
3120	79	3,348	470	43	18	53
3131	137	5,602	1,247	104	174	116
3132	85	3,569	383	33	81	158
3141	103	5,811	1,413	118	130	87
3142	93	3,403	713	79	118	65
3150	93	3,675	385	58	122	116
3160	72	2,511	171	28	3	83
3170	129	5,808	766	76	192	169
3181	81	3,593	347	63	192	118
3182	83	3,225	272	49	90	97
3190	129	5,145	758	137	133	60
3201	145	5,693	463	104	72	50
3202	130	5,319	329	86	243	46
3211	143	4,669	350	8	23	132
3212	103	4,224	333	101	187	146
3231	93	3,829	459	52	71	357
3232	127	5,192	903	129	185	92
3240	91	3,150	426	51	365	190
3250	102	3,954	709	62	63	182
3261	72	2,654	380	16	18	43
3262	106	3,737	449	46	36	77
3291	155	3,853	806	88	86	617
India Total	3,895	153,316	20,425	2,516	3,807	5,724
3220	71	1,994	285	83	123	73
3271	94	1,523	279	65	19	22
3272	150	1,821	313	52	15	43
3281	221	5,971	932	232	45	196
3282	165	4,460	529	186	39	44
3292	123	5,007	802	132	111	115
S Asia Total	4,719	174,092	23,565	3,266	4,159	6,217

Source: RI South Asia Office

ज्वेल ऑफ ह्यूमैनिटी, पोलियोप्लस के लिए एक ई-निलामी

टीम रोटरि न्यूज



राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान रचनात्मक रूझान के साथ, एक धन उगाहने वाली गतिविधि जिसे मानवता का गहना (ज्वेल ऑफ ह्यूमैनिटी) का नाम दिया गया, एक जूम ऑक्शन जिसे देश की समन्वयक आभा झा चौधरी, रो ई मंडल 3011 के नेतृत्व में उनके एन्ड पोलियो कैपेनियन के एक हिस्से के रूप में विश्व की सबसे बड़ी मील टीम द्वारा अप्रैल में आयोजन किया गया था।

पोलियोप्लस के लिए पैसे जुटाने के लिए डब्ल्यूजीएम टीम ने आभा के द्वारा हाथ से तैयार किए गए गहनों हेतु एक बड़ी निलामी (जूम ऑक्शन) का आयोजन किया। आभा ने बताया - “हमने इस सफलतापूर्वक डिजाइन किए गए क्लाउड नीलामी से ₹ 33.5 लाख से अधिक इकट्ठा किए।”

बहु-जिला कार्यक्रम के रूप में डब्ल्यूजीएम (www.wgmeal.com) को पोलियोप्लस के लिए पैसे जुटाने एवं जनता में रोटरि की पब्लिक इमेज

को बनाते हुए 83 देशों में संपन्न किया जा रहा है।

आभा जो एक टीवी एंकर, डायरेक्टर, लेखक होने के साथ ही साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, वो लॉकडाउन समय के दौरान गहनों को रचनात्मकता का आकार प्रदान प्रदान करते हुए अपने खाली समय का सदुपयोग करना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने हस्तनिर्मित गहनों को अपने लिए बनाया और उन्हें पहले पांच आइटम बेहद ही आकर्षक व सुंदर लगे और इसी कारण उन्हें इसी तरह की और अधिक आर्टवर्क को बनाने एवं डब्ल्यूजीएम बैनर तले पोलियो उन्मूलन हेतु पैसे जुटाने के लिए निलामी मंच में इसे बेचने का विचार उत्पन्न हुआ।

जूम क्लाउड की ताकत से अच्छे से वाकिफ होकर, एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस जिसने कि एक सुरक्षित इंटरनेट के मंच पर मीटिंग को सक्षम बनाया, उन्होंने अपने टीम से परामर्श लिया और जूम निलामी

अप्रैल माह में हुई। आरआईपीएन शेखर मेहता अपनी पत्नी के साथ, रो ई निदेशक कमल संघवी (सोनल के साथ), भरत पांड्या (माधवी के साथ), ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, रोटरि के ग्लोबल लीडर सहित निदेशक डेविड स्टोवेल, आरआरएफसी नैन्सी बाबी और ट्रस्टी नॉमनी अजीज मेमन सहित अन्य ने इस जूम निलामी ने हिस्सा लिया। लॉकडाउन के दौरान इस तरह के नवोत्थान के साथ आगे आने के लिए सभी ने डब्ल्यूजीएम टीम की प्रशंसा की।

आरआईपीएन मेहता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केवल यह एक सृजनात्मक प्रयास ही नहीं था बल्कि इस कोविड-19 के ब्रेकआउट के दौरान, “हमने पोलियो उन्मूलन मिशन को भूला नहीं है।” आभा ने बताया कि इस निलामी की मुख्य अतिथि एवं मोटिवेटर राशी मेहता थीं।

उद्घाटन में निलामी बोली के दौरान राशी ने कहा कि “मानवता को

स्पर्श करके सृजनात्मकता ने एक नए अर्थ को पाया है,” आरआईपीएन मेहता ने डब्ल्यूजीएम के लिए संस्थापक सदस्य सुसैन री, रो ई मंडल 9550, ऑस्ट्रेलिया को बधाई दी और प्रतिभागियों को “मित्रों खरीदी करो, खरीदी करो और अलविदा नहींफ कहकर और अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया।”

20 देशों के रोटरियनों ने इस ई-निलामी में भाग लिया और यह भी स्पष्ट हो गया कि विषम परिस्थितियों के बावजूद भी रोटरियन धन जुटाने के लिए इस कारण (पोलियो) से एक साथ मिलकर आगे आ सकते हैं। पहले दो घंटों में निलामी से लगभग 14,966 डॉलर एकत्र हुए, बिल गेट्स फाउंडेशन के आगे आने के बाद यह राशि बढ़कर 44,898 डॉलर हो गई दिन तक यह आंकड़ा और भी बढ़ रहा है। आभा ने कहा - “हम एक बड़े उद्देश्य के लिए जल्द ही इसी तरह के बड़े आयोजन को संपन्न करने के लिए आएंगे।” ■

हमारे पाठकों के लिए सन्देश

हमें पता चला है कि हम कुछ मंडल या क्लबों की बेहतर परियोजनाओं को इसलिए कवर नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि परियोजना की रिपोर्ट एवं तस्वीरें rotarynews@rosaonline.org पर भेजी जा रही है, जहाँ पर वे सदस्यता बकायों एवं अन्य प्रशासन संबंधी मामलों के संदेशों के बीच खो जाती है।

इसलिए हमने क्लबों द्वारा उनकी परियोजनाओं की रिपोर्ट एवं तस्वीरों को भेजने के लिए विशेष रूप से एक नई ईमेल आईडी बनाई है। इसलिए अब से इस सामग्री को rotarynewsmagazine@gmail.com पर भेजिये।

संपादक

जामनगर में MHM कार्यक्रम

टीम रोटरि न्यूज



एक सैनितरी पैड बनाने की कार्यशाला।

ए से बहुत से राक्षस हैं जिन्हें खदेड़े जाने की आवश्यकता होती है, मासिक धर्म से संबंधित लांछन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक वर्जनाओं से रोटरि क्लब जामनगर, रोई मंडल 3060, के सदस्यों को निपटना है ताकि कार्यशालाओं एवं MHM जागरूकता सत्रों की श्रृंखला के माध्यम से महिलाओं की मानसिकता को परिवर्तित करने में प्रगति की जा सके।

एक सरकारी स्कूल में ऐसे ही एक स्वच्छता सत्र में, रोटेरियनों ने जाना कि छात्राओं द्वारा व्यक्त किए गए मासिक धर्म संबंधी मुद्दों गंभीर एवं दिलचस्प दोनों थे। जहाँ सुविधाओं से वंचित बहुत सी लड़कियों के पास अंतर्वस्त्र एवं उचित कपड़ों जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी होती है, वहीं वे गंभीर रूप से कुपोषित भी होती हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे मासिक धर्म के दौरान स्कूल क्यों नहीं जाती, एक लड़की ने हमें बताया कि उनकी माताओं ने उनसे कहा है कि मासिक धर्म के दौरान बाहर निकलने से बुरी आत्माएँ आकर्षित होती हैं और वे उनके पीछे पड़ सकती हैं, एमएचएम परियोजना प्रमुख रक्षा जैन ने कहा। हमें हंसी आ गई कि भूल लगने जैसे कारणों से लड़कियाँ स्कूल नहीं आ रही हैं।

अंधविश्वास वर्ग-विशेष नहीं होता और वे शहरी परिवारों में भी देखने को मिलता है। महिला दिवस पर, महिला एवं पुरुष दोनों के लिए आयोजित किए गए MHM सत्र के बाद इरविन अस्पताल में स्तनपान कराने वाली माताओं को क्लब ने 400 पर्यावरण-अनुकूल एवं दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले सैनितरी पैड बांटे। लखोटा झील में हुए एक अन्य कार्यक्रम में, शिक्षक, वकील एवं डॉक्टरों जैसे अन्य पेशों के शिक्षित पुरुषों ने भी डॉक्टर उज्ज्वला साथाए, एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ, से सवाल पूछे जिन्होंने दोनों लिंगों के मध्य जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे सत्रों की आवश्यकता के बारे में समझाया।

पर्यावरण-अनुकूल समाधान

लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्होंने मिथकों एवं गलत धारणाओं को तोड़कर केवल आधी ही जंग जीती है, हम उन्हें एक स्वस्थ, उचित समाधान देने में पीछे रह गए क्योंकि सैनितरी पैड के उपयोग ने कुछ अहम सवालों को खड़ा कर दिया है। भारत में सैनितरी पैड के नियमित उपयोगकर्ता नौ लाख टन वजन के 43.3 करोड़ गंदे पैड उत्पादित करते

हैं, जो उनके पूरे जीवनकाल में 240 हेक्टेयर के भरावक्षेत्र को भरने के लिए पर्याप्त होता है। असल समस्या यह है कि पैड में मौजूद गैर-कार्बनिक तत्वों के विघटन को शुरू होने में 500 साल लगते हैं। और सबसे निराशाजनक बात यह है कि उसमें डाइऑक्सीजन होते हैं जो कैसरकारी होते हैं और धीरे-धीरे योनि के ऊतकों को नुकसान पहुंचाते हैं, रक्षा ने कहा जिनके MHM दल ने स्वस्थ, सस्ते एवं पर्यावरण-अनुकूल पैड बनाए हैं।

जल्द ही क्लब ने रिड्यूस्, रियूज और रिसाइकल (R3) पैड बनाना शुरू कर दिया - ऐसा बड़े पैमाने पर होने वाले थोक उत्पादन द्वारा संभव हुआ, जो कि रोई मंडल 3060 की प्रथम महिला स्वाति शाह की उदार मदद की बदौलत हुआ है। चूंकि ये पैड पर्यावरण-अनुकूल हैं, इसलिए ये कम कचरा उत्पादित करते हैं, सुरक्षित ढंग से इन्हें फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है और पुनर्चक्रित किए गए कपड़े से बने होने के कारण ये आर्थिक रूप से व्यवहार्य होते हैं, रक्षा ने कहा।

R3 कार्यशाला

क्लब ने R3 पैड्स को बनाने को लेकर आठ कार्यशालाएँ आयोजित की हैं और 140,000 के 2,250 ऐसे पैड्स लाभार्थियों को वितरित किए गए हैं। नौ महीनों में, R3 कार्यक्रम ने अकेले जामनगर ज़िले में 6,000 महिलाओं को लाभान्वित किया है।

हमारा कार्यक्रम केन्या जैसे देशों तक पहुँचा है और यह तो बस एक शुरुआत है क्योंकि भविष्य में हमारे लक्ष्य बड़े हैं। यह परियोजना हमारी एन्स की कड़ी मेहनत एवं उदार योगदानों के बिना संभव नहीं हो पाती। मासिक धर्म स्वच्छता पर ध्यान देने के दौरान, हम विकल्प पर भी ज़ोर दे रहे हैं और हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले अपशिष्ट को कम करके समस्या का समग्र रूप से हल निकाल रहे हैं और एक पर्यावरण-अनुकूल पहुँच को अपना रहे हैं, वह कहती है। ■

कोविड-19 के समय में सामाजिक जुड़ाव

शीला नाम्बियार

कोरोना के प्रकोप के इस समय में, हम सभी को सलाह दी गई है कि हम अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए मसामाजिक दूरी का अभ्यास करें। अगर हम मिलते भी हैं, तो हमें दूसरे मनुष्यों से कम से कम 6 फीट दूर रहना है। हम अपने दोस्तों से नहीं मिल सकते या समूहों में कहीं घूमने नहीं जा सकते। हम जश्न नहीं मना सकते, ना फिल्में/शॉपिंग/मॉल और अन्य स्थानों पर जा सकते हैं जहाँ

हम किसी प्रकार से अन्य लोगों से मिलते।

इस असामान्य स्थिति के पूरे वर्ष या कम से कम तब तक जारी रहने की संभावना है जब तक कि वायरस के लिए एक सुस्थापित रोकथाम और इलाज ना मौजूद हो।

सवाल यह है कि जहाँ सामाजिक दूरी हमें इस महामारी से बचा रही है, वहीं लंबी अवधि में यह अर्ध-अलगाव हमें मानसिक और भावनात्मक रूप से कैसे प्रभावित

करेगा? हम में से कुछ लोग पहले से ही केबिन बुखार की तीव्र वेदना में हैं, अपने घरों में संवृतिभीत महसूस कर रहे हैं। दूसरे उदास, चिंतित और अकेला महसूस कर रहे हैं।

सच्चाई यह है कि मानव को खराब स्वास्थ्य से बचने के लिए सामाजिक जुड़ाव की आवश्यकता होती है। हमें अच्छे सामाजिक संबंधों, सहभागिता, मानवीय स्पर्श, स्नेह और प्रेम की आवश्यकता है।

हम निश्चित रूप से भाग्यशाली हैं कि हम आभासी तौर पर सहजता से जुड़ सकते हैं, लेकिन यह वैसा नहीं होता है। एक आभासी वार्तालाप निश्चित रूप से वास्तविक जीवन में दोस्तों के साथ होने जैसा नहीं होता है।

पर्सोन्ड सोशल आइसोलेशन

(कथित सामाजिक

अलगाव) - PSI

कथित सामाजिक अलगाव अकेले और अलग-थलग होने की भावना है। यह एक वास्तविकता हो सकती है (जैसा कि अभी है) या कोई ऐसी चीज़ जो व्यक्ति अकेला ना होने के बावजूद भी आंतरिक रूप से महसूस करता है। उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति भीड़ में भी अकेला हो सकता है। जिन लोगों को वास्तव में दूसरों के साथ जुड़ने में परेशानी होती है, उन्हें आज और भी बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

अलगाव की इस भावना का प्रभाव जो आज बहुत से लोग

अनुभव कर रहे हैं उसे कम करके नहीं आंका जा सकता है और मुझे संदेह है कि मानसिक और भावनात्मक परेशानियाँ जैसे अवसाद और चिंता अगली सूनामी होगी जो हमें कोरोना के बाद निगल सकती है।

अच्छे गुणवान संबंध

मायने रखते हैं

यह आपके दोस्तों की संख्या नहीं बल्कि रिश्तों की गुणवत्ता है जो वास्तव में मायने रखती है। यदि आपके पास एक भी अच्छा रिश्ता/दोस्ती है, जिसमें आप पूरी तरह से अतिसंवेदनशील, आरामदायक और वास्तविक हो सकते हैं, तो यह आपके जीवन की गुणवत्ता में भारी बदलाव लाता है। जो लोग सामाजिक तौर पर परिवार, दोस्तों और समुदाय से बेहतर रूप से जुड़े होते हैं वे लंबे समय तक जीवित और खुश रहते हैं।

अकेलेपन पर कई अध्ययनों का विश्लेषण करते हुए, लेखक ए बी भट्टी और ए यू हक ने सामाजिक अलगाव और मानव भलाई पर इसके प्रभावों को देखा। जिन तंत्रों के माध्यम से झड़ख स्वास्थ्य को प्रभावित करता है वे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों होते हैं और हार्मोनल, न्यूरोनल, व्यावहारिक, भावनात्मक या आनुवांशिक हो सकते हैं। शारीरिक अलगाव की वजह से रक्तचाप में परिवर्तन, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य में गिरावट (विशेषकर बुजुर्गों



में), नींद की समस्या, अवसाद, आत्महत्या के खतरे एवं आत्महत्या के विचार में वृद्धि, खाने की खराब आदतें और व्यसन जैसे विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

हम इस मसामाजिक रूप से अलगगदुनिया से जुड़े रहने के लिए क्या कर सकते हैं?

वर्तमान स्थिति के बावजूद भी झूझ को रोकने और जुड़े रहने के लिए यहाँ कुछ विचार दिए गए हैं।

- समझें और स्वीकार करें कि वर्तमान स्थिति आपके नियंत्रण से बाहर है। वह इकलौती चीज जिसे आप नियंत्रित कर सकते हैं वह है इसके प्रति आपकी प्रतिक्रिया। वर्तमान के बारे में चिंता करने से कोई लाभ नहीं है और एक धूमिल भविष्य की उम्मीद करना, (जो अभी तक नहीं आया है) व्यर्थ है। इसके बजाय आप इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप क्या नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे किस तरह सुरक्षित रहें और प्रतिक्रिया में सुधार करें।
- **दैनिक आधार पर अपने लिए एक दिनचर्या स्थापित करें।** इसमें गृहकार्य, खाना पकाना, घर से काम करना, किराने की खरीददारी, आभासी समूहीकरण, आभासी व्यायाम कक्षाएं, वेबिनार और कार्य बैठकें शामिल हो सकती हैं। एक दिनचर्या, भले ही सरल हो, आपको झुंझाव्य पीड़ित अवस्था में जाने से बचाती है और आपको अधिक उत्पादक और नियंत्रित महसूस कराती है।

— सबसे महत्वपूर्ण, किसी व्यक्ति (या कुछ व्यक्तियों) के साथ एक ऐसा संबंध स्थापित करें जिसके साथ आप वास्तव में सहज और वास्तविक हो सकते हैं। नियमित आधार पर उनके साथ आभासी रूप से जुड़ें और उनके साथ अपने किसी भी डर या चिंता पर बात करें, यदि कोई हो तो।

— **अकेले रहने वाले या संपर्क की शुरुआत** करने में संकोच करने वाले व्यक्तियों के साथ एक साधारण कॉल या संदेश के माध्यम से जुड़ें। दूसरों की मदद करना अर्थ और भलाई की भावना रखने वालों के लिए बेहद फायदेमंद है।

— **वास्तविकता के प्रति सचेत रहें।** इस तरह का लॉकडाउन और अलगाव निश्चित रूप से चिंता की भावनाओं को पैदा कर सकता है। इस तरह के एक असामान्य समय में यह एक सामान्य प्रतिक्रिया है। जब आप चिंतित और बेचैन होते हैं तो स्वयं को शांत रखने के लिए भोजन, शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का उपयोग करने की प्रवृत्ति कई गुना बढ़ जाती है। इस बारे में पूरी तरह से सचेत रहें और एक अनियंत्रित गिरावट से बचने के लिए बेहतर विकल्पों, (जैसे व्यायाम, ध्यान, संगीत) का उपयोग करें।

— **नियमित रूप से व्यायाम कर** - यदि आपके पास घर में कसरत करने के उपकरण मौजूद हैं तो दिन का एक घंटा व्यायाम करने के लिए दीजिए। ऑनलाइन बहुत सारी आभासी

व्यायाम कक्षाएं उपलब्ध हैं। इनका लाभ उठाएं। व्यायाम चिंता को दूर करता है और बेहतर ढंग से आपकी मनोदशा एवं सकारात्मक भावना में सुधार करता है। अपने मूड को अच्छा रखने के लिए आपको हर तरह की मदद की आवश्यकता पड़ सकती है।

— **सकारात्मक भाव का विकास करें।** आप आश्चर्यचकित हो सकते हैं कि कोई व्यक्ति कैसे सकारात्मक भावना मविकसित कर सकता है और क्यों? सकारात्मक भावना उचित रासायनिक संतुलन और मस्तिष्क से निकलने वाले न्यूरोन द्वारा उत्पन्न एक भाव है। वास्तविक सामाजिक संबंधों को स्थापित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सकारात्मक भावना उत्पन्न करना महत्वपूर्ण है। जब आप उदास या चिंतित होते हैं, तो दूसरों के साथ जुड़ना मुश्किल होता है और एक दुष्चक्र की शुरुआत होती है। सकारात्मक भावना को बढ़ाकर, आप विश्वसनीय ढंग से दूसरों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं।

— **सेहतमंद खाएं** - सुविधाजनक भोजन का आनंद उठाना आकर्षक होता है। यह ज्यादा खाने या पीने के लिए एक बहाना भी हो सकता है। स्वस्थ भोजन केवल वजन नियंत्रण के बारे में नहीं है, बल्कि यह आपके पेट को स्वस्थ रखने की कुंजी है। एक स्वस्थ पेट आपके मस्तिष्क को प्रभावित करता है, अवसाद को

जो लोग नियमित रूप से आभार को महसूस और व्यक्त करते हैं वे अधिक खुश रहते हैं।

रोकता है, सकारात्मक भावना को बढ़ाता है और विचार की स्पष्टता में मदद करता है। इस तरह के समय में स्वच्छ भोजन करना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

— **आभारी रहें** - आभार व्यक्त करना (उदाहरण के लिए आभार पत्रिका में) सकारात्मक भावना को बेहतर बनाने में काफी मददगार होता है। शोध से पता चला है कि जो लोग नियमित रूप से आभार को महसूस और व्यक्त करते हैं वे अधिक खुश रहते हैं।

जबकि यह हम सभी के लिए एक परीक्षा की घड़ी हो सकती है, हम इसका उपयोग चिंतन करने, आत्मविश्लेषण करने और अपने आप से जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों को पूछने के लिए कर सकते हैं। हम इसका सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं और कुछ साधारण आदतों के साथ सामाजिक दूरी और अलगाव के बावजूद जुड़े रह सकते हैं।

लेखिका एक जीवन शैली चिकित्सक हैं।
sheela.nambiar@gmail.com
www.drsheelanambiar.com

एक कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी शॉप

रोटरी शॉप ने 1 अप्रैल 2020 से कार्य करना बंद कर दिया है। हमारे लोकप्रिय प्रकाशनों के डिजिटल संस्करण रोटरी वेबसाइटों पर उपलब्ध होंगे, जिसमें माय रोटरी और रोटरी लर्निंग सेंटर भी शामिल है। रोटरी-ब्रांडेड उत्पाद सीधे माय रोटरी के माध्यम से उपलब्ध लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से खरीदे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, rotarysupportcenter@rotary.org पर संपर्क करें।



दाएं से बाएं: बैंगलोर में मेजर गिफ्ट इनिशिएटिव मीट में पीडीजी गण सैम पातीबंडला, गणेश भट, रमेश अग्रवाल, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर, RISAO इंटरनेशनल फण्ड डेवेलोपमेंट, मैनेजर शकुंतला राहा और पाओला रविशंकर।

अनुदान की रिपोर्ट करने की आवश्यकताएं

रोटरी संस्थान (भारत) द्वारा भुगतान किए गए सभी वैश्विक अनुदानों (सामान्य/निर्देशित उपहार/सीएसआर) के लिए 31 मार्च 2020 तक की गतिविधियों के लिए एक अंतरिम रिपोर्ट 31 मई 2020 तक देय है, और एक अंतिम रिपोर्ट परियोजना के पूर्ण होने के दो माह के भीतर जमा की जानी चाहिए। ऑनलाइन रिपोर्टों को जमा करने वाले क्लबों को सहायक दस्तावेज (मूल हार्ड प्रति), या इसका उलट भी प्रदान करना चाहिए। ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करने के साथ संस्थान में निम्न सहायक दस्तावेज जमा किए जाने की आवश्यकता है।

कोविड-19 के लिए सीएसआर निधि का व्यय

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, ने मार्च 23, 2020 को अपने सामान्य परिपत्र संख्या 10/2020 जारी करते हुए घोषणा की है कि कोविड-19 के लिए CSR निधियों का व्यय स्वास्थ्य सेवा, जिसमें निवारक स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और आपदा प्रबंधन शामिल है, को बढ़ावा देने से संबंधित अनुसूची तख्ख की मद संख्या (i) और (xii) के तहत CSR गतिविधि के लिए पात्र है।

क्लब/मंडल रोटरी के रोग निवारण एवं उपचार और जल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के तहत CSR योगदानों के लिए कॉर्पोरेटों तक पहुंच सकते हैं। परियोजनाओं को रोटरी के सीएसआर वित्त पोषित वैश्विक अनुदान के दिशानिर्देशों के तहत लागू किया जाएगा। किसी भी प्रश्न के लिए रोई दक्षिण एशिया कार्यालय के CSR कर्मचारियों से, Bhawna.verma@rotary.org या reeti.mondal@rotary.org पर संपर्क करें।

ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करने के साथ संस्थान में निम्न सहायक दस्तावेज जमा किए जाने की आवश्यकता है।

रिपोर्टिंग दस्तावेज	अंतरिम रिपोर्ट	अंतिम रिपोर्ट
ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करें	हाँ	हाँ
बिल/चालान/रसीदे अपलोड करें	आवश्यकता नहीं	हाँ
अंडरटेकिंग अपलोड करें	आवश्यकता नहीं	हाँ
लाभार्थी की जानकारी अपलोड करें	आवश्यकता नहीं	हाँ
सभी मूल हार्ड प्रतियों की आवश्यकता है		
मूल उपयोग प्रमाण पत्र और रसीदे/भुगतान विवरण	हाँ	हाँ
मूल/प्रमाणित सत्य प्रति में बैंक विवरण	हाँ	हाँ
प्रतिदाय, यदि कोई हो तो	आवश्यकता नहीं	हाँ

जल और स्वच्छता प्रमुख योगदान पहल

रोटरी संस्थान और डीजी समीर हरियानी, मंडल 3190, ने हाल ही में मेज़बान क्लब रोटरी क्लब बैंगलोर रीच आउट के साथ मिलकर, बैंगलुरु में जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए एक एरिया ऑफ़ फोकस मेज़र गिफ्ट इनिशिएटिव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यासी गुलाम वाहनवटी के साथ कॉर्पोरेट निकायों के प्रमुखों, प्रमुख दानकर्ताओं, रोटरी में मंडल और ज़ोन नेताओं ने शिरकत की। इसने स्थायी सामुदायिक विकास परियोजनाओं को लागू करने में कॉर्पोरेट इकाइयों के साथ साझेदारी करने हेतु रोटरी के लिए अवसर खोले। ■

On the racks

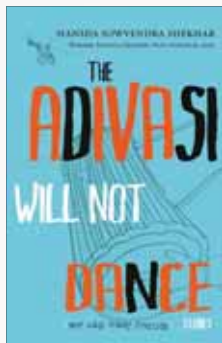


There's gunpowder in the air

Author : **Manoranjan Byapari**
Translated from Bengali
to English by Arunava
Sinha

Publisher : **Eka**
Pages : **178; ₹360**

It's the early seventies. The Naxalbari Movement is gathering strength in Bengal. Young men and women have left their homes, picked up arms to free land from the clutches of feudal landlords and the state, and return them to oppressed landless farmers. They are being arrested en masse and thrown into high-security jails. In one such jail, five Naxals are meticulously planning a jailbreak. They must free themselves if the revolution is to continue. But petty thief Bhagoban, much too happy to serve frequent terms for free food and shelter, has been planted by Jailor Bireshwar Mukherjee among them as a mole. Only, Bhagoban seems to be warming up to them. *There's gunpowder in the air* is a searing investigation into what deprivation and isolation can do to human idealism. And Manoranjan Byapari is one of the most refreshing voices to emerge from Bengal in recent times.



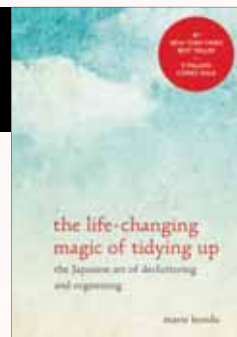
The adivasi will not dance

Author : **Hansda Sowvendra Shekhar**
Publisher : **Speaking Tiger Books**
Pages : **140; ₹237**

In this collection of stories, set in the fecund, mineral-rich hinterland and the ever-expanding, squalid towns of Jharkhand, Hansda Sowvendra Shekhar breathes life into a set of characters as robustly flesh and blood as the soil from which they spring, where they live, and into which they must sometimes bleed.

Troupe-master Mangal Murmu refuses to perform for the President of India and is beaten down; Suren and Gita, a love-blind couple, wait with quiet desperation outside a neonatal ward, hoping — for different reasons — that their blue baby will turn pink; Panmuni and Biram Soren move to Vadodara in the autumn of their lives, only to find that they must stop eating meat to be accepted as citizens; Baso-jhi is the life of the village of Sarjomdih but, when people begin to die for no apparent reason, a ghastly accusation from her past comes back to haunt her; and Talamai Kisku of the Santhal Parganas, migrating to West Bengal in search of work, must sleep with a policeman for ₹50 and two cold bread *pakor*as.

It is a mature, passionate, intensely political book of stories, made up of the very stuff of life. It establishes the author as one of our most important contemporary writers.



The life-changing magic of tidying up: the Japanese art of decluttering and organizing

Author : **Marie Kondo**
Publisher : **Ten Speed Books**
Pages : **258; ₹1,141**

Despite constant efforts to declutter your home, do papers still accumulate like snowdrifts and clothes pile up like a tangled mess of noodles?

Japanese cleaning consultant Marie Kondo takes tidying to a whole new level, promising that if you simplify and organise your home properly once, you'll never have to do it again. Most methods advocate a room-by-room or little-by-little approach, which helps you to pick away at your piles of stuff forever. The KonMari Method, with its revolutionary category-by-category system, leads to lasting results. None of Kondo's clients have lapsed (and she still has a three-month waiting list).

With detailed guidance for determining which items in your house “spark joy” (and which don't), this international best seller featuring Tokyo's newest lifestyle phenomenon will help you clear your clutter and enjoy the unique magic of a tidy home — and the calm, motivated mindset it can inspire.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S



रोटरी क्लब चिदंबरम सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

क्लब ने उप-कलेक्टर कार्यालय में एक प्रतीक्षालय और शौचालय खण्ड का निर्माण किया और परिसर में पेड़ लगाए। ₹ 1.5 लाख की लागत वाली इस परियोजना ने रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाया।

रोटरी क्लब पुदुक्कोट्टुई सिटी - रो ई मंडल 3000

क्लब के सदस्यों ने नज़दीकी गांवों का दौरा किया और लोगों को किराने का सामान वितरित किया क्योंकि लॉकडाउन के कारण इन दैनिक वेतन भोगियों की आजीविका प्रभावित हुई है।



रोटरी क्लब राजामुंडरी रिवर सिटी, रो ई मंडल 3020

लॉकडाउन की शुरुआत से ही हर दिन भोजन के लगभग 3,000 पैकेट तैयार किए जाते हैं और जरूरतमंदों को वितरित किए जाते हैं। क्लब सदस्यों के स्वामित्व वाले रेस्टोरेंट में भोजन तैयार किया जाता है और इस परियोजना का नेतृत्व एक -घड सदस्य वी. भास्कर राम कर रहे हैं।

रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन - रो ई मंडल 3011

क्लब ने पूर्व अध्यक्ष सतीश गोसाई, जिन्होंने 33,001 डॉलर दान किए, के नेतृत्व में एक वैश्विक अनुदान (61,501 डॉलर) की मदद से रोटरी ब्लड बैंक में थैलेसीमिया केयर सेंटर की स्थापना की। वैश्विक साझेदार रोटरी क्लब लातीना ने 28,500 डॉलर के टर्म गिफ्ट का योगदान दिया।



रोटरी क्लब चोपड़ा - रो ई मंडल 3030

क्लब ने तहसीलदार अनिल गावित को चोपड़ा और उसके आसपास की आशा कार्यकर्ताओं को देने के लिए 300 फेस मास्क सौंपे। कोरोनावायरस पर जागरूकता पैदा करने के लिए क्लब ने छह विज्ञापन बोर्ड लगाए हैं।



रोटरी क्लब इंदौर मेघदूत - रो ई मंडल 3040

पुलिस कर्मियों के समर्थन के साथ जनता को कोविड-19 और इससे बचने हेतु बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी वाले पैम्फलेटों के साथ मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए गए।



रोटरी क्लब जूनागढ़ - रो ई मंडल 3060

क्लब के सदस्यों ने 500 खाद्य पैकेट तैयार किए और नगरपालिका कर्मचारियों की मदद से फंसे हुए प्रवासी परिवारों को वितरित किए।



रोटरी क्लब अमृतसर नॉर्थ - रो ई मंडल 3070

पूर्व अध्यक्ष संजय मलिक द्वारा प्रायोजित डिसइन्फेक्टेंट की मदद से कटरा मोती राम कॉलोनी में एक सैनीटाइजेशन मुहिम चलाई गई जिससे 100 से अधिक घर लाभान्वित हुए। पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलदेव राज चावला और अन्य राजनीतिक नेताओं ने इस विशाल मुहिम में हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब जोधपुर मिडटाउन - रो ई मंडल 3053

चिलचिलाती धूप से पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए रोटेरियन महेंद्र जैन ने उन्हें 300 छतरियाँ वितरित कीं; भोजन के 20,000 से अधिक पैकेट वितरित किए गए। डॉक्टरों और पराचिकित्सकों को कोरोनावायरस से बचाने के लिए जिला अस्पताल को पीपीई किटें प्रदान की गईं।

रोटरी क्लब मसूरी - रो ई मंडल 3080

रोटरीयनों ने सिविल अस्पताल के सीएमओ, डॉ. प्रदीप राणा को चिकित्सा और एम्बुलेंस कर्मचारियों के उपयोग हेतु चेहरे के लंबे सुरक्षात्मक मास्क दिए। स्वच्छता कर्मियों के उपयोग के लिए इसी तरह के मास्क नगर पालिका कार्यालय को दिए गए।



रोटरी क्लब पदमपुर - रो ई मंडल 3090

कोरोनावायरस प्रकोप से समुदाय की रक्षा करने हेतु मास्क, साबुन, सैनिटाइजर और दस्ताने के साथ लगभग 250 स्वच्छता किटें वितरित की गईं। क्लब ने यह सुनिश्चित किया कि लगभग 220 दुकानों और वाणिज्यिक बिक्री केन्द्रों को डिसइन्फेक्टेंट द्वारा पूरी तरह से सैनीटाईज़ किया गया।



रोटरी क्लब मुरादाबाद ब्राससिटी स्टार्स - रो ई मंडल 3100

डॉक्टरों, प्राचिकित्सक कर्मचारियों, मरीजों और देखभाल करने वालों के लाभ के लिए शहर के सिद्ध अस्पताल के परिसर में एक डिसइन्फेक्टेंट सुरंग स्थापित की गई। यह सुविधा कोविड-19 के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करेगी।



रोटरी क्लब बरेली श्री - रो ई मंडल 3110

सरस्वती शिशु मंदिर में एक सामान्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 280 से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न बीमारियों के लिए परामर्श दिया गया। रोटरीयनों ने इस कार्यक्रम का संचालन किया जिसमें चिकित्सकों ने बच्चों की जाँच की और दवाएं लिखकर दीं।



रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल - रो ई मंडल 3120

रोटरी क्लब मुंबई नॉर्थ एंड, रो ई मंडल 3141 के सहयोग से हिंदू सेवा सदन अस्पताल में एक निःशुल्क मोलियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया गया। समाज के कमजोर वर्गों की महिलाओं पर सौ सर्जरियाँ की गईं। सर्जरी के बाद सभी रोगियों को दवाएं और चश्मे दिए गए।



रोटरी क्लब पनवेल एलीट - रो ई मंडल 3131

RAC पनवेल एलीट के सहयोग से 15 वंचित परिवारों को खाद्यान्न किटें दान की गईं। आशालय अनाथालय को लगभग 1.2 टन खाद्यान्न और आवश्यक सामग्री प्रदान की गई जिसमें 55 बच्चे हैं। रोटरी क्लब पनवेल हराइज़न के साथ मिलकर क्लब ने विधवाओं को खाद्यान्न किटें वितरित की ताकि लॉकडाउन की इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवारों की मदद की जा सके।



रोटरी क्लब बॉम्बे कीन सिटी - रो ई मंडल 3141

डीजी हरजीत सिंह तलवार ने एक विशाल चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया जिससे 2,500 लोग लाभान्वित हुए। स्थानीय अस्पतालों, स्वयंसेवी एजेंसियों, निजी फर्मों और रोटरेक्टर्स के साथ साझेदारी में यह शिविर पिछले 14 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है।



रोटरी क्लब

डोम्बिवली

इंडस्ट्रियल एरिया

रो ई मंडल 3142

सकारात्मक स्वास्थ्य परियोजना को बढ़ावा देने के लिए रोटरी हेल्थ सेंटर में डोम्बिवली के सभी रोटरी क्लबों द्वारा आयोजित एक स्वास्थ्य जांच शिविर में डीजी मोहन चंदावरकर ने

भाग लिया। 100 से अधिक लोगों में बीपी, शुगर और बीएमआई जैसे मूल तत्वों की जांच की गई।



रोटरी क्लब ग्रेटर हैदराबाद - रो ई मंडल 3150

रोटेरियन श्रीनिवास और उनके दोस्तों ने विजयवाड़ा में दिहाड़ी मजदूरों, यातायात पुलिस और स्वच्छता कर्मचारियों को भोजन, मौखिक पुनर्जलीकरण लवण और खाद्य सामग्री प्रदान करने के लिए ₹80,000 का योगदान दिया। क्लब के सदस्यों ने पीएम केयर्स फंड को ₹1.6 लाख दान दिए।



रोटरी क्लब करवर पश्चिम - रो ई मंडल 3170

इस क्षेत्र में चिकित्सा शिविरों की सुविधा के लिए एक अनुदान संचय समारोह के रूप में क्लब द्वारा आयोजित एक वॉकथॉन में लगभग 600 लोगों ने भाग लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब

रोटरी क्लब मैंगलोर मेट्रो - रो ई मंडल 3181

डीडीएफ अनुदान के तहत दायगोली के श्री साई सेवा प्रथिष्ठानम नामक एक वृद्धाश्रम को एक जनरेटर सेट दान किया गया था। इसके अलावा, क्लब ने अन्य मरम्मत कार्यों और घर के सामान्य प्रशासनिक खर्चों को पूरा करने के लिए ₹4.5 लाख दिए।



रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट - रो ई मंडल 3202

डीजी ए कार्तिकियन ने मंगलम पंचायत के आठ पीएचसीयों को ₹75,000 की लागत से अलमारियाँ और रसोई उपकरण दान किए। इसके अलावा, दो लाभार्थियों में से प्रत्येक को उनकी सर्जरी के लिए सहायता के रूप में ₹10,000 रुपये की राशि दी गई।

रोटरी क्लब तारिकेरे - रो ई मंडल 3182

एपीएमसी गेट जैसी एक व्यस्त जगह पर ₹ 1.5 लाख की लागत से एक डिसइन्फेक्टेंट सुरंग स्थापित की गई जिसमें से प्रतिदिन कम से कम 3,000 लोग गुजरते हैं। तीन महीने तक इसे क्लब द्वारा कायम रखा जाएगा।



रोटरी क्लब हरिपद - रो ई मंडल 3211

क्लब एक वृद्ध महिला और उसके 40 वर्षीय अपंग बेटे के लिए एक घर का पुनर्निर्माण कर रहा है जो थ्रिक्कुत्तापुज्हा में समुद्र के पास एक जर्जर मकान में रह रहे थे।



रोटरी क्लब कोयम्बटूर मेरीडियन - रो ई मंडल 3201

अपने चिह्नक प्रोजेक्ट फर्स्टस्टेप के तहत, क्लब ने फरवरी में वन केयर मेडिकल सेंटर में शारीरिक रूप से अक्षम चार बच्चों के लिए सुधारात्मक सर्जरियाँ प्रायोजित की। वे पूर्व में आयोजित एक जाँच शिविर से चुने गए 44 बच्चों में शामिल हैं।

रोटरी क्लब श्रीविल्लीपुटूर ग्रीन सिटी - रो ई मंडल 3212
विरुधुनगर में 50 दृष्टिबाधित लोगों को लॉकडाउन में राहत पहुँचाने के लिए किराने की वस्तुएं प्रदान की गई।



रोटरी क्लब रायगढ़ स्टील सिटी - रो ई मंडल 3261

सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में 400 जरूरतमंद परिवारों को किराने के थैले और सब्जियाँ वितरित की गई। प्रोजेक्ट चेयरमैन जयंत टेटवार को स्थानीय पार्षदों ने उनके प्रयास में समर्थन दिया।



रोटरी क्लब वेल्होर कॉसमॉस - रो ई मंडल 3231

रोटेरियनों ने लॉकडाउन के दौरान स्थानीय बाजार के सब्जी विक्रेताओं और एक वृद्धाश्रम को नाश्ता उपलब्ध कराया। उन्होंने स्वच्छता कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों को जलपान प्रदान किया और जरूरतमंदों को खाद्यान्न वितरित किया।



रोटरी क्लब परादीप - रो ई मंडल 3262

क्लब के सदस्य लॉकडाउन के बाद से भिखारियों, फुटपाथ पर रहने वालों, प्रवासी परिवारों और अन्य जरूरतमंद लोगों को दोपहर के भोजन के पैकेट वितरित कर रहे हैं क्योंकि उनके पास अपनी आजीविका को बनाए रखने का कोई साधन नहीं बचा था।



रोटरी क्लब सेंट्रल कलकत्ता - रो ई मंडल 3291

स्थानीय पुलिस और वार्ड पार्षदों की सहायता से कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में दिहाड़ी मजदूरों और उनके परिवारों को चावल, दाल, आलू, तेल, नमक और साबुन से युक्त 5,000 से अधिक राशन किटें प्रदान की गई।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रूपांकन

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय और अन्य संगठनों द्वारा कोविड-19 से प्रभावित समुदायों के साथ एकजुटता का संयुक्त कथन

पृथ्वी पर लगभग सभी समुदाय से निर्मित, किवानिस इंटरनेशनल, लायंस क्लब्स इंटरनेशनल, ऑप्टिमिस्ट इंटरनेशनल, और रोटरी इंटरनेशनल के सेवा क्लब एक दूसरे और हमारे पड़ोसियों के साथ संबंध स्थापित करने के लिए सुरक्षा और कर्मठता के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि हम कोविड-19 के प्रभावों का सामना करते हुए उसे हरा सकें। हम 3.2 मिलियन सदस्यों के अपने संयुक्त तंत्रों का लाभ उठा रहे हैं ताकि अलगाव और डर के प्रभाव को महसूस करने वालों को आराम और उम्मीद प्रदान कर सकें। और हम अपने सामूहिक कौशल, संसाधनों और विचारों को केन्द्रित कर रहे हैं ताकि सीमावर्ती स्वास्थ्य कर्मचारियों और प्रथम प्रतिक्रियादाताओं की सहायता कर सकें क्योंकि वे हमारी ज़िंदगियाँ बचाने के लिए इस बीमारी से लड़ रहे हैं।

अनिश्चितता के इन पलों में, आपके स्थानीय सेवा क्लब दुनियाभर के समुदायों को ठीक करने और फिर से पनपने में उनकी मदद करने के लिए नवीन तरीके खोजने की चुनौती को पूरा करने और पहले से कहीं अधिक एकजुट होने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक प्रयास प्रत्येक देश की कार्यवाही पर निर्भर करता है। कार्यवाही

करने वाले लोगों के रूप में, जरूरतमंद लोगों को त्वरित मदद पेश करने का यह हमारा आपस में जुड़ने का समय है।

मार्क डेनियल मलोनी
रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, 2019-2020

इस वैश्विक महामारी के स्तर और जटिलता को देखते हुए हमारी दुनिया के नागरिकों को विशेषज्ञों की सलाह और सतर्कता के साथ चलने की आवश्यकता है। हमारे सामूहिक सदस्यों एवं स्वयंसेवकों के कार्य और योजनाएं बंद नहीं होना चाहिए। संकट के बाद हमारी तत्काल प्रतिक्रिया विभिन्न सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के लिए स्थानीय सरकारों की प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए आवश्यक होगी जो इसके परिणामस्वरूप सामने आएंगी।

एड्रियन एल्कोक
ऑप्टिमिस्ट इंटरनेशनल अध्यक्ष, 2019-2020

बड़ी चुनौतियाँ हमें परखती हैं, लेकिन वे हमें साथ भी लाती हैं। लायंस सुरक्षित तरीके से सेवा करने के नए तरीके खोज रहे हैं। हमारे लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन ने कोविड-19 की अत्यधिक दरों का सामना करने

वाले समुदायों की सहायता के लिए एक मिलियन डॉलर से अधिक की राशि दान दी है, और प्रतिदिन अतिरिक्त अनुदान अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। हमारे समुदाय सेवा क्लबों पर निर्भर है, और हम वहाँ होंगे, उनका समर्थन करेंगे और उन्हें मजबूत बनाएंगे जैसा हम हमेशा करते हैं।

डॉ जुंग-यूल चोई
लायंस क्लब इंटरनेशनल अध्यक्ष, 2019-2020

इस कठिन समय के दौरान, हम दुनिया भर में प्रतिदिन वीरता देख रहे हैं। मैं हम सभी को स्वास्थ्य और सुरक्षा पेशेवरों का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ जो अपने स्वयं के स्वास्थ्य को हमारी भलाई के लिए जोखिम में डाल रहे हैं। शिक्षकों, किराना कर्मचारियों, डिलीवरी ड्राइवरों और अनगिनत पेशेवर जो घर में नहीं रह सकते हैं, किवानी परिवार उनको धन्यवाद देता है। हम सभी अपने दोस्तों और पड़ोसियों को सुरक्षित रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृपया विश्व स्वास्थ्य संगठन, आपकी स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियों और आपकी सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। कृपया, सुरक्षित रहें।

डैनियल विग्नरेन
किवानिस इंटरनेशनल अध्यक्ष, 2019-2020

संक्षेप में



प्रेम का कार्य

जब स्कूल लॉकडाउन के बाद फिर से खुलेगें, तो राजस्थान के सीकर जिले के पलसाना में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को एक सुखद आश्चर्य देखने को मिलेगा। स्कूल का एक नया रूप देखने को मिलेगा, जिसके लिए उन 54 प्रवासी मजदूरों

का धन्यवाद, जो लॉकडाउन के दौरान यहां रह रहे थे। उन्होंने इस मुश्किल वक्त में उनकी देखभाल करने हेतु उस समुदाय के आधार के रूप में अपने अस्थायी आश्रय यानि स्कूल की इमारत की मरम्मत, साफ-सफाई और पेंटिंग की है।



सोशल डिस्टेंसिंग के लिए छाता

केरल के अलप्पुझा जिले में थन्नेमुकोम ग्राम पंचायत निवासियों को फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाए रखने हेतु बड़े छातों का वितरण कर रही है, और अपने सभी 23 वार्डों में, मास्क के अलावा छातों का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। राज्य के वित्त मंत्री टी.एम.

थॉमस इससाक ने ट्वीट करके बताया कि दो खुले हुए छाते, जो एक दूसरे से दूरे हुए नहीं हो, न्यूनतम 1 मीटर की दूरी सुनिश्चित करेंगे। ओडिशा के गंजम जिले ने भी इस विचार को अपनाया है।



लड़की को बचाने के लिए पुलिस ने की कूरियर सर्विस

कड़े लॉकडाउन के बीच, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य की पुलिस ने मेपल सिरप यूनिट डिसऑर्डर से पीड़ित थेनी, तमिलनाडु की रहने वाली एक छोटी बच्ची के इलाज में मदद की। लॉकडाउन के दौरान बच्ची के लिए आवश्यक आहार अनुपूरक मेटा पोषक तत्व मिलना मुश्किल हो गया था, जिसे उसके माता-पिता कूरियर के माध्यम से बेंगलुरु से मंगा रहे थे। मां ने नोडल अधिकारी कविता से संपर्क किया, जिन्होंने बेंगलुरु में डीलर से संपर्क किया और शहर के पुलिस आयुक्त से मदद मांगी। उन्होंने पैकेट को होसुर चेक पोस्ट तक पहुंचाने की व्यवस्था की। थेनी का दो सदस्यीय दल 14 घंटे की यात्रा के बाद चेक पोस्ट पहुंचा और परिवार तक दवाइयाँ पहुंचाई, और उन्होंने सेवा के रूप में दवाइयों के लिए पैसे लेने से इंकार कर दिया।

शादी के बंधने के लिए 100 किलोमीटर की

साइकिल की सवारी

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से व्याकुल कल्लू प्रजापति (23) अपने गृह नगर, यूपी के हमीरपुर के पुठिया गाँव से 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर अपनी शादी के लिए पड़ोस के महोबा जिले के पुनिया गाँव पहुंचे। शादी गाँव के मंदिर में संपन्न हुई। प्रजापति के लिए वापस लौटने की यात्रा थोड़ी कठिन रही, क्योंकि उन्हें इस बार अपनी पत्नी को पीछे की सीट पर बैठाकर घर वापस आना था।



यूके के प्रधानमंत्री ने डॉक्टरों के प्रति व्यक्त किया सम्मान

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनके मंगेतर कैरी साइमंड्स ने अपने नवजात बेटे का नाम विल्फ्रेड लॉरी निकोलस जॉनसन रखा है। बता दें कि विल्फ्रेड नाम जॉनसन के दादा और लॉरी कैरी के दादा के नाम पर रखा गया है, जबकि मिडिल नाम निकोलस दो डॉक्टरों - निक प्राइस और निक हार्ट के सम्मान में रखा गया था - जिन्होंने प्रधानमंत्री जॉनसन का इलाज किया था, जब वो कोरोनावायरस संक्रमण से पीड़ित थे। अपनी स्थिति में सुधार से पहले उन्होंने अप्रैल की शुरुआत में गहन देखभाल में तीन रातें बिताईं।

Renew your Magazine Subscription

It is time to renew your subscription of *Rotary News* or *Rotary Samachar*. Please pay your subscription dues promptly to ensure timely and uninterrupted receipt of your magazine.

Have you moved to another address? Update your address immediately with us so you get your magazine regularly. And make sure you mention the right PINCODE.

Presidents/Secretaries, please inform us immediately when you add a new member to your club or when someone leaves your club. Our Email id is rotarynews@rosaonline.org.

Please send your iconic projects in word file and pictures added separately (not embedded) to rotarynewsmagazine@gmail.com.

Rotary News/Rotary Samachar Subscription remittances

Payment – `420 per member for 12 months — can be made by cheque or draft favouring ‘Rotary News Trust’ and sent to us at Rotary News Trust, Dugar Towers, Third Floor, 34 Marshalls Road, Egmore, Chennai 600008.

Your magazine dues can also be transferred online at

Bank : HDFC Bank
Branch : Montieth Road, Egmore, Chennai
A/c Name : Rotary News Trust
A/c No. : 50100213133460 (SB Account)
IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details after online transfer

Name of Club
President/Secretary’s name and contact details
Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only without prefixing “Rotary club of”. Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.**